दैनिक नवसंदेश

सबकी बात, रोजाना साथ

R.N.- UDYAM-BR-26-0012779

पटना : रविवार, 28 जून, 2026 | वर्ष -01 | अंक-132 | पृष्ठ-14 | मूल्य : 01 रु. | ई मेल- dainiknavsandesh@gmail.com

संक्षिप्त खबरें

अयोध्या राम मंदिर में कथित चंदा चोरी अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण : सोनू सूद

रायपुर। छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले में आयोजित एक निजी कार्यक्रम में शामिल होने आए अभिनेता सोनू सूद ने उत्तर प्रदेश के अयोध्या राम मंदिर में हुए कथित चंदा चोरी को अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि जब कोई व्यक्ति राम मंदिर या किसी भी धार्मिक स्थल के दान में चोरी करता है तो यह केवल आर्थिक अपराध नहीं बल्कि लोगों की आस्था के साथ विश्वासघात भी है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि इस मामले में जल्द ही न्याय होगा और स्थिति सामान्य हो जाएगी। यहां रायपुर एयरपोर्ट पर पहुंचे अभिनेता सोनू सूद पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे जबकि दुर्ग में आयोजित कार्यक्रम में सूद ने कहा कि धार्मिक स्थलों में श्रद्धालुओं द्वारा किया गया दान आस्था और विश्वास का प्रतीक होता है। ऐसे धन का दुरुपयोग या चोरी करना अत्यंत गंभीर अपराध है।

खान सर की गिरफ्तारी पर रोक बरकरार

पटना। बिहार की राजधानी पटना में चर्चित कोचिंग विवाद मामले में

फेजल खान उर्फ खान सर को आज अदालत से अहम राहत मिली है। जिला अदालत में आज उनकी जमानत याचिका पर सुनवाई पूरी नहीं हो सकी। जज ने मामले की अगली सुनवाई मंगलवार, 30 जून 2026 को तय की है। तब तक खान सर की गिरफ्तारी पर रोक बरकरार रहेगी। जिला न्यायाधीश की अदालत में आज हुई सुनवाई के दौरान पुलिस ने पिछली तारीख पर मांगी गई अपडेटेड केस डायरी कोर्ट में पेश कर दी। अब इसी अपडेटेड केस डायरी के आधार पर 30 जून को खान सर की जमानत याचिका पर अंतिम फैसला सुनाया जाएगा।

ट्रम्प अगले साल की शुरुआत में भारत आ सकते हैं

नई दिल्ली। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प साल 2027 की शुरूआत में भारत आ सकते हैं। व्हाइट हाउस में मीडिया से

बातचीत के दौरान विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने ये बयान दिया। ये ट्रम्प की राष्ट्रपति रहते हुए दूसरी भारत यात्रा हो सकती है। इससे पहले ट्रम्प साल 2020 में पहली बार भारत यात्रा पर आए थे। वे अहमदाबाद में 'नमस्ते ट्रम्प' कार्यक्रम में शामिल हुए थे। रूबियो से पूछा गया कि वे भारत की प्रगति, विकास और वैश्विक स्तर पर प्रधानमंत्री मोदी की भूमिका को कैसे देखते हैं, तो उन्होंने कहा, ह्यहम पीएम मोदी और उनके द्वारा किए गए कार्यों के बहुत बड़े प्रशंसक हैं।अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने हैदराबाद में अमेरिकी वाणिज्य दूतावास के पास की सड़क का नाम 'डोनाल्ड ट्रम्प एवेन्यू' रखे जाने पर भारत का धन्यवाद किया है।

एमएसएमई 'विकसित भारत 2047' की रीढ़, गुणवत्ता से समझौता नहीं : उपराष्ट्रपति

नई दिल्ली (एजेंसी)। उप-राष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने कहा कि सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) 'विकसित भारत 2047' की दिशा में भारत की यात्रा की रीढ़ हैं। उन्होंने कहा कि देश की आर्थिक प्रगति में उनकी भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उप राष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने शनिवार को नई दिल्ली के डॉ. अंबेडकर इंटरनेशनल सेंटर में आयोजित एमएसएमई दिवस 2026-उद्यमी भारत समारोह को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने इस अवसर पर अपने संबोधन में इस बात पर जोर दिया कि गुणवत्ता से कभी समझौता नहीं किया जा सकता। सीपी राधाकृष्णन ने कहा कि सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम की लंबी अवधि की सफलता के लिए इनोवेशन, टेक्नोलॉजी को अपनाना और लगातार सीखते रहना जरूरी है। उन्होंने उद्यमियों से आग्रह किया कि वे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को खतरे के बजाय विकास के एक अवसर के रूप में अपनाएं। अपनी उद्यमिता यात्रा के बारे में बताते हुए उप-राष्ट्रपति ने याद किया कि कैसे उन्होंने ग्रेजुएशन के बाद अपने पिता की

आर्थिक मदद से कपड़ों का एक छोटा सा कारोबार शुरू किया था। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक जीवन में आने से पहले लगन, लगातार सीखते रहने और कड़ी मेहनत की बदौलत ही वे निटवियर निर्यात का एक बड़ा कारोबार खड़ा किया। युवा उद्यमियों का हौसला बढ़ाते हुए उन्होंने उनसे कहा कि वे शुरूआती चुनौतियों से निराश न हों, बल्कि अपने चुने हुए क्षेत्र में महारत हासिल करने पर ध्यान दें। उपराष्ट्रपति ने इस अवसर पर पूरे भारत में एमएसएमई को सशक्त बनाने के उद्देश्य से परिवर्तनकारी डिजिटल प्लेटफॉर्म, पोर्टल और प्रकाशनों की एक श्रृंखला शुरू की। इनमें पीएमईजीपी 2.0 पोर्टल, समाधान 2.0 पोर्टल, पीएमएस पोर्टल, एमएसएमई ग्लोबल मार्ट 2.0 पोर्टल, एमएसएमई टेस्टिंग पोर्टल और एमएसएमई आइडिया हैकथॉन 6.0 शामिल हैं। इस कार्यक्रम में केंद्रीय एमएसएमई मंत्री जीतन राम मांझी, एमएसएमई राज्य मंत्री शोभा करंदलाजे, खादी और ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) के अध्यक्ष मनोज कुतार और मंत्रालय तथा इसके संगठनों के वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए। इसके अलावा एमएसएमई इकोसिस्टम से जुड़े नीति-निमार्ता, उद्योग जगत के दिग्गज, महिला उद्यमी, वित्तीय संस्थान, शिक्षाविद और अन्य प्रमुख हितधारक भी इस कार्यक्रम में शामिल हुए।

बेहतर शिक्षण वातावरण उपलब्ध कराना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता : सम्राट

मिलर स्कूल को मॉडल विद्यालय के रूप में विकसित किया जाए : मुख्यमंत्री

पटना। (एनएसबी) मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने शनिवार को राजधानी के देवीपद शहीद स्मारक (मिलर) उच्च माध्यमिक विद्यालय का निरीक्षण किया तथा विद्यालय को राज्य के एक आदर्श (मॉडल) विद्यालय के रूप में विकसित करने का निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिया। निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री ने विद्यालय परिसर, कक्षाओं, प्रयोगशालाओं, खेल सुविधाओं तथा अन्य आधारभूत संरचनाओं का जायजा लिया। मुख्यमंत्री ने शहीद देवीपद चौधरी के पुष्प अर्पित कर अपनी श्रद्धांजलि दी। मुख्यमंत्री को स्मार्ट स्टीम, रोबोटिक्स एंड एआई लैब को लेकर विस्तृत जानकारी दी गयी। मुख्यमंत्री बच्चों के क्लासरूम गये तथा बच्चों से उनकी शैक्षणिक गतिविधियों के बारे में जानकारी प्राप्त की। मुख्यमंत्री द्वारा बच्चों एवं शिक्षकों से मॉडल स्कूल बनाने के लिये उनका सुझाव एवं सलाह भी सुना गया।

सीएम ने कहा कि विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, आधुनिक सुविधाएं तथा बेहतर शिक्षण वातावरण उपलब्ध कराना राज्य सरकार की सर्वोच्च

प्राथमिकताओं में शामिल है। देवीपद शहीद स्मारक (मिलर) उच्च माध्यमिक विद्यालय को आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित करते हुए इसे एक मॉडल स्कूल के रूप में विकसित किया जाए। इसके लिए आवश्यक आधारभूत संरचना का विकास, स्मार्ट कक्षाओं की स्थापना, प्रयोगशालाओं का सुदृढ़ीकरण, पुस्तकालय का विस्तार, खेल सुविधाओं का उन्नयन तथा परिसर का सौंदर्याकरण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि विद्यालय के समग्र विकास के लिए समयबद्ध कार्ययोजना तैयार कर शीघ्र क्रियान्वयन सुनिश्चित करें। सीएम ने कहा कि शाम 5 बजे से 8 बजे के बीच में बच्चों की शैक्षणिक गतिविधियों को बढ़ावा दिया जाय। मिलर स्कूल मैदान में रौशनी की पर्याप्त व्यवस्था रखें। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार शिक्षा व्यवस्था में गुणात्मक सुधार के लिए निरंतर कार्य कर रही है। विद्यालयों में आधुनिक संसाधनों और बेहतर शैक्षणिक

मुख्य बिंदु

- विद्यालय के समग्र विकास के लिए समयबद्ध कार्ययोजना तैयार कर शीघ्र क्रियान्वयन सुनिश्चित करें
- प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिये अलग से व्यवस्था किये जाने की कार्रवाई की जायेगी

वातावरण की उपलब्धता से विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास को नई दिशा मिलेगी तथा उन्हें प्रतिस्पर्धी भविष्य के लिए तैयार किया जा सकेगा। इस अवसर पर विधान पार्षद नवल किशोर यादव, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव दीपक कुमार, मुख्यमंत्री के सचिव लोकेश कुमार सिंह, ऊर्जा विभाग के सचिव अजय यादव, पटना प्रमण्डल के आयुक्त मयंक बरबरे, डीएम कुंदन कुमार, एसएसपी कार्तिकेय के. शर्मा सहित शिक्षा विभाग के अन्य वरीय अधिकारीगण एवं विद्यालय की प्राचार्या किरण कुमारी उपस्थित थे।

सूबे में 30 जेल उपाधीक्षकों का किया गया तबादला

तुरंत नए पदस्थापन जगह पर जाने का निर्देश

पटना (एनएसबी)। बिहार की जेलों में रातों रात बड़े पैमाने पर प्रशासनिक फेरबदल हुआ है। 30 उपाधीक्षकों का ट्रांसफर करते हुए नई जिम्मेदारी दी गई है। गृह विभाग की तरफ से आधिकारिक तौर पर अधिसूचना जारी कर दी गई है। इसमें सभी 30 उपाधीक्षकों को बिहार की विभिन्न केंद्रीय, मंडल (सब-डिविजनल) और जिला जेलों ट्रांसफर किया गया है। गृह विभाग की तरफ से जारी पत्र में सभी 30 उपाधीक्षकों को बिना देरी के नए पदस्थापन जगह पर जाने का निर्देश दिया गया है।

मिली जानकारी के अनुसार, प्रशासनिक आवश्यकता और कारा व्यवस्था को अधिक प्रभावी बनाने के उद्देश्य से बिहार सरकार की तरफ से तबादला किया गया है। इस तरह बड़े पैमाने में हुए फेरबदल से प्रशासनिक हलकों में चर्चा तेज है। जारी अधिसूचना के अनुसार वीणा कुमारी को पटना सिटी उपकारा का अधीक्षक बनाया गया है। अरविंद कुमार-2 को बाढ़ उपकारा में पदस्थापित किया गया है। फुलवारी शरीफ शिविर मंडल कारा से धीरज कुमार का तबादला बेतिया मंडल कारा किया गया है। पटना सिटी मंडल कारा से अभिषेक कुमार सिंह को किशनगंज मंडल कारा भेजा गया है।

बेऊर में तीन सहायक जेल अधीक्षक : केंद्रीय कारा बेऊर में भी तीन सहायक जेल अधीक्षकों की तैनाती की गई है। समस्तीपुर मंडल कारा से ज्योति

इन जेलों में हुआ तबादला

पूर्णिया जिले के रहने वाले राजेश कुमार मिश्रा को मुंगेर मंडल कारा का उपाधीक्षक बनाया गया है। अरवल जिला के रामानुज राम को मोतिहारी केंद्रीय कारा, पश्चिम चंपारण के जितेंद्र प्रसाद गुप्ता को मधेपुरा मंडल कारा, पश्चिम चंपारण के ही सरवर इमाम खान को शेखपुरा मंडल कारा, भागलपुर के शिवमंगल प्रसाद को समस्तीपुर मंडल कारा, लखीसराय के प्रेमजीत कुमार को मंडल कारा कटिहार और नालंदा के धीरज कुमार को मंडल कारा बेतिया की जिम्मेदारी दी गई है।

कुमारी, मधुबनी मंडल कारा से राजीव रंजन तथा उपकारा शेरघाटी के सहायक अधीक्षक प्रियतम प्रियदर्शी को केंद्रीय कारा बेऊर, पटना में सहायक अधीक्षक के पद पर पदस्थापित किया गया है।

कराची में सुरक्षा बलों के ठिकाने पर हमला

इस्लामाबाद/कराची (एजेंसी)। पाकिस्तान के कराची शहर के गुलिस्तान-ए-जौहर इलाके में शनिवार को सुरक्षा बलों के एक प्रतिष्ठान पर हुए हमले में तीन सिंध रेंजर्स कर्मियों की मौत हो गई। घटना के बाद इलाके में भारी सुरक्षा बल तैनात कर व्यापक तलाशी अभियान शुरू कर दिया गया। स्थानीय मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, धमाके के साथ ही यूनिवर्सिटी रोड स्थित मेट्रोलॉजिकल चौक के पास तेज गोलीबारी की आवाजें भी सुनी गईं, जिससे पूरे क्षेत्र में दहशत फैल गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस, रेंजर्स और अन्य कानून-प्रवर्तन एजेंसियों की टीमें मौके पर पहुंच गईं सिंध पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों ने बताया कि शुरूआती जांच में हमलावरों

ने वाहन के जरिए रेंजर्स मुख्यालय के मुख्य द्वार को निशाना बनाने का प्रयास किया।

तीन रेंजर्स जवानों की मौत

सुरक्षा बलों की जवाबी कार्रवाई में तीन संदिग्ध हमलावरों के मारे जाने की भी सूचना है। अधिकारियों के अनुसार, हमले के बाद क्षेत्र को पूरी तरह घेर लिया गया और आतंकवाद-रोधी बल, विशेष सुरक्षा इकाई के कमांडो तथा रेंजर्स की संयुक्त टीमों ने तलाशी अभियान शुरू किया।

वेनेजुएला में फिर भूकंप के झटके, अब तक 920 की मौत

33 सौ अधिक लोग घायल, 51 हजार लोग लापता

कराकस (एजेंसी) : दक्षिण अमेरिकी देश वेनेजुएला में 25 जून को आए दो भूकंप के बाद स्थानीय समयानुसार शुक्रवार दोपहर को एक और भूकंप आया। देश के उत्तरी तट के पास आए इस भूकंप की तीव्रता 4.9 मापी गई है। रॉयटर्स के मुताबिक, राजधानी कराकास और माराके में भी झटके महसूस किए गए। इधर, पिछले भूकंप के तीन दिन बाद मरने वालों की संख्या बढ़कर 920 हो गई है। 3360 से ज्यादा घायल हैं, जबकि 51,700 से ज्यादा लोग लापता हैं। अधिकारियों ने शुक्रवार को बताया कि अब तक 243 लोगों को जिंदा बचाया गया है। मृतकों की संख्या और बढ़ सकती है।

कई इलाकों में राहत व बचाव दल की कमी : कई इलाकों में राहत टीमों की कमी के कारण लोग परिजन को ढूंढ़ने

के लिए खुद मलबा हटा रहे हैं। कई परिवार हथौड़ों और दूसरे औजारों से इमारतों का मलबा हटाकर अपने परिजन की तलाश कर रहे हैं। वेनेजुएला की कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज ने लोगों से अपील की है कि कि वे फिलहाल ला गुआइरा राज्य न जाए, क्योंकि वहां भूकंप के बाद बचाव अभियान चल रहा है।सरकारी टीवी पर प्रसारित संदेश में रोड्रिगेज ने कहा कि यह मलबे में दबे जिंदा लोगों को बचाने के लिए सबसे संवेदनशील और महत्वपूर्ण समय है। लोगों के वहां पहुंचने से बचाव दलों की आवाजाही प्रभावित हो रही है, इसलिए आम नागरिक फिलहाल ला गुआइरा जाने से बचें।उन्होंने बताया कि सेना, पुलिस, सिविल प्रोटेक्शन, दमकल कर्मियों और बचाव टीमों को आपदा प्रभावित इलाकों तक तेजी से पहुंचने के लिए रास्ते खाली रखना जरूरी है।

जम्मू-कश्मीर व दिल्ली में भूकंप के झटके

श्रीनगर/दिल्ली। जम्मू-कश्मीर के कई इलाकों और दिल्ली एनसीआर में शनिवार को भूकंप के झटके महसूस किए गए। लोग घबराकर घरों और दफ्तरों से बाहर निकल आए। फिलहाल किसी बड़े नुकसान या जनहानि की सूचना नहीं है। जम्मू-कश्मीर और आसपास के क्षेत्र भूकंप की दृष्टि से संवेदनशील माने जाते हैं और यहां समय-समय पर हल्के से मध्यम तीव्रता के झटके महसूस होते रहते हैं।

प्रधानमंत्री तीन दिवसीय दौरे पर पहुंचे सेशेल्स, भव्य स्वागत

विक्टोरिया (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को तीन दिवसीय दौरे पर सेशेल्स पहुंचे। राजधानी विक्टोरिया में राष्ट्रपति पैट्रिक हर्मिनी ने उनका स्वागत किया। दोनों नेताओं ने बोटैनिकल गार्डन में बड़े उत्साह से विशाल कछुओं को खाना खिलाया।

इनमें 194 साल के जोनाथन भी शामिल था, जिसे दुनिया का सबसे उम्रदराज जीवित स्थलीय जानवर माना जाता है। इस दौरान प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति हर्मिनी ने गार्डन में एक पौधा भी लगाया। इसके बाद उन्होंने वहां के कर्मचारियों से मुलाकात की। कर्मचारियों ने उन्हें बोटैनिक्ल गार्डन के पेड़-पौधों और वन्यजीवों के बारे में जानकारी दी।पीएम मोदी 29 जून को सेशेल्स के 50वें राष्ट्रीय दिवस समारोह में मुख्य अतिथि भी होंगे।

हिंद महासागर में बसे इस छोटे से द्वीपीय देश का भारत से रिश्ता सिर्फ रणनीतिक नहीं, बल्कि 256 साल पुराना भी है। साल 1770 में जब यहां पहली स्थायी बस्ती बसाई गई, तब वहां पहुंचने वाले 27 लोगों में 5 भारतीय भी शामिल थे। बाद में बिहार, तमिलनाडु और गुजरात से भी बड़ी संख्या में भारतीय यहां आकर बस गए। आज सेशेल्स की करीब 1.20 लाख आबादी में लगभग हर आठवां नागरिक भारतीय मूल का है। देश के राष्ट्रपति वेवेल रामकलावन के पूर्वज भी बिहार के गोपालगंज जिले से थे। ऐसे में मोदी का यह दौरा दोनों देशों के ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और रणनीतिक रिश्तों को नई मजबूती देने वाला माना जा रहा है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि सेशेल्स हमारा एक महत्वपूर्ण समुद्री पड़ोसी है। हमारे 'विजन महासागर' और 'ग्लोबल साउथ' के प्रति हमारी साझा प्रतिबद्धता में एक अहम साझेदार है।

कहा- सेशेल्स हमारे 'विजन महासागर' और 'ग्लोबल साउथ' के प्रति हमारा अहम साझेदार

भरत तिवारी एनकाउंटर

पोस्टमार्टम रिपोर्ट में 5 गोलियां लगने की पुष्टि

भोजपुर/पटना (एनएसबी)। बिहार के भोजपुर जिले में हुए चर्चित भरत भूषण तिवारी एनकाउंटर मामले में पोस्टमार्टम रिपोर्ट सामने आने के बाद राजनीतिक सरगर्मी और तेज हो गई है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में भरत भूषण तिवारी के शरीर में पांच गोलियां लगने की पुष्टि हुई है। वहीं मामले की जांच जारी है और सरकार ने स्पष्ट किया है कि जांच रिपोर्ट के आधार पर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के अनुसार, भरत भूषण तिवारी को कुल पांच गोलियां लगी थीं। इनमें पहली गोली बाईं जांघ के ऊपरी अगले हिस्से में, दूसरी बाईं जांघ के अंदरूनी मध्य भाग में, तीसरी दाईं जांघ के अंदरूनी मध्य हिस्से में, चौथी दाईं जांघ के बाहरी हिस्से के अंदरूनी भाग में तथा पांचवीं गोली बाएं पैर के पिछले मध्य हिस्से में लगी थी।

पीएमसीएच प्राचार्य हटाए जाने के मामले की होगी हाई लेवल जांच

पटना (एनएसबी)। पटना मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल (पीएमसीएच) के पूर्व प्राचार्य डॉ. नरेंद्र प्रताप सिंह को पदमुक्त किए जाने के बाद अब पूरे मामले की जांच उच्च-स्तरीय समिति करेगी। स्वास्थ्य विभाग ने स्पष्ट किया है कि मंत्री के निरीक्षण के दौरान उनकी कथित अनाधिकृत अनुपस्थिति, सरकारी संसाधनों के इस्तेमाल और निजी प्रैक्टिस से जुड़े आरोपों की विस्तृत जांच कराई जाएगी। विभाग का कहना है कि जांच प्रक्रिया के दौरान डॉ. नरेंद्र का पक्ष भी सुना जाएगा और उसके बाद नियमानुसार आगे की कार्रवाई तय होगी। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, स्वास्थ्य मंत्री के

पूर्व प्राचार्य के प्रेसवार्ता से स्वास्थ्य विभाग नाराज

अस्पताल निरीक्षण से एक दिन पहले ही कार्यक्रम की जानकारी अस्पताल अधीक्षक ने डॉ. नरेंद्र प्रताप सिंह को मोबाइल फोन पर दे दी थी। विभाग का दावा है कि उन्हें कार्यक्रम में धन्यवाद ज्ञापन देने की जिम्मेदारी भी सौंपी गई थी, जिस पर उन्होंने सहमति जताई थी।

खबरें : एक नजर में

सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक एवं भ्रामक सामग्री डालने वालों के खिलाफ 4 महीने में 128 एफआईआर, मार्च से जून 2026 के बीच 16 लोग गिरफ्तार, 9 आईडी किए गए डिलीट

पटना (दैनिक नवसंदेश)। बिहार पुलिस की साइबर इकाइयों के स्तर से सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक, भ्रामक एवं विधि-व्यवस्था को प्रभावित करने वाली सामग्री के खिलाफ लगातार प्रभावी कार्रवाई जारी है। इस वर्ष मार्च से जून के दौरान राज्य भर में 128 प्राथमिकी दर्ज की गईं जबकि 16 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। इसके साथ ही सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक कंटेंट और भ्रामक सामग्री पोस्ट करने के आरोप में 9 हैंडल आईडी चैनलों को हटाया (डिलीट) गया है। हटाए गए इन सभी 9 हैंडल के माध्यम से संवैधानिक पदों पर बैठे लोगों के साथ ही आम जनता और व्यक्ति विशेष के खिलाफ बेवजह भ्रामक एवं आपत्तिजनक सामग्री प्रसारित की जा रही थी।

इसी प्रकार से मार्च से जून- 2026 के बीच सोशल मीडिया प्लेटफर्म्स एवं संबंधित सेवा प्रदाताओं को 453 टेकडाउन नोटिस जारी किए गए। इन नोटिसों के माध्यम से 856 आपत्तिजनक यूआरएल हटाने का अनुरोध किया गया, जिनमें से 823 यूआरएल सफलतापूर्वक हटाए जा चुके हैं। साथ ही, संवैधानिक पदों और गणमान्य लोगों से संबंधित आपत्तिजनक पोस्ट पर विशेष निगरानी की जा रही है और आपत्तिजनक सोशल मीडिया पोस्ट करनेवालों के खिलाफ पुलिस का विशेष अभियान लगातार जारी है।

इस मामले में बिहार पुलिस ने स्पष्ट किया है कि सोशल मीडिया का दुरुपयोग कर अफवाह फैलाने, आधारहीन भ्रामक सूचना प्रसारित करने, सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने की कोशिश करने अथवा किसी भी व्यक्ति विशेष की गरिमा को बेवजह ठेस पहुंचाने का प्रयास करने वाले व्यक्तियों के विरुद्ध नियम सम्मत कठोर कानूनी कार्रवाई जारी रहेगी।

राज्य की आम जनता से भी अपील है कि सोशल मीडिया पर किसी भी प्रकार की अपुष्ट अथवा भ्रामक जानकारी साझा करने से बचें। साथ ही सोशल मीडिया प्लेटफर्म पर वायरल आपत्तिजनक, संदिग्ध, भ्रामक अथवा अपुष्ट खबर की सूचना तत्काल संबंधित साइबर थाना अथवा पुलिस को दें। क्योंकि, ऐसी खबरों को लेकर आम जनता की सहभागिता और जागरुकता से इस पर रोक लगाने में पुलिस को काफी मदद मिलेगी।

बिहार में हाईवे का महाजल : 15 हजार करोड़ रुपये से अधिक के प्रोजेक्ट्स तैयार, केंद्र से मंजूरी जल्द

सड़कों और पुल के निर्माण से मजबूत होगी कनेक्टिविटी, कई महत्वाकांक्षी परियोजनाओं का खाका तैयार

परियोजनाओं की अंतिम स्वीकृति के लिए केंद्र सरकार को भेजा गया है डीपीआर

दैनिक नवसंदेश

पंकज कुमार पाल ।

पटना। बिहार में नेशनल हाई-वे, बाईपास और पुलों की सूरत जल्द बदलने वाली है। पथ निर्माण विभाग ने उच्च स्तर पर राज्य की कई बड़ी महत्वपूर्ण परियोजनाओं की विस्तृत रिपोर्ट (डीपीआर) सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय को अंतिम मंजूरी के लिए भेजा है।

विभागीय अधिकारियों का कहना है कि केंद्र सरकार से मंजूरी मिलते ही इन महत्वाकांक्षी परियोजनाओं का काम शुरू कर दिया जाएगा। इससे सड़क कनेक्टिविटी को और अधिक मजबूती मिलेगी।

सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के यहां मंजूरी के लिए भेजे गए महत्वपूर्ण प्रस्तावों में अरवल-बिहार शरीफ पथ का निर्माण कार्य प्रमुख है। 89 किमी लंबे इस मार्ग के चौड़ीकरण के लिए 3,844.69 करोड़ रुपये का डीपीआर तैयार किया गया है, जिसकी रिपोर्ट केंद्र सरकार को भेजी जा चुकी है।

इसी तरह एनएच-333 ए करीडोर के तहत बरबीघा से पंजवारा तक विभिन्न सड़क पैकेजों के साथ सतीघाट पुल के 974.37 करोड़ रुपये की वृहद कार्ययोजना तैयार है। केंद्र सरकार से मंजूरी मिलते ही इस परियोजना का कार्य भी शुरू कर दिया जाएगा। विभाग ने बेतिया, समस्तीपुर और औरंगाबाद के लिए बाइपास के साथ-साथ जयनगर में कमला नदी पर दो नए पुल व बाइपास बनाने की दिशा में 2200 करोड़ से भी ज्यादे का डीपीआर तैयार किया है।

विभागीय सचिव पंकज कुमार पाल ने बताया कि राज्य में कनेक्टिविटी को और बेहतर एवं मजबूत बनाने के लिए केंद्र और राज्य के बीच बेहतर समन्वय से काम किया जा रहा है।

उन्होंने बताया कि डुमराव, विक्रमगंज, सफियासराय और जहानाबाद में करोड़ों की लागत से नए रेलवे ओवरब्रिज बनाने की योजना है। इससे इन शहरों को ट्रैफिक की समस्या से छुटकारा मिलेगा।

मसरख-चकिया-भिट्ठामोड़ के बीच 146 किमी लंबे राम जानकी मार्ग के लिए 8,671.80 करोड़ रुपये की फाइनल रिपोर्ट जल्द ही सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय को भेजी जाएगी।

सचिव श्री पाल की मानें तो केंद्रीय मंत्रालय द्वारा उठाए गए सभी तकनीकी बिंदुओं और आपत्तियों का विभाग ने समयबद्ध निपटारा कर दिया है। इससे इन सभी परियोजनाओं के जल्द धरातल पर उतरने के रास्ते साफ हो चुके हैं।

पांच वर्षों में ईवी की खरीद में करीब 10 गुना हुआ उछाल

पटना (दैनिक नवसंदेश)। विश्व स्तर पर पेट्रोल-डीजल की बढ़ती कीमत और महंगाई के बीच बिहार में इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) को अपनाने का सिलसिला तेजी से बढ़ रहा है। परिवहन विभाग के आंकड़ों के मुताबिक, पांच वर्षों में ईवी की खरीद में लगभग 10 गुना बढ़ोतरी दर्ज की गई है। वर्ष 2020 में जहां ईवी की संख्या 12,400 के करीब थी, वहीं बीते वर्ष करीब 1 लाख 23 हजार के आंकड़े को छू चुकी है। इस दौरान राज्य में निबंधित कुल 81 लाख 68 हजार वाहनों में से लगभग 6 प्रतिशत यानी 4 लाख 83 हजार ईवी हैं। यह आंकड़ा न केवल बिहार की बदलती परिवहन संस्कृति को दर्शाता है, बल्कि पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक बड़ा कदम भी साबित हो रहा है।

वर्ष 2021 में ईवी के निबंधन में 855 प्रतिशत की वृद्धि हुई और आंकड़ा 23 हजार के पार पहुंच गया। 2022 में भी इसमें भारी उछाल आया और संख्या 55,700 से अधिक हो गई। वर्ष 2023 में राज्य सरकार की ओर से ईवी नीति लागू होने के बाद यह आंकड़ा करीब 90 हजार पहुंच गया। वर्ष 2024 में संख्या बढ़कर 1 लाख 12 हजार से अधिक हो गई। चालू वर्ष 2026 में अब तक राज्यभर में 8 लाख वाहन पंजीत किए गए हैं, जिनमें ईवी की संख्या करीब 68 हजार है। परिवहन मंत्री दामोदर रावत ने इस बदलते ट्रेंड को पर्यावरणीय दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि एक जागरूक और जिम्मेदार नागरिक ईवी को अपना रहा है। यह ट्रेंड पर्यावरणीय दृष्टि से बेहद महत्वपूर्ण है ।

बिहार में सरकार के स्तर से मंत्री रबर स्टैंप के अलावा कुछ नहीं : राजद

एजाज अहमद।

पटना (दैनिक नवसंदेश)। बिहार प्रदेश राष्ट्रीय जनता दल के प्रवक्ता एजाज अहमद ने कहा कि बिहार में सरकार कैसे चलाया जा रहा है ये स्पष्ट रूप से सामने आ गया। जब पथ निर्माण मंत्री अपने ही विभाग के सचिव के साथ पत्राचार करते हैं तो यह नए तरह का प्रयोग है जबकि सरकार में उस विभाग के सचिव के नाम पत्राचार का पहला मामला देखने को मिला। बिहार में सरकार के स्तर से मंत्री रबर स्टैंप के अलावा कुछ नहीं है इसका पोल स्वयं मंत्री इंजीनियर शैलेंद्र कुमार ने खोल दिया है उन्होंने अपने विभाग के सचिव से विक्रमशिला पुल पर एक व्यक्ति की हुई मौत के मामले में मुआवजे की मांग करके स्पष्ट कर दिया है की बिहार में सम्राट चौधरी की सरकार अधिकारी और पदाधिकारी के माध्यम से चल रही है, मंत्री सिर्फ नाम के लिए है उनका कोई भी अधिकार नहीं मिला हुआ है तभी तो विभागीय सचिव से भी मंत्री को आवेदन देकर मुआवजे की मांग करनी पड़ रही है।

पटना मेडिकल कॉलेज के पूर्व प्राचार्य के सरकारी गार्ड को स्वास्थ्य विभाग ने किया आगे

पटना / एनएसबी। पटना मेडिकल कॉलेज के पूर्व प्राचार्य और स्वास्थ्य विभाग के बीच का विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा । जहां जूनियर डॉक्टर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष ने डा. एनपी सिंह के समर्थन विभाग की कार्रवाई पर सवालिया निशान लगाया है वहीं स्वास्थ्य विभाग ने पूर्व प्राचार्य के सरकारी गार्ड पुलिस जवान को आगे किया है।

अंगरक्षक ने दी जानकारी दी उस दिन निजी क्लीनिक में बजे से मरीज देख रहे थे डा. एन पी सिंह

स्वास्थ्य विभाग ने विज्ञप्ति जारी कर जानकारी दी है कि जवान ने डा. एनपी सिंह को उस दिन क्लिनिक में मरीज देखने की जानकारी दी है।

स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक पीएमसी के पूर्व प्रिंसिपल डा. नरेंद्र प्रताप सिंह के निजी क्लिनिक में उपस्थिति रहने के बारे में उनके सरकारी अंगरक्षक ने पूरी जानकारी दी है।

पूर्व प्राचार्य डा. नरेंद्र प्रताप सिंह के साथ प्रतिनियुक्त सरकारी अंगरक्षक ने उस दिन के बारे में जानकारी देते हुए बताया है कि जून को जिस दिन स्वास्थ्य मंत्री पीएमसीएच में पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार उपस्थित थे, वे पूर्व प्राचार्य डा. नरेंद्र प्रताप सिंह के साथ ड्यूटी पर थे।

सरकारी अंगरक्षक संजीत कुमार (सिपाही नंबर-2317) ने बताया कि वह डा. नरेंद्र प्रताप सिंह के साथ प्राचार्य के सरकारी अंगरक्षक के रूप में तैनात किए गए है। मंगलवार, 23 जून को हुई घटना की पूरी जानकारी देते हुए उन्होंने कहा - वह रोजाना की तरह उस दिन भी सुबह 9 : 30 बजे डॉक्टर साहब के आवास सह क्लीनिक पर ड्यूटी के लिए पहुंच गया था।

डा. नरेंद्र प्रताप सिंह सुबह 11 बजे अपने घर के ऊपरी हिस्से से नीचे क्लीनिक में आए।

क्लीनिक में आने के बाद डॉक्टर साहब ने शाम 6 बजे तक लगातार मरीजों को देखा। उस दिन करीब 15 से 20 मरीज इलाज के लिए आए थे।

सुरक्षा गार्ड ने स्पष्ट किया कि सुबह 9: 30 बजे से लेकर शाम 6: 30 बजे (जब गार्ड अनुमति लेकर वहां से निकला) तक डॉक्टर साहब अपने क्लीनिक में ही मौजूद थे और पूरे समय वहीं बैठकर काम कर रहे थे, वे कहीं भी बाहर नहीं गए थे।

उल्लेखनीय है कि डा नरेंद्र प्रताप सिंह के मामले में उनके द्वारा मीडिया में दिए गए बयान के बाद स्वास्थ्य विभाग के द्वारा मामले की उच्च स्तरीय जांच करने का निर्णय लिया गया है। परंतु, सरकारी अंगरक्षक के बयान से स्वास्थ्य विभाग के द्वारा अब तक जिस आधार पर कार्रवाई की बात कही जा रही थी वह सत्य साबित होता है। अब पूरे मामले में जाँच कर आरोपी डाक्टर से उनका पक्ष लेकर आगे की कार्रवाई की जाएगी ।

थारू समाज के उत्थान के लिए 16 वर्षों में 180 करोड़ रुपये का व्यय

357 योजनाएं प्रस्तावित इनमें 286 पूर्ण

पटना (दैनिक नवसंदेश)। राज्य सरकार थारू जनजातीय समुदाय के सामाजिक-आर्थिक उत्थान के लिए निरंतर कार्य कर रही है। पिछले 16 वर्षों में सरकार ने इस दिशा में 180 करोड़ रुपये की राशि खर्च की है, जिससे थारू बस्तियों की सूरत और सीरत दोनों बदली गई हैं। समेकित थरूहट विकास अभिकरण की स्थापना वर्ष 2010 में पश्चिम चंपारण जिले के मुख्यालय बेतिया में की गई। अभिकरण के माध्यम से थारू बहुल क्षेत्रों में समग्र विकास की दिशा में कार्य किए जा रहे हैं। अब तक 357 योजनाएं प्रस्तावित की गईं, जिनमें से 286 योजनाएं पूर्ण कर ली गई हैं। इनमें विद्यालयों में छात्रावासों का निर्माण, उप स्वास्थ्य केंद्रों की स्थापना, स्टेडियम का विकास, पीसीसी संपर्क पथ (सड़कों) का निर्माण, कौशल विकास कार्यक्रम शामिल है। बाकि बचे योजनओं को जल्द पूरा करने का लक्ष्य है।

इन योजनाओं से थारू युवाओं को बेहतर शिक्षा, स्वास्थ्य सुविधाएं, खेल के अवसर और रोजगार की दिशा में प्रशिक्षण मिल रहा है। पश्चिम चंपारण जिले की 43 पंचायतों में लगभग 2 लाख 20 हजार थारू जनसंख्या निवास करती है। इनमें बगहा, नरकटियागंज समेत कई अन्य इलाके शामिल हैं। थारू समुदाय मुख्य रूप से षि, वनोपज और पारंपरिक व्यवसायों पर निर्भर रहा है। सरकार की इन योजनाओं ने उन्हें मुख्यधारा से जोड़ने और उनके जीवन स्तर को उंचा उठाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। राज्य सरकार प्रतिवर्ष थारू समाज के उत्थान के लिए अलग से बजट का प्रावधान करती है। वर्तमान वित्तीय वर्ष के लिए बजट की घोषणा जल्द ही होने वाली है।

9 वीं से 12 तक के विद्यार्थियों का बोर्ड परीक्षा के रजिस्ट्रेशन के लिए अपार आईडी अनिवार्य

30 जून तक अपार आईडी बनाने की अंतिम तिथि निर्धारित, बिहार विद्यालय परीक्षा समिति के सचिव ने सभी डीईओ के पास पत्र भेजकर दिया निर्देश

पटना (दैनिक नवसंदेश)। सरकार ने हाई स्कूल और इंटरमीडिएट परीक्षा के लिए फार्म भरने वाले विद्यार्थियों का अपार आईडी अनिवार्य कर दिया है। इसके बिना रजिस्ट्रेशन नहीं किया जाएगा। इसको लेकर बिहार विद्यालय परीक्षा समिति के सचिव ने सभी जिला शिक्षा अधिकारियों के पास पत्र भेज कर 30 जून तक हर हालत में अपार आईडी बनाने का निर्देश दिया है। उन्होंने पत्र में कहा कि शिक्षा विभाग भारत सरकार ने विद्यालयों में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं का 30 जून 2026 तक अपार आईडी निर्माण करने का लक्ष्य निर्धारित किया है। इसको देखते हुए राज्य शिक्षा परियोजना निदेशक द्वारा 9 वीं से लेकर 12 वीं में पढ़ने वाले छात्र-छात्राओं का बोर्ड की परीक्षा के लिए होने वाले पंजीकरण में अपार आईडी और विद्यालयों का यू डायस कोड अनिवार्य कर दिया गया है। उन्होंने ने सभी डीईओ को आदेश दिया है कि बोर्ड परीक्षा का रजिस्ट्रेशन के लिए अनिवार्य रूप से 30 जून तक सभी छात्र-छात्राओं का अपार आईडी का निर्माण किया जाए। ताकि कोई भी विद्यार्थी इसके बिना रजिस्ट्रेशन से वंचित नहीं रहे। बताया जाता है कि इसके पहले भी सभी डीईओ के पास पत्र भेजकर निर्देश दिया गया था। सरकार द्वारा अपार आईडी बनाने की अंतिम तिथि 30 जून निर्धारित किया गया है।

इस वर्ष भ्रमण दर्शन कार्यक्रम से 3 हजार मछली पालक होंगे लाभान्वित

पटना (दैनिक नवसंदेश)। राज्य सरकार का डेयरी, मत्स्य एवं पशु संसाधन विभाग मत्स्य पालक किसानों को आधुनिक तकनीक आधारित मछली पालन के गुर सिखाने के लिए भ्रमण दर्शन कार्यक्रम चला रहा है। कार्यक्रम के तहत इस वर्ष 3 हजार किसानों को राज्य के अंदर विकसित आधुनिक मछली पालन प्रक्षेत्र दिखाए जाएंगे। राज्य सरकार ने वित्तीय वर्ष 2026-27 में इसके लिए 46 लाख 50 हजार रुपये की स्वीकृति दी है। माना जा रहा है कि इससे मछली पालन का तेजी से विकास होगा और रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे।

इस योजना के तहत विभिन्न जिलों में विकसित चौर विकास एवं समेकित मत्स्य पालन, केज में मछली पालन, विकसित मत्स्य बीज हैचरी प्रक्षेत्र, फिश फीड मिल, बायोफ्लक एवं आरएएस तकनीक आदि विकसित मत्स्य प्रक्षेत्रों का भ्रमण दर्शन कराया जाएगा। इसके पीछे सरकार का उद्देश्य है कि किसान अपने जिलों में अनुकरण कर नवीनतम तकनीक से मत्स्य पालन कर सकें। इससे न केवल मत्स्य उत्पादन में वृद्धि हो सकेगी बल्कि इससे जुड़े किसानों की वार्षिक आय में भी बढ़ोतरी होगी।

भ्रमण दर्शन की योजना राज्य के सभी जिलों में कार्यान्वित की जाएगी। इस कार्यक्रम के तहत राज्य के 3 हजार मत्स्य किसानों को 150 बैचों, यानी 20 मत्स्य षक प्रति बैच में मत्स्य प्रक्षेत्रों आदि का एक दिवसीय भ्रमण दर्शन कराया जाएगा। मत्स्य षक राज्य के अंदर भ्रमण दर्शन कार्यक्रम के लिए निबंधन शुल्क के रूप में 100 रुपये प्रति षक की दर से अपने जिले के जिला मत्स्य कार्यालय में जमा करेंगे।

योजना के तहत लाभुकों के चयन के लिए पारदर्शी व्यवस्था बनाई गई है। योजना का लाभ इच्छुक किसान जो मछली पालन शुरू करना चाहते हों या जो पहले से निजी या पट्टे पर मछली पालन कर रहे हों ले सकते हैं। वहीं, इससे पहले योजना का लाभ ले चुके मछली पालकों को दोबारा इसका लाभ नहीं मिलेगा। इस भ्रमण दर्शन कार्यक्रम के लिए लाभुकों के चयन के लिए अनलाइन आवेदन आमंत्रित किया गया है।

प्रो. शिवनारायण काशी में प्रतिष्ठित सृजन शिखर सम्मान -2026 से सम्मानित

पटना (दैनिक नवसंदेश)। प्रसिद्ध कवि, आलोचक एवं संपादक प्रो. शिवनारायण को नांदी सेवा न्यास, वाराणसी द्वारा आजीवन हिंदी भाषा एवं साहित्य की सेवा के लिए वर्ष 2026 के प्रतिष्ठित राजेन्द्र प्रसाद पांडेय सृजन शिखर सम्मान से सम्मानित किया गया।

साहित्य अकादमी के अध्यक्ष डा. माधव कौशिक एवं साहित्य आजतक के संपादक जयप्रकाश पांडेय ने एक समारोह में उन्हें सम्मान पत्र, प्रतीक चिन्ह एवं एक लाख रुपये की मानद राशि अर्पित किया।

प्रो शिवनारायण को राजेन्द्र प्रसाद पांडेय सृजन शिखर सम्मान-2026 प्रदान किए जाने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए पीपीयू के कुलपति प्रो उपेंद्र प्रसाद सिंह, कुलसचिव प्रो अबु बकर रिजवी, साहित्यकार- लेखक अशोक कुमार सिन्हा, डा ध्रुव कुमार, डा. राधे श्याम तिवारी, ममता मेहरोत्रा, निविड़ शिवपुत्र, गोरख प्रसाद मस्ताना, चितरंजन भारती, रूबी भूषण एवं लेखक- संपादक प्रभात वर्मा सहित अनेक साहित्यकारों ने उन्हें बधाई दी है।

राजेन्द्र प्रसाद पांडेय सृजन शिखर सम्मान-2026 ग्रहण करत प्रो शिवनारायण।

गौरतलब है कि प्रो शिवनारायण पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय स्थित श्रीअरविंद महिला कालेज में स्नातकोत्तर हिंदी विभाग के अध्यक्ष हैं और साहित्यिक पत्रिका नयी धारा का 1990 से संपादन कर रहे हैं। उनकी अब तक 58 पुस्तकें हो चुकी हैं।

खबरें खास-खास

आर्मी पब्लिक स्कूल को तिहरा खिताब

पटना जिला स्तरीय सुब्रतों मुखर्जी कप फुटबॉल चयन प्रतियोगिता संपन्न, सभी आयुवर्ग की विजेता टीम राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में पटना जिला का प्रतिनिधित्व करेंगी

पटना (दैनिक नवसंदेश)। पटना जिला स्तरीय सुब्रतों मुखर्जी कप फुटबॉल चयन प्रतियोगिता के बालक अंडर- 17 वर्ग में आर्मी पब्लिक स्कूल ने लोयला हाई स्कूल को 1-0 तथा बालक अंडर-15 वर्ग में आर्मी पब्लिक स्कूल ने लिटेरा वैली स्कूल को 3-0 से हराकर खिताब पर कब्जा जमाया। वहीं बालिका अंडर-17 वर्ग में आर्मी पब्लिक स्कूल ने एकतरफा मुकाबले में माउंट लिटेरा जी स्कूल, बाढ़ को 6-0 से हराकर चैम्पियन बनीं। खेल विभाग, बिहार तथा बिहार राज्य खेल प्राधिकरण के संयुक्त तत्वावधान में जिला प्रशासन, पटना द्वारा पाटलिपुत्र खेल परिसर में आयोजित एक दिवसीय पटना जिला सुब्रतों मुखर्जी कप फुटबॉल प्रतियोगिता के बालक अंडर-17 वर्ग का फाइनल मुकाबला काफी संघर्षपूर्ण रहा। मैच के 40 मिनट में आर्मी पब्लिक स्कूल के आशुतोष कुमार ने एक बेहतरीन गोल कर अपनी टीम को जीत दिलाई। इसे पूर्व हुए इस आयुवर्ग के एक अन्य मुकाबले में लोयला हाई स्कूल ने माउंट लिटेरा जी स्कूल, बाढ़ को 2-0 से हराया।

मैच से पूर्व सभी खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर ओम प्रकाश।

बालक अंडर-15 के फाइनल मुकाबले में आर्मी पब्लिक स्कूल के मोहम्मद आबिद के लगातार दो गोल (7 मिनट एवं 10 मिनट) तथा अभिषेक सिंह के एक गोल (21 मिनट) की बदौलत उनकी टीम 3-0 से जीती।

इस प्रतियोगिता के बालिका अंडर-17 वर्ग में आर्मी पब्लिक स्कूल की लक्की कुमारी ने 5 गोलों (1,8,14,17,19 वें मिनट) की बदौलत मैच पर पुरी तरह से अपना दबदबा कायम रखा। मैच के 24 वें मिनट में अदिति कुमारी ने एक और गोल कर यह अन्तर 6-0 कर दिया और खिताब अपने टीम के नाम किया।

मैच से पूर्व सभी खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर ओम प्रकाश, जिला खेल पदाधिकारी, पटना ने प्रतियोगिता का शुभारम्भ किया।

आगामी 10 से 14 जुलाई तक मुंगेर में आयोजित अंडर-15 बालक, किशनगंज में अंडर-17 बालक तथा समस्तीपुर में अंडर-17 बालिका वर्ग की राज्य स्तरीय सुब्रतों मुखर्जी कप फुटबॉल प्रतियोगिता में आर्मी पब्लिक स्कूल की टीम पटना जिला का प्रतिनिधित्व करेगी।

कायस्थ समाज को उचित प्रतिनिधित्व देने की मांग को लेकर अखिल भारतीय कायस्थ महासभा के प्रतिनिधिमंडल ने भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन से की भेंट

राष्ट्र निर्माण में कायस्थ समाज की भूमिका को मिले उचित सम्मान : डा. अनूप कुमार श्रीवास्तव

कायस्थ समाज के उत्थान के लिए हरसंभव प्रयास करेंगे : नितिन नवीन

23 अगस्त को कांस्टीट्यूशन क्लब में होगा नितिन नवीन का सम्मान एवं अखिल भारतीय कायस्थ प्रतिभा सम्मान समारोह

पटना (दैनिक नवसंदेश)। अखिल भारतीय कायस्थ महासभा के प्रतिनिधिमंडल ने राष्ट्रीय अध्यक्ष डा. अनूप कुमार श्रीवास्तव के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन से शिष्टाचार भेंट कर कायस्थ समाज की वर्तमान सामाजिक, आर्थिक एवं राजनीतिक स्थिति पर विस्तार से चर्चा की। प्रतिनिधिमंडल में महासभा के संरक्षक धीरेंद्र प्रताप श्रीवास्तव, वरिष्ठ कार्यकारी अध्यक्ष ब्रिगेडियर अनिल श्रीवास्तव, वरिष्ठ उपाध्यक्ष राजीव वर्मा सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

अखिल भारतीय कायस्थ महासभा के प्रतिनिधिमंडल ने राष्ट्रीय अध्यक्ष डा. अनूप कुमार श्रीवास्तव के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन से शिष्टाचार भेंट की।

बैठक के दौरान राष्ट्रीय अध्यक्ष डा अनूप कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि कायस्थ समाज ने पूरे देश के सामाजिक, प्रशासनिक, शैक्षणिक, साहित्यिक एवं राजनीतिक विकास में सदैव महत्वपूर्ण एवं ऐतिहासिक भूमिका निभाई है। स्वतंत्रता संग्राम से लेकर आधुनिक भारत के निर्माण तक समाज का योगदान प्रेरणादायी रहा है। उन्होंने कहा कि कायस्थ समाज सदैव राष्ट्रहित, सुशासन एवं सकारात्मक राजनीति का समर्थक रहा है। उन्होंने भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाली केंद्र एवं विभिन्न राज्य सरकारों में कायस्थ समाज को अपेक्षित प्रतिनिधित्व न मिलने पर गहरी चिंता एवं असंतोष व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि इससे समाज के बुद्धिजीवियों, युवाओं एवं विभिन्न सामाजिक संगठनों में निराशा का वातावरण बना है। महासभा ने आग्रह किया कि सरकार एवं संगठन में समाज को उसकी योग्यता और योगदान के अनुरूप उचित प्रतिनिधित्व प्रदान किया जाए, जिससे समाज और अधिक सक्रियता एवं समर्पण के साथ राष्ट्र निर्माण में अपनी भूमिका निभा सके।

इस अवसर पर भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वस्त करते हुए कहा कि वे कायस्थ समाज के उत्थान, सम्मान एवं उचित भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए हरसंभव प्रयास करेंगे।

बैठक के दौरान यह भी जानकारी दी गई कि 23 अगस्त 2026 को कांस्टीट्यूशन क्लब, नई दिल्ली में नितिन नवीन का भव्य सम्मान समारोह आयोजित किया जाएगा। इसी अवसर पर अखिल भारतीय कायस्थ प्रतिभा सम्मान का भी आयोजन किया जाएगा, जिसमें विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट उपलब्धियाँ प्राप्त करने वाली कायस्थ प्रतिभाओं को सम्मानित किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ग्रामीण सोलर स्ट्रीट लाइट योजना का 96 प्रतिशत काम पूरा

पंचायतों में लगी 11 लाख 25 हजार से अधिक सोलर स्ट्रीट लाइट

निगरानी और मरम्मती के लिए सीएमएस पोर्टल एवं एजेंसी

पटना (दैनिक नवसंदेश)। राज्य की पंचायतों में मुख्यमंत्री ग्रामीण सोलर स्ट्रीट लाइट योजना के प्रभावी क्रियान्वयन से लेकर मरम्मती, तकनीकी निगरानी एवं पूर्ण पारदर्शिता सुनिश्चित की जा रही है। पंचायती राज विभाग ने स्पष्ट किया है कि योजना के अंतर्गत राज्य में कुल 11 लाख 73 हजार 740 सोलर स्ट्रीट लाइटों का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसके विरुद्ध 11 लाख 25 हजार 606 सोलर स्ट्रीट लाइटें पूर्ण रूप से लगाई जा चुकी है, जो कुल लक्ष्य का लगभग 96 प्रतिशत है। इनमें से 10 लाख 59 हजार 753 सोलर स्ट्रीट लाइटें सेंट्रलाइज्ड मॉनिटरिंग सिस्टम (सीएमएस) से एकीत होकर रियल टाइम मनिटरिंग के दायरे में हैं।

खराब स्ट्रीट लाइटों की संख्या मात्र 1,090 : रिपोर्ट के अनुसार, 72 घंटे से अधिक अवधि से खराब सोलर स्ट्रीट लाइटों की संख्या मात्र 1,090 है। वहीं 26,580 सोलर स्ट्रीट लाइटें सिगल लॉस श्रेणी में हैं। सोलर स्ट्रीट लाइटों की मरम्मती के लिए विभाग द्वारा कार्यकारी एजेंसियों के साथ सेवा स्तर समझौता किया गया है। इसके तहत किसी भी खराब सोलर स्ट्रीट लाइट की सूचना प्राप्त होने के 72 घंटे के भीतर मरम्मत अनिवार्य है। निर्धारित अवधि में मरम्मत नहीं होने की स्थिति में अनुबंध की शर्तो के अनुरूप संबंधित एजेंसी पर आर्थिक दंड लगाने का प्रावधान है।

जनभागीदारी के लिए ऐप : योजना में जनभागीदारी एवं पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए एमजीएसएसएलवाई सीएमएस मोबाइल ऐप भी है। आम नागरिक इसके माध्यम से खराब स्ट्रीट लाइट की शिकायत दर्ज करा सकते हैं। प्राप्त शिकायतों का ऑनलाइन अनुश्रवण कर समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित की जाती है। साथ ही राज्य के सभी जिला समाहरणालयों में एलईडी टीवी पर सीएमएस के माध्यम से इन लाइटों की कार्यशीलता से संबंधित अपडेटेड जानकारी निरंतर प्रदर्शित की जाती है। विभाग के क्षेत्रीय पदाधिकारी नियमित रूप से पंचायतों का निरीक्षण कर सोलर स्ट्रीट लाइटों की कार्यशीलता की समीक्षा करते हैं ।

संक्षिप्त खबरें

बिजली की लचर आपूर्ति से उपभोक्ताओं का जीना मुहाल

बिरौल (एनएसबी)। प्रखंड क्षेत्र में बिजली की लचर आपूर्ति से उपभोक्ताओं का जीना मुहाल हो गया है। दिन हो या रात, बिजली आने-जाने का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा। प्रचंड गर्मी और उमस के बीच बार-बार हो रही कटौती से बच्चों से लेकर बुजुर्ग तक हलकान हैं. स्थानीय लोगों का कहना है कि 24 घंटे में मुश्किल से 8-10 घंटे ही बिजली मिल पा रही है. वो भी टुकड़ों में. कभी एक घंटे आती है तो दो घंटे गायब हो जाती है. रात में भी यही हाल है. बिजली कटते ही इन्वर्टर जवाब दे जाते हैं और लोग पूरी रात जागकर गुजारने को मजबूर हैं। भीषण गर्मी के कारण घरों में रहना मुश्किल हो गया है. पंखे-कूलर बंद होने से बच्चे गर्मी से बिलबिला रहे हैं. बुजुर्गों और बीमार लोगों की परेशानी और बढ़ गई है. छात्रों की पढ़ाई भी प्रभावित हो रही है. मोबाइल चार्ज नहीं होने से ऑनलाइन क्लास करने में भी परेशानी होती है. व्यवसायियों में रंजीत भगत,बिनोद चौधरी,प्रदीप प्रधान का कहना है कि बिजली न रहने से आटा चक्की, वेल्डिंग, साइबर कैफे समेत छोटे-मोटे उद्योग ठप पड़ जाते हैं. दुकानदारों को जेनरेटर चलाकर नुकसान उठाना पड़ रहा है. किसान भी परेशान हैं. बोरिंग नहीं चलने से धान का बिचड़ा सूख रहा है. उपभोक्ता संजय कुमार, रामविलास महतो, अनीता देवी ने बताया कि विभाग में शिकायत करने पर कोई सुनवाई नहीं होती। इस संबंध में बिजली एसडीओ प्रभाष चन्द्र ने कहा कि ओवरलोड और लोकल फॉल्ट के कारण ट्रिपिंग की समस्या आ रही है. मेंटेनेंस कार्य चल रहा है. सभी फीडरों पर लोड बढ़ गया है. उपभोक्ताओं से अपील है कि संयम बरतें. जल्द ही आपूर्ति सामान्य करने का प्रयास किया जा रहा है।

तीन बच्चों की मां की संदिग्ध मौत, ससुर ने लगाया प्रेमी पर हत्या का आरोप

बहेड़ी (एनएसबी)। बहेड़ी थाना क्षेत्र के अटहर के पास मिला महिला का शव दो दिनों से अपने ससुराल से महिला थी लापता सोनकी थाना क्षेत्र के मेकना वेदा निवासी राधेश्याम साह की पत्नी बच्चाश दाई देवी (35) की संदिग्ध स्थिति में मौत हो गई। दो दिनों से लापता तीन बच्चों की मां का शव बहेड़ी थाना क्षेत्र के अटहर के पास गड्ढे में मिलने से हड़कंप मच गया। सूचना मिलने पर पुलिस ने शव को जब्त कर शनिवार को डीएमसीएच में पोस्टमार्टम कराया। मृतका के ससुर प्रेम प्रसंग को लेकर अटहर के एक युवक पर महिला की हत्या का आरोप लगा रहे हैं। पुलिस कई बिंदुओं पर मामले की जांच कर रही है। मृतका का पति पंजाब में मजदूरी करता है।डीएमसीएच पोस्टमार्टम हाउस परिसर में मौजूद मृतका के ससुर राम कुमार साह ने बताया बच्चा दाई देवी का प्रेम प्रसंग काफी दिनों से अटहर के एक युवक से चल रहा था। उनके विरोध करने पर भी सिलसिला जारी रहा। मामले को लेकर पंचायत भी हुई थी। उन्होंने बताया कि उनकी बहु बच्चा दाई 24 जून की रात अचानक घर से गायब हो गई थी। इससे एक दिन पूर्व उसका अटहर के युवक से विवाद हुआ था। लापता होने के बाद से उसकी लगातार खोजबीन की जा रही थी। इसी बीच सूचना मिली कि उसका शव अटहर के पास गड्ढे में पड़ा है। वहां पहुंचने पर देखा कि उसके गले पर साड़ी लिपटी हुई थी। उन्होंने बताया कि जहां शव मिला, वह जगह उनके घर से करीब एक किलोमीटर दूर है। उन्होंने बताया कि उनके बेटे राधेश्याम की शादी करीब 10 वर्ष पहले हुई थी। उसके एक बेटा और दो बेटियां हैं।

तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक सवार युवक को रौंदा, मौत

दरभंगा (एनएसबी)। तिलकेश्वर थाना क्षेत्र के तिलकेश्वर और गोलमा के बीच शुक्रवार की देर शाम तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक सवार युवक को रौंद दिया। आनन फानन में इलाज के लिए उसे डीएमसीएच पहुंचाया गया। इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। मृतक की पहचान खगड़िया जिला के अलौली थाना क्षेत्र के कानोखर निवासी सुरेश सदा के पुत्र सचिन सदा (20) के रूप में की गई। वह शादी शुदा था। बेंता थाना की पुलिस ने शनिवार को शव का पोस्टमार्टम करा उसे परिजनों को सौंप दिया।पोस्टमार्टम हाउस परिसर में मौजूद मृतक के चाचा हरेराम सदा ने बताया कि सचिन बाइक से कुशेश्वरस्थान थाना क्षेत्र के अराही स्थित अपनी मौसी के घर गया था। वहां से वह अपने घर लौट रहा था। इसी दौरान ट्रक ने उसे चपेट में ले लिया। सूचना मिलने पर परिजन डीएमसीएच पहुंचे। तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। उन्होंने बताया कि दो वर्ष पहले सचिन की शादी हुई थी। उसका दो साल का बेटा है। उसके मौत की खबर सुनकर उसकी पत्नी टूट चुकी है।

आज सैदनगर फीडर की बिजली रहेगी बाधित

दरभंगा(एनएसबी)। 33/11केवी विद्युत शक्ति उपकेंद्र, जेल से निकलने वाली 11केवी सैद नगर फीडर में प्रातः 6 बजे से 9 बजे पूर्वाह्न तक इंडियन ऑयल पेट्रोल पंप से हनुमान मंदिर तक "गावर एजेंसी" के द्वारा एल टी लाइन शिफ्टिंग का कार्य किया जाएगा, जिसके कारण किसान नर्सरी एवं पेट्रोल पंप अवस्थित ट्रांसफार्मर का लाइन बंद रहेगा।

अपने दो बच्चों के साथ बाजार गई महिला ग्यारह दिनों से है गायब

बिरौल(एनएसबी)। थाना क्षेत्र के एक गांव से 17 जून को एक शादीशुदा महिला सुपौल बाजार सामान लेने गई। महिला अपने दो मासूम बेटों के साथ रहस्यमय तरीके से लापता हो गई। 11 दिन बाद भी कोई सुराग नहीं मिलने पर पति ने थाने में आवेदन देकर अपहरण की आशंका जताई है। पीड़ित ने अपने आवेदन में बताया कि 17 जून, 2026 को दोपहर 3 बजे पत्नी रंजन देवी अपने दो बच्चे के साथ घर से निकली थी। देर शाम तक वापस नहीं लौटने पर मोबाइल नंबर पर कॉल किया, लेकिन फोन स्विच ऑफ मिला। आवेदन में अमरनाथ ने आरोप लगाया है कि पीड़ित के गांव के ही 19 वर्षीय आलोक कुमार पासवान और उसके पिता अशोक पासवान ने साजिश कर पत्नी व दोनों बच्चों को गायब कर दिया है। घटना के बाद से दोनों आरोपित भी घर से फरार हैं। वहीं, घटना के बाद से अमरनाथ व परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। एक साथ तीन लोगों के लापता होने से गांव में सनसनी फैल गई है। पीड़ित ने पुलिस से पत्नी और बेटों को जल्द बरामद कर आरोपितों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की है। थानाध्यक्ष चंद्रमणि ने बताया कि आवेदन मिला है। मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच शुरू कर दी गई है। आरोपितों की तलाश की जा रही है।

हत्या के 72 घंटे बाद भी तीन नामजद फरार, गांव में तनाव

बेनीपुर(एनएसबी)। बहेड़ा थाना क्षेत्र के मोतीपुर गांव में 25 जून की देर रात पानी की बोतल को लेकर हुए विवाद में चाकू मारकर युवक की हत्या के मामले में पुलिस अब तक तीन नामजद अभियुक्तों को गिरफ्तार नहीं कर सकी है। घटना को 72 घंटे से अधिक का समय बीत जाने के बावजूद गिरफ्तारी नहीं होने से गांव में तनाव का माहौल है। मिली जानकारी के अनुसार 25 जून की देर शाम मोतीपुर गांव में पानी की बोतल को लेकर विवाद हो गया था। इसी दौरान गांव के ही कुछ लोगों ने गोलू कुमार पर चाकू से हमला कर उसकी हत्या कर दी थी। घटना के बाद मृतक की मां पवित्री देवी के बयान पर बहेड़ा थाने में कांड संख्या 382/26 दर्ज किया गया है। प्राथमिकी में गांव के ही प्रमोद कुमार साहु, ललिता देवी, प्रभात साहु और घनश्यामपुर थाना क्षेत्र के संतोष साहु को नामजद किया गया है। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए एकमात्र महिला अभियुक्त ललिता देवी को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। जबकि प्राथमिकी में नामजद अन्य तीनों अभियुक्त प्रमोद कुमार साहु, प्रभात साहु और संतोष साहु अभी भी पुलिस की पकड़ से बाहर हैं। तीनों आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं होने से स्थानीय लोगों में पुलिस के प्रति काफी आक्रोश है। ग्रामीणों का कहना है कि इससे गांव में भय और तनाव का माहौल बना हुआ है। इस संबंध में बहेड़ा थाना अध्यक्ष पंकज कुमार ने बताया कि अब तक सिर्फ एक महिला आरोपी की गिरफ्तारी हुई है। शेष तीनों अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है। उन्होंने कहा कि सभी फरार आरोपियों को जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

चौकीदार पिता का वर्दी पहनकर पुत्र कर रहा वसूली

शराब बेचने वाले से वसूली कर छोटा बाबू को देने का सोशल मीडिया पर ऑडियो वायरल

तारडीह (एनएसबी)। सकतपुर थाना क्षेत्र के राजाखरवार पंचायत के महिया गांव में शराब बेचने वालों से हजार दो हजार वसूली (रंगदारी) लेने वाले स्थानीय चौकीदार जुमन नदाफ के पुत्र शमशेर नदाफ द्वारा वसूली करना मंहगा पड़ गया। सोशल मीडिया पर हो रहे ऑडियो वायरल में चौकीदार के पुत्र शमशेर नदाफ द्वारा कहा जा रहा है कि अंग्रेजी शराब बेचने वाले को दो हजार एवं सौफया तथा बनाबट शराब बेचने वाले को एक हजार रुपए महिना लगेगा। थाना के छोटा बाबू को देना है। रुपया नही देने पर पुलिस द्वारा गिरफ्तार करवा देने की धमकी भी दी जा रही है। स्थानीय लोगों ने कहा कि पिता वाले पुलिस का वर्दी पहनकर कर लोगो को धमकाने, शराब बेचने वाले से रंगदारी लेता हैं। इस संबंध में थाना अध्यक्ष अरविंद कुमार से पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि ऑडियो क्लिप मिला है , ऑडियो सुने हैं मामले की जांच की जा रही है दोषी पाए जाने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

रोसड़ा से रामनगर दरभंगा निमार्णाधीन टू लेन ग्रीनफील्ड सड़क का सांसद ने किया निरीक्षण

बहेरी लिंक रोड के लिए दिया निर्देश

दरभंगा(एनएसबी)। राष्ट्रीय राजमार्ग के समस्तीपुर तथा जयनगर कार्य प्रमण्डल के शीर्ष अधिकारयों तथा अभियंताओं के साथ स्थानीय सांसद सह लोकसभा में भाजपा सचेतक डा. गोपाल जी ठाकुर ने लहेरियासराय लोहिया चौक से पांडासराय तक चल रहे नाला निर्माण तथा रामनगर दरभंगा से रोसरा तक निमार्णाधीन टू लेन ग्रीनफील्ड सड़क परियोजनाओं के निर्माण कार्यो का स्थल निरीक्षण कर जायजा लिया तथा गुणवत्ता के साथ समय से पूरा करने का निर्देश दिया। शनिवार को सांसद डा ठाकुर ने 39.5 किलोमीटर में निमार्णाधीन दरभंगा के रामनगर आईटीआई से रोसड़ा समस्तीपुर तक राष्ट्रीय राजमार्ग 527 ई के प्रस्तावित टू लेन ग्रीनफील्ड एलाईमेंट में निमैठी से बहेरी ब्लॉक लिंक रोड जोड़ने के लिए अधिकारियों को अपना सुझाव दिया ।सांसद डा ठाकुर को राष्ट्रीय

निरीक्षण करते सांसद डॉ. गोपाल जी ठाकुर।

राजमार्ग विभाग के अधिकारयों ने बताया कि रामनगर रोसरा ग्रीनफील्ड सड़क में दरभंगा जिले की सीमा में पड़ने वाली जमीन अधिग्रहण के लिए 68 करोड़ रुपये,तथा समस्तीपुर जिला में पड़ने वाली जमीन के लिए 78 करोड़ रुपए का आवंटन प्राप्त हो चुका है तथा इस सड़क में पड़ने वाले एक किलोमीटर में मौजूद स्ट्रक्चर के भुगतान के लिए 55 करोड़ रुपए के भुगतान के लिए विभागीय अधिकारी को लिखा जा चुका है। राष्ट्रीय राजमार्ग मंत्रालय के द्वारा वित्तीय वर्ष 2026- 27 में इस सड़क परियोजना में बहेड़ी लिंक से जोड़ने की योजना को अनुमोदन के लिए प्रस्तावित किया गया है तथा इस संबंध में केंद्रीय सड़क पथ परिवहन मंत्री श्री नितिन गडकरी के द्वारा इस इस संबंध में पत्र भेजकर 11जून को सूचित भी किया जा चुका है।

सांसद डा ठाकुर ने अधिकारयों के साथ निमार्णाधीन सड़क का जायजा लिया गया तथा इस सड़क में निमैठी से बहेरा बहेरी लिंक रोड के जुड़ने के बाद इससे होने वाले फायदे को रेखांकित करते हुए कहा कि इस प्रस्तावित टू लेन ग्रीनफील्ड सड़क के निर्माण से समस्तपुर और दरभंगा के बीच आवागमन में काफी सुधार होगा तथा रोसरा समस्तीपुर और दरभंगा के बीच की कनेक्टिविटी बेहतर होगी जिससे यात्रियों को समय भी बचेगा और स्थानीय व्यापार को बढ़ावा मिलेगा। सांसद डा ठाकुर ने लहेरियासराय के लोहिया चौक से पंडासराय की ओर बनने वाली नाला निर्माण की धीमी प्रगति पर अधिकारयों को चेतावनी देते हुए कहा कि बरसात में तेजी आने से पूर्व नाला निर्माण को हर हाल मे पूरा कर लिया जाय ताकि जलजमाव की स्थिति नहीं बने।

सांसद डा ठाकुर अधिकारीयो को निर्माण कार्य में गुणवत्ता तथा समय की अनिवार्यता को पहली प्राथमिकता बताते हुए कहा कि इस सड़क तथा नाला निर्माण के कार्य किसी भी प्रकार की उदासीनता तथा लापरवाही को बर्दाश्त से बाहर बताते हुए कहा कि सुशासन का मूलमंत्र एनडीए गठबन्धन की सरकार में सर्वोच्च प्राथमिकता है।

केवटी विधायक ने 43 दिव्यांगजनों को बांटी ट्राईसाइकिल

केवटी (दरभंगा) (एनएसबी)। दिव्यांगजनों को सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में शनिवार को एक बड़ा कदम उठाया गया। स्थानीय प्रखंड मुख्यालय में आयोजित एक विशेष वितरण शिविर में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे केवटी के विधायक डॉ॰ मुरारी मोहन झा ने क्षेत्र के 43 जरूरतमंद दिव्यांगजनों के बीच ट्राईसाइकिल का वितरण किया। साधन पाकर सभी लाभार्थियों के चेहरे खुशी से खिल उठे।समारोह को संबोधित करते हुए विधायक डॉ. मुरारी मोहन झा ने कहा कि दिव्यांग समाज के अभिन्न अंग हैं। उनकी समस्याओं को कम करना और उन्हें मुख्यधारा से जोड़ना हमारा मुख्य लक्ष्य है। इन ट्राईसाइकिल की मदद से अब इन 43 लोगों को आवागमन में किसी के सहारे की जरूरत नहीं पड़ेगी, जिससे उनका दैनिक जीवन काफी आसान हो जाएगा।अधिकारियों और स्थानीय नेताओं की रही गरिमामयी उपस्थिति इस वितरण कार्यक्रम को सफल बनाने में स्थानीय प्रशासन का पूरा सहयोग रहा। मौके पर प्रखंड विकास पदाधिकारी चंद्रमोहन पासवान और अंचलाधिकारी भाष्कर मंडल विशेष रूप से उपस्थित रहे। अधिकारियों ने कहा कि सरकार की लोक-कल्याणकारी योजनाओं को धरातल पर उतारना उनकी प्राथमिकता है।इस अवसर पर क्षेत्र के कई प्रमुख राजनीतिक और सामाजिक चेहरे भी मौजूद रहे, जिनमें शामिल हैं:केवटी पूर्वी के मंडल अध्यक्ष सतीश कुमार यादव,स्वप्न कुमार मिश्र,निर्भय कुमार उर्फ टुन्ना जी,पवन कुमार निराला,श्रवण कुमार मिश्र,विनोदानंद झा, पप्पू मिश्र, बब्लू सिंह राकेश शर्मा बिजली राम ,अजीत चोपाल ,संजीवन सदा,संतोष साहू मोहम्मद आरसी,रमन कुमार मिश्रा, सत्तन गिरी कार्यक्रम के दौरान बड़ी संख्या में स्थानीय ग्रामीण और अन्य गणमान्य लोग भी मौजूद रहे, जिन्होंने विधायक और प्रशासनिक टीम के इस सामूहिक और जनहितैषी प्रयास की सराहना की।

दिव्यांगजनों के बीच ट्राईसाइकिल वितरण करते विधायक डॉ. मुरारी मोहन झा।

मोहर्रम के अवसर पर रेड क्रॉस सोसाइटी दरभंगा द्वारा 250 चोटिल अखाड़ियों का किया गया निशुल्क इलाज : डॉ आर बी खेतान

दरभंगा(एनएसबी)। मानव सेवा के लिए हमेशा तत्पर रहने वाली अग्रणी संस्था रेड क्रॉस सोसाइटी, दरभंगा द्वारा मोहर्रम के अवसर पर सदस्य अजय जालान एवं कोषाध्यक्ष राघवेंद्र कुमार के पहल पर 25 एवं 26 जून, 2026 को दरभंगा टावर चौक पर मैनेजिंग कमिटी के सदस्य आशीष सर्राफ तथा सुनील कुमार सिंह (ओपी) एवं सदस्य गौरव जालान तथा राज कुमार पासवान के संयोजकत्व एवं डॉक्टर राम बाबु खेतान तथा संरक्षक मोहम्मद कमरे आलम के नेतृत्व में निःशुल्क फर्स्ट एड सेंटर' की व्यवस्था की गई और एक बार फिर समाज में गंगा- जमुनी तहजीब और एकता का संदेश दिया गया। उपरोक्त जानकारी देते हुए रेड क्रॉस सोसाइटी के राज्य प्रतिनिधि डॉ रामबाबू खेतान ने बताया कि दोनों दिन मिलाकर लगभग 250 लोगों का निःशुल्क ईलाज किया गया। इस सेवा कार्य में सदस्य मुकेश खेतान, आकाश कुमार, रमेश कुमार शर्मा, राहुल पासवान, गोपाल ठाकुर, कन्हैया लाल शर्मा काफी सक्रिय रहे और चोटिल अखाड़ियों का मरहम पट्टी और इलाज करते दिखे। संरक्षक नीरज खेरिया तथा आत्म प्रकाश सर्राफ, संयोजक आशीष सर्राफ, राजकुमार पासवान, सुनील कुमार सिंह एवं गौरव जालान ने कहा कि यह सेवा अनमोल है, ऐसी सेवा भावना सभी लोगो के दिल में होनी चाहिये, जिससे समाज मे शांति और सदभावना का विकास हो। कोषाध्यक्ष राधवेन्द्र कुमार, एवं आसपास के लोगों की भूमिका काफी सराहनीय रही।

मोहर्रम के अवसर पर रेड क्रॉस टीम के साथ उपस्थित डॉ आर बी खेतान।

पुर्णिया जा रही सरसों तेल लदा ट्रक जलकर राख

दरभंगा- मुजफ्फरपुर उच्च पथ पर कंसी में हुई घटना

सिंहवाड़ा (एनएसबी)। दरभंगा-मुजफ्फरपुर एनएच 27 पथ पर कंसी में सरसों तेल लदी ट्रक में अचानक आग लग गयी। आग से तेल सहित ट्रक जलकर राख हो गया। पूर्णिया जा रही चलती ट्रक में आग लगने से अफरा- तफरी की स्थिति हो गई। मौके पर दरभंगा से पहुंची फायर ब्रिगेड की टीम ने आग पर काबू पाया। बताया गया है कि शनिवार के अहले सुवह सिमरी थाना क्षेत्र के कंसी ईंट भट्ठा के समीप सरसों तेल से लदा एक ट्रक अचानक आग लगने से धू-धू कर जलने लगा। घटना में ट्रक पर लदा सरसों तेल, चालक का मोबाइल फोन एवं आवश्यक कागजात जलकर राख हो गए।चालक एवं खलासी ने किसी तरह कूदकर अपनी जान बचाई। राजस्थान के चूरू जिला के हरिमवास थाना क्षेत्र के माधऊ गांव निवासी ट्रक चालक संजय कुमार ने बताया कि श्रीजैन बंधु रोड लाइंस की ट्रक पर 2360 कार्टून सरसों तेल लेकर राजस्थान से पूर्णिया जा रहा था। इसी दौरान सिमरी थाना क्षेत्र के कंसी चौक स्थित पुल के समीप पीछे से आ रही एक वाहन द्वारा गलत तरीके से ओवरटेक करने के प्रयास में उनका ट्रक अनियंत्रित

होकर सड़क किनारे खड़ी एक बाइक से टकरा गयी। टक्कर के बाद ट्रक में शॉर्ट सर्किट होने से आग लग गई। जब तक लोग बचाने आते आग ने पूरे ट्रक को अपनी चपेट में ले लिया। सूचना मिलते ही पुलिस ने अग्निशमन विभाग को इसकी जानकारी दी। घटना के लगभग दो घंटे बाद अग्निशमन की गाड़ी मौके पर पहुंची। सिमरी थाना के अपर थानाध्यक्ष शशि शंकर कुमार ने बताया कि इस घटना में जले बाइक के संबंध में भी जानकारी प्राप्त की जा रही है।

'शिक्षा व्यवस्था ध्वस्त, छात्र हताश, युवाओं में निराशा एवं असुरक्षा : कांग्रेस

बेनीपुर (एनएसबी)। कांग्रेस के राष्ट्रव्यापी 'छात्रों की गूंज' अभियान के तहत शनिवार को बेनीपुर में एक प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला कांग्रेस अध्यक्ष मिथिलेश चौधरी ने की। प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए अभियान के जिला प्रभारी अबूतबी साहब ने केंद्र और राज्य सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि मौजूदा शिक्षा व्यवस्था पेपर लीक, प्रतियोगी परीक्षाओं में अनियमितता और बढ़ती बेरोजगारी के कारण युवाओं को अवसर देने के बजाय निराशा और असुरक्षा की तरफ धकेल रही है। उन्होंने बताया कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कोटा से इस अभियान की शुरूआत की थी। इसका मकसद पूरे देश के छात्रों और अभिभावकों की आवाज को एक मंच देना है। आज छात्र और अभिभावक दोनों शिक्षा व्यवस्था से परेशान हैं। पेपर लीक के मामले लगातार सामने आ रहे हैं और सरकारी स्कूलों की हालत लगातार खराब होती जा रही है। मजबूरी में छात्र निजी कोचिंग संस्थानों की ओर रुख कर रहे हैं, जहां बढ़ती फीस ने मध्यमवर्गीय परिवारों की कमर तोड़ दी है। बेनीपुर की शिक्षा व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए मिथिलेश चौधरी ने कहा कि अनुमंडल में डिग्री कॉलेज की इमारत तो बन गई, लेकिन शिक्षक नहीं हैं। इसका फायदा कुकुरमुत्ते की तरह खुल रहे निजी कोचिंग संचालक उठा रहे हैं। बेनीपुर में बिजली, शिक्षा और स्वास्थ्य की बदहाली को लेकर पार्टी जल्द उग्र आंदोलन करेगी। प्रेस वार्ता में प्रखंड अध्यक्ष देवकी नंदन ठाकुर सहित अन्य कांग्रेसी नेता भी मौजूद रहे।

प्रेस वार्ता करते अबूतबी साहब, कांग्रेस अध्यक्ष मिथिलेश चौधरी व अन्य।

दरभंगा में मानवता की मिसाल: धर्म नहीं पूछा, दर्द पूछा - मुफ्त सबके लिए खुला बजरंग बली का सेवा दरबार

माह के दूसरे शनिवार को दूसरा मेगा चिकित्सा शिविर आज, 9 डॉक्टर देंगे निःशुल्क इलाज

दरभंगा (एनएसबी)। सेवा ही धर्म है के संकल्प के साथ वीर बजरंग बली के आशीर्वाद से चल रही पंजीकृत अखिल भारतीय हिन्दू जागरण सेवा समिति, दरभंगा आज शाम 5:30 बजे मनोकामना मंदिर, राज दरभंगा परिसर में माह का दूसरा निःशुल्क मेगा चिकित्सा शिविर आयोजित कर रही है। विगत चार वर्षों से अनवरत प्रत्येक माह के प्रथम शनिवार को सेवा शिविर एवं द्वितीय शनिवार को निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन होता है। आज इसी क्रम का दूसरा चिकित्सा शिविर है। यह चिकित्सा एवं सेवा शिविर जाति, धर्म, पंथ से परे सभी जरूरतमंदों के लिए पूर्णतः निःशुल्क है। समिति का स्पष्ट कहना है - "हम धर्म नहीं पूछते, दर्द पूछते हैं। दर्द का कोई मजहब नहीं होता। जिसमें 9 विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम मुफ्त परामर्श, जांच एवं दवा देगी। जिसमें जनरल फिजिशियन डॉ. सुरभि कुमारी, डॉ. शंकर गुप्ता, डॉ. मुकेश कुमार, डॉ. अलका रानी, डॉ. प्रवीण, डॉ. ए.के. सिन्हा, डॉ. ए.के. श्रीवास्तव दंत रोग विशेषज्ञ डॉ. सुमन बाबू , डॉ. रवि राज ओरल एंड डेंटल क्लिनिक,

संस्थान के पदाधिकारी ।

लक्ष्मीसागर,फार्मासिस्ट मनीष कुमार महासेठ लैब टेक्निशियन सरोज सुमन मरीजों की जांच करेंगे शिविर के बाद सैकड़ों श्रद्धालु एक स्वर में गाएंगे - जय बजरंग बली श्रद्धालुओं के सहयोग से दूध, चावल, ड्राईफ्रूट से बना महाप्रसाद वितरण। अध्यक्ष राजेश पुर्वे , सौरव झा, दीपू सूरी , पं. गिरधर गोपाल , राहुल झा , दीपक पंजीयार , संतोष शाह , केशरी , जय किशुन राउत , सरोज महतो , दीपक खरगा , सत्यनरायण साह , बबलू पंजीयार, सुनील गड़ाई , आदित्य ठाकुर , किशोरी महतो , राजकुमार नायक , जय लखमानी , राजीव रंजन , सुजीत राज राजीव झा 'लालू' , उमेश मिश्रा , रवि , पवन राम, ओम झा , एस.के. सुधाकर , आशीष साह , राजा गुप्ता, विकास झा, सुजीत नायक, गोपी गामी, राम नाथ पंजीयार, राजा बंसल, डॉ गौतम मिश्रा,अमर वर्णवाल , नीरज द्विवेदी, मनोज झा , ममता गामी, गुंजा , नूतन वर्णवाल , सपना भारती , रेखा भारती व समस्त टीम। वहीँ संस्थापक अमर नाथ गामी ने कहा चार साल से हमारी पाठशाला का एक ही सिलेबस है। भक्ति, सेवा, दान, परोपकार। पहला शनिवार सेवा शिविर, दूसरा शनिवार चिकित्सा शिविर। हमारा नया नारा है -मुफ्त सबके लिए'। बजरंग बली ने भेदभाव नहीं सिखाया, उन्होंने सबकी रक्षा की। हम भी उसी रास्ते पर हैं।

संक्षिप्त खबरें

रूठा मानसून, बारिश नदारद, कैसे हो धान रोपाई

समस्तीपुर कार्यालय (एनएसबी)। क्षेत्र में मानसून की बेरुखी ने किसानों की चिंता बढ़ा दी है। जून का अंतिम सप्ताह चल रहा है, लेकिन अब तक अपेक्षित बारिश नहीं होने से खेत सूखे पड़े हैं। वर्षा के अभाव में अब तक धान के बिचड़े तैयार नहीं हुए हैं। कई स्थानों पर तो बिचड़ा गिराने का काम शुरू भी नहीं हो सका है। इससे खरीफ खेती पर संकट के बादल मंडराने लगे हैं। किसानों का कहना है कि हर वर्ष इस समय तक अच्छी बारिश होने से धान की नर्सरी तैयार हो जाती थी और रोपनी की तैयारी शुरू हो जाती थी। लेकिन इस बार बारिश नहीं होने के कारण खेतों में पर्याप्त नमी नहीं है। जिन किसानों ने किसी तरह बिचड़ा तैयार किया है, वे भी रोपनी नहीं कर पा रहे हैं। मौसम के वर्तमान पूवार्नुमान के अनुसार फिलहाल मानसून की अच्छी बारिश की संभावना नहीं दिख रही है। ऐसे में किसानों की चिंता और बढ़ गई है। जिन किसानों के पास सिंचाई की व्यवस्था नहीं है, वे पूरी तरह आसमान की ओर टकटकी लगाए बैठे हैं। बारिश में लगातार हो रही देरी से धान की खेती प्रभावित होने की आशंका बढ़ गई है। यदि जल्द ही अच्छी वर्षा नहीं हुई तो रोपनी में विलंब होगा, जिससे उत्पादन पर भी प्रतिकूल असर पड़ सकता है। किसान सरकार से सिंचाई की समुचित व्यवस्था और आवश्यक सहायता उपलब्ध कराने की मांग कर रहे हैं। क्षेत्र के किसान अब केवल यही उम्मीद लगाए बैठे हैं कि मानसून जल्द सक्रिय हो और अच्छी बारिश के साथ खेतों में फिर से हरियाली लौट आए। फिलहाल आसमान में बादल तो नजर आ रहे हैं, मगर हल्के बादल जो आवारा माशूक की तरह सूर्य से अठखेलियां करने और ईधर उधर मंडराने भर के लिए आते हैं। बारिश न होने से किसानों की परेशानी लगातार बढ़ती जा रही है।

रेलवे से बार-बार मांग के बावजूद नहीं मिल रहा विष्णुपुर बथुआ हॉल्ट पर इंटरसिटी पैसेंजर का ठहराव

ओईनी (एनएसबी)। जिले के खुदीराम बोस पूसा से करीब 3 किलोमीटर की दूरी पर अवस्थित विष्णुपुर बथुआ हॉल्ट पर इंटरसिटी पैसेंजर ट्रेन के ठहराव को लेकर स्थानीय ग्रामीणों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है। वर्षों से इस हॉल्ट पर ट्रेनों के ठहराव की मांग की जा रही है। क्षेत्र के विधायक महेश्वर हजारी, और सांसद शांभवी चौधरी ही नहीं रेल मंत्री तक को इस आशय का आग्रह पत्र और दर्जनों बार मौखिक और लिखित स्मार पत्र दिए जाने के बावजूद अब तक रेलवे प्रशासन की ओर से कोई ठोस पहल नहीं होने से ग्रामीण क्षुब्ध हैं। इस बाबत सामाजिक कार्यकर्ता अखिलेश कुमार ने बताया कि, विष्णुपुर बथुआ हॉल्ट आसपास के कई गांवों के लोगों के लिए आवागमन का प्रमुख साधन है। सुबह 7.30 के बाद समस्तीपुर जाने के लिए कोई ट्रेन नहीं होने और इंटरसिटी पैसेंजर ट्रेन का ठहराव नहीं होने के कारण छात्रों, मरीजों और रोजगार के लिए आने-जाने वाले लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। यही स्थिति समस्तीपुर से वापसी की भी है। ऐसे में उन्हें या तो दूर के स्टेशनों तक जाना पड़ता है या फिर निजी साधनों का सहारा लेना पड़ता है। जिससे उन्हें समय की बबार्दी के साथझसाथ आर्थिक, शारीरिक और मानसिक परेशानी का सामना करना पड़ता है। उन्होंने बताया कि, केवाईसी इंटरसिटी पैसेंजर के ठहराव से आपस के इलाकों की करीब 20 हजार से अधिक आबादी को फायदा होगा। साथ ही रेल राजस्व में भी वृद्धि होगी। इस मुद्दे को लेकर कई बार रेलवे अधिकारियों, विधायक, सांसद, रेल मंत्री तक को आवेदन दिया गया। लेकिन हर बार आश्वासन के अलावा कुछ नहीं मिला। ग्रामीणों ने एक बार फिर जनप्रतिनिधियों से इस मुद्दे पर सार्थक एवं फलदाई पहल करने की मांग की है।

बच्चों ने सीखे खतरे की पहचान एवं डूबने से बचाव के गुर

समस्तीपुर (एनएसबी)। प्रखंड के मध्य विद्यालय बेला पचरुखी में प्रधानाध्यापक मुकेश कुमार के नेतृत्व में, मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम अंतर्गत नोडल शिक्षिका बीवी शकीला रहमान के द्वारा, सुरक्षित शनिवार का आयोजन किया गया। इसके तहत उन्होंने खतरे की पहचान एवं डूबने से बचाव से जुड़ी गतिविधियों का आयोजन किया। इस क्रम में छात्रझछात्राओं को स्कूल, रास्ते और घर पर संभावित जोखिमों की पहचान करने और डूबने जैसी आपात स्थिति में बचाव का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया। दूसरे सत्र में प्रधानाध्यापक की अध्यक्षता में आयोजित समारोह में रिया, अनुष्का व साथियों ने भजन प्रस्तुत कर कार्यक्रम की शुरूआत की। इस दौरान प्रधानाध्यापक द्वारा ग्रीष्मावकाश में चलाए गए ऑनलाइन कंप्यूटर क्लासेस में भाग लेने वाली छात्राओं को सर्टिफिकेट आफ पार्टिसिपेशन प्रदान कर प्रोत्साहित किया गया। वहीं विभागीय निदेर्शानुसार नशा मुक्त भारत अभियान के तहत विगत 24 जून को आयोजित निबंध और पेंटिंग प्रतियोगिता में वर्ग बार प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले को भी प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। निबंध प्रतियोगिता में निकिता भारती, सत्यम, अंशु, सुषमा एवं पेंटिंग में साधना, हंसराज, आदित्य, रवि, दीपाली, ऋषि राज, ऋतिक, आदित्य राज, एवं खुशी को प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया। मौके पर कार्यक्रम समन्वयक विभा कुमारी, मो.सादुल्लाह सहित शिक्षक संजीव कुमार झा, विमला कुमारी, इंदिरा कुमारी, अंजुमन शाहीन, कैलाश राम, कोमल पांडे, दिवाकर कुमार सिंह ने भरपूर सहयोग किया।

प्रखंड कार्यक्रम कार्यान्वयन समिति की बैठक एक जुलाई को

दलसिंहसराय (एनएसबी)। प्रखंड कार्यकर्म कार्यान्वयन समिति के मनोनीत नव नियुक्त अध्यक्ष गीता साह के पत्र के आलोक में समिति की बैठक आगामी एक जुलाई को ग्यारह बजे से पंचायत समिति भवन में आहूत की गई है उक्त जानकारी समिति के सदस्य सचिव सह प्रखंड बिकास पदाधिकारी राजीव कुमार ने देते हुए बताया कि बैठक में प्रस्तावित एजेंडा में आपका शहर-आपकी बात कार्यक्रम,विभाग के निदेर्शानुसार की गई कार्यवली से संबंधित विषय, गत बैठक का अनुपालन एवं अन्य विकासात्मक योजना पर सदस्यों के बीच चर्चा होगी उन्होंने बताया कि सभी संबंधित सदस्यों को बैठक से संबंधित जानकारी देते हुए ससमय भाग लेने का अनुरोध किया गया है।

अंचल परिसर में जनता दरबार का आयोजन, 9 मामलों में 5 का हुआ निष्पादन

विद्यापतिनगर (एनएसबी)। अंचल कार्यालय परिसर में शनिवार को भूमि संबंधी समस्याओं के त्वरित समाधान के उद्देश्य से जनता दरबार का आयोजन किया गया। जनता दरबार में अंचल अधिकारी कुमार हर्ष व एसआइ अर्चना कुमारी द्वारा फरियादियों की शिकायतें सुनी गईं तथा मामलों के शीघ्र निष्पादन के लिए आवश्यक निर्देश दिए गए। जनता दरबार में कुल 9 भूमि विवाद संबंधी मामले प्राप्त हुए। इनमें से 5 मामलों का मौके पर ही निष्पादन कर दिया गया, जबकि शेष 4 मामलों में आवश्यक जांच एवं अभिलेखों के सत्यापन के बाद कार्रवाई करने का निदेर्श संबंधित कर्मियों को दिया गया। इस दौरान अधिकारियों ने दोनों पक्षों की बात ध्यानपूर्वक सुनी और उपलब्ध दस्तावेजों के आधार पर समाधान का प्रयास किया। उन्होंने कहा कि भूमि विवादों का निष्पक्ष एवं पारदर्शी तरीके से निपटारा प्रशासन की प्राथमिकता है। जिन मामलों का तत्काल समाधान संभव नहीं हो सका, उन्हें निर्धारित प्रक्रिया के तहत शीघ्र निष्पादित किया जाएगा। सीओ कुमार हर्ष ने लोगों से अपील की कि भूमि संबंधी विवादों के समाधान के लिए आवश्यक दस्तावेजों के साथ जनता दरबार में आएं, ताकि मामलों का त्वरित एवं प्रभावी निष्पादन सुनिश्चित किया जा सके। जनता दरबार में अंचल कार्यालय के राजस्व कर्मचारी राकेश कुमार, संबंधित अधिकारी एवं कई फरियादी उपस्थित रहे।

कृषि-खाद्य प्रणालियों में महिलाओं की भागीदारी पर तीन दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन आरम्भ

आधी आबादी को मुख्यधारा में लाने पर जोर

सम्मेलन का उद्घाटन करते अतिथि व अन्य।

स्मारिका विमोचन करते अतिथि व अन्य।

पूसा (एनएसबी)। डॉ. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय, पूसा और इंटरनेशनल सोसाइटी ऑफ एक्सटेंशन एजुकेशन (INSEE) के संयुक्त तत्वावधान में शनिवार को विद्यापति सभागार में 'कृषि-खाद्य प्रणालियों में महिलाओं की भूमिका को पुनर्परिभाषित करना : सतत कृषि विकास के लिए रणनीति विस्तार' विषयक तीन दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का भव्य शुभारंभ हुआ। विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. पी.एस. पाण्डेय की अध्यक्षता में आयोजित इस सम्मेलन में देश भर के प्रतिष्ठित कृषि वैज्ञानिक, शिक्षाविद, नीति निमार्ता और प्रगतिशील किसानो ने कृषि क्षेत्र में लैंगिक समानता व महिला सशक्तिकरण पर मंथन किया।

इस अवसर पर सर्वप्रथम कुलपति डॉ. पाण्डेय के नेतृत्व में आगत अतिथियों द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर सम्मेलन का विधिवत उद्घाटन किया गया। तत्पश्चात वन्दे मातरम् एवं विश्वविद्यालय कुलगीत प्रसारण के साथ उद्घाटन सत्र की शुरूआत हुई। परंपरानुसार अतिथियों का शॉल, पुष्प गुच्छ, मोमेंटो, एवं उपहार आदि से अभिनन्दन के उपरांत आयोजन सचिव स्कूल ऑफ एग्री-बिजनेस एंड रूरल मैनेजमेंट के निदेशक डॉ. राम दत्त ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि, कृषि में महिलाओं का योगदान अब तक अदृश्य रहा है। इसे स्वीकार करना और मान्यता देना समय की मांग है। कार्यक्रम के दौरान इंटरनेशनल सोसाइटी ऑफ एक्सटेंशन एजुकेशन के महासचिव कैप्टन डॉ. एल.बी. कलंत्री के नेतृत्व में कृषि के विकास में राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति पद्मश्री डॉ. गोपाल जी त्रिवेदी के योगदान को याद करते हुए विनम्र श्रद्धांजलि दी गई। इस दौरान उनके जीवन पर आधारित डॉक्यूमेंट्री का प्रसारण भी किया गया। अपने अध्यक्षीय संबोधन में डॉ. पांडेय ने कहा, कि सतत कृषि विकास का लक्ष्य तब तक हासिल नहीं किया जा सकता, जब तक कृषि-खाद्य प्रणालियों में महिलाओं की भूमिका को मुख्यधारा में शामिल कर उन्हें सशक्त न बनाया जाए। उन्होंने कहा कि, डॉ. राजेन्द्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय महिलाओं को कृषि शिक्षा और अनुसंधान में आगे बढ़ाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। हम कैंपस से लेकर खेत तक महिलाओं की भागीदारी बढ़ा रहे हैं। साथ ही उन्होंने कृषि के क्षेत्र में महिलाओं की सक्रियता को आकार देने केलिए किसान मित्र की तर्ज पर किसान सखी, पशु सखी जैसे पद सृजित करने की वकालत की। इस क्रम में उन्होंने कहा कि, ग्रामीण क्षेत्र में 75 प्रतिशत कृषि की बागडोर महिलाओं के हाथ में है। वहीं पोषण के मामले में महिलाओं की भागीदारी 80 प्रतिशत से अधिक है। इसलिए पोषण सखी के रूप में महिलाओं की क्षमता और कुशलता का उपयोग किया जा सकता है। यह नारी सशक्तिकरण कि दिशा में मील का पत्थर सिद्ध होगा।

मुख्य अतिथि जय प्रकाश विश्वविद्यालय, छपरा के कुलपति प्रो. (डॉ.) परमेंद्र कुमार वाजपेयी ने कहा कि, भारत में कृषि केवल व्यवसाय नहीं देश की आत्मा है, हमारी संस्कृति है, साथ ही भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ है, जिसे ग्रामीण महिलाएं सदियों से अपने कंधों पर उठाए हुए हैं। अब समय आ गया है कि हम महिलाओं की इस मूक भूमिका को पुनर्परिभाषित करें और उन्हें खेतों की परिधि से निकालकर नीति-निर्माण और निर्णय लेने की प्रक्रिया का अहम हिस्सा बनाएं। डॉ. वाजपेई ने कहा कि, भारत में कृषि न उद्योग है न व्यवसाय है बल्कि यह

इस दौरान अपने संबोधन में भारत सरकार के योजना आयोग के पूर्व कृषि सलाहकार सह इंटरनेशनल सोसाइटी ऑफ एक्सटेंशन एजुकेशन के उपाध्यक्ष डॉ. वी. वी. सदामते ने जोर दिया कि नीतियों में महिला केंद्रित बदलाव जरूरी हैं। उन्होंने कहा, कि ऋण, तकनीक और बाजार की पहुंच जब तक महिलाओं तक सीधे नहीं पहुंचेगी, सतत कृषि विकास का लक्ष्य अधूरा रहेगा। विस्तार तंत्र को महिलाओं की भाषा और जरूरत के हिसाब से ढालना होगा।

अपने संबोधन में यूनिवर्सिटी ऑफ एग्रीकल्चर साइंस बैंगलोर के पूर्व कुलपति सह इंटरनेशनल सोसाइटी ऑफ एक्सटेंशन एजुकेशन के अध्यक्ष डॉ. के. नारायण गौड़ा ने कहा, कि कृषि विज्ञान का लाभ महिला किसानों तक पहुंचाना सबसे बड़ी चुनौती है। हमें महिला प्रसार कार्यकताओं की संख्या बढ़ानी होगी और महिला स्वयं सहायता समूहों को तकनीकी मंच से जोड़ना होगा।

इस दौरान अपने विशेष संबोधन में 'किसान चाची' के नाम से मशहूर पद्मश्री राजकुमारी देवी ने कहा कि, गांव की महिलाएं सुबह से रात तक खेत में काम करती हैं, लेकिन पहचान पुरुषों को मिलती है। आधुनिक तकनीक और प्रशिक्षण से जब महिलाएं जुड़ती हैं तो पूरा परिवार और समाज बदलता है। मेरी जिंदगी इसका उदाहरण है। महिला किसान को बीज से बाजार तक की कड़ी में बराबर का हक मिलना चाहिए।

इस अवसर पर अतिथियों ने सम्मेलन की स्मारिका और शोध सार का विमोचन किया। तत्पश्चात कृषि विस्तार में उत्कृष्ट कार्य के लिए विशेषज्ञों को 'INSEE इंटरनेशनल सोसाइटी ऑफ एक्सटेंशन एजुकेशन अवार्ड्स' से सम्मानित किया गया। जिसमें विधान चन्द्र कृषि विश्वविद्यालय डॉ. मानस अधिकारी, प्रेसिडेंट पी आरआईडीएस डॉ. वैंकू रेड्डी, एवं डॉ. योगेन्द्र कुमार कार्की को लाइफ टाईम अचीवमेंट अवार्ड प्रदान किया गया। इसी क्रम में पूसा विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ पी.एस. पांडेय को उनके कृषि शिक्षा अभिनव एवं नवाचारी प्रयोगों के लिए 'मैन ऑफ एक्सीलेंस' अवार्ड से सम्मानित किया गया। इसके अलावा डॉ सुधांशु कुमार सहित करीब आधे दर्जन वैज्ञानिकों को विभिन्न अवार्ड से सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम के अंत में सम्मेलन की संयोजिका डीन कॉलेज ऑफ कम्यूनिटी साइंस डॉ. ऊषा सिंह ने धन्यवाद ज्ञापन किया। तीन दिनों तक तकनीकी सत्रों में महिला उद्यमिता, जलवायु अनुकूल खेती और डिजिटल प्रसार जैसे विषयों पर विशेषज्ञ अपने शोध प्रस्तुत करेंगे।

चाक चौबंद विधि व्यवस्था के दावों की निकली हवा, शांतिपूर्ण मोहर्रम का दावा फेल

उपद्रवियों ने जम कर मचाया उत्पात, हत्या-मारपीट और पुलिसकर्मियों की पिटाई देखती रही पुलिस

हंगामे के बाद का मंजर।

समस्तीपुर (एनएसबी)। समस्तीपुर जिला प्रशासन और पुलिस कप्तान द्वारा मोहर्रम पर्व को लेकर लगातार शांति व्यवस्था के बड़े-बड़े दावे किए जा रहे थे। अधिकारियों की बैठकें, फ्लैग मार्च और चाकझचौबंद सुरक्षा व्यवस्था के दावे उपद्रवी तत्वों के सामने धरे के धरे रह गए। कल्याणपुर, मथुरापुर, वैनी, मुसरीघरारी थाना क्षेत्र की घटनाओं ने प्रशासन के तमाम दावों की पोल खोल कर रख दी। दिन भर जश्न में डूबे मोहर्रम की शाम होते ही जिले के अलग-अलग थाना क्षेत्रों से हत्या, मारपीट और हिंसा की खबरें आने लगीं। हालात ऐसे बन गए कि, समस्तीपुर सदर अस्पताल में घायलों की कतार लग गई। इस बाबत मिली जानकारी के अनुसार, कल्याणपुर थाना क्षेत्र में मुहर्रम के अवसर पर करतब दिखाने के बहाने एक पुराने विवाद में किसी ने एक व्यक्ति की चाकू गोदकर हत्या कर दी। वहीं मुसरीघरारी थाना क्षेत्र के रहीमपुर रुदौली में एक व्यक्ति को गंभीर रूप से घायल कर दिया गया। इसके अलावा उजियारपुर थाना क्षेत्र में भी पुरानी रंजिश को लेकर हिंसक झड़प होने की बात सामने आई है। वैनी थाना क्षेत्र स्थित चंदौली में एक महिला के साथ मारपीट के बाद बवाल का मामला सामने आया है। सबसे शर्मनाक तस्वीर मथुरापुर थाना क्षेत्र के नगर बस्ती से सामने आई, जहां ताजिया मिलान के दौरान दो गुटों में जमकर मारपीट हुई। हालात संभालने पहुंची पुलिस टीम पर ही हमला कर दिया गया। बताया जा रहा है कि, इस क्रम में बीचझबचाव करने गए करीब आधा दर्जन पुलिसकर्मियों को दौड़ा-दौड़ाकर पीटा गया और बाद में सभी को इलाज के लिए सदर अस्पताल लाया गया।

इन तमाम घटनाओं के बाद सबसे बड़ा सवाल यह उठ रहा है कि, जब प्रशासन पहले से अलर्ट होने का दावा कर कर रहा था, कथित रूप से एसपी, डीएसपी, एसडीओ, सीओ, बीडीओ सहित सभी पदाधिकारी एक्शन मोड में थे, जगहझजगह दंडाधिकारी तैनात किए गए थे, संबंधित थानों की पुलिस भी जगहझजगह तैनात थी। इतनी जबरदस्त तैयारी के बावजूद आखिर इतनी बड़ी घटनाएं कैसे हो गईं? क्या प्रशासन के शान्ति पूर्ण मुहर्रम का दावा सिर्फ बैठक, फोटो सेशन और मिडिया कवरेज के लिए था? अगर सुरक्षा व्यवस्था मजबूत थी, तो जिले में हत्या और पुलिसकर्मियों की पिटाई जैसी घटनाएं कैसे हुईं? फिलहाल पूरे मामले को लेकर प्रशासन की कार्यशैली पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं और जिले में दहशत एवं तनाव का माहौल बना हुआ है।

डॉ. पी.एस. पाण्डेय को 'मैन ऑफ एक्सिलेंस अवार्ड'

इंटरनेशनल सोसाइटी ऑफ एक्सटेंशन एजुकेशन ने किया सम्मानित

पीएस पाण्डेय को सम्मानित करते पदाधिकारी।

समस्तीपुर (एनएसबी)। डॉ. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. पी.एस. पाण्डेय को ह्लमैन ऑफ एक्सिलेंस अवार्डह्व से सम्मानित किया गया।

शनिवार को विश्वविद्यालय परिसर स्थित विद्यापति सभागार में आयोजित एक समारोह के दौरान इंटरनेशनल सोसाइटी ऑफ एक्सटेंशन एजुकेशन की ओर से उन्हें यह सम्मान, उनके द्वारा विश्वविद्यालय में किये गये दीक्षारंभ, नेचुरल फार्मिंग में स्नातक स्तर की पढ़ाई, ई झ आफिस, ड्रोन दीदी जैसे उन उत्कृष्ट कार्यों, अभिनव प्रयोगों एवं नवाचार के लिए, दिया गया है। जिसके कारण न सिर्फ विश्वविद्यालय की रैंकिंग में उल्लेखनीय सुधार हुआ बल्कि यहां के कार्यक्रमो् को राष्ट्रीय स्तर पर स्वीकार्यता मिली और सभी विश्वविद्यालयों में लागू किया गया। इस क्रम में सोसाइटी के महासचिव कैप्टन एल. बी. कलन्तरी ने बताया कि आपके अभिनव प्रयोगों से देश के कृषि शिक्षा सहित शैक्षणिक संस्कृति में व्यापक बदलाव आया है। इस क्रम में उन्होंने खास कर दीक्षारंभ और गुरु दक्षिणा कार्यक्रम का विशेष उल्लेख किया। इस दौरान संस्था के अधिकारियों ने कृषि के क्षेत्र के विकास में डॉ पाण्डेय के विभिन्न योगदानो व उपलब्धियों जिक्र किया और उन्हें को कर्मयोगी बताया। इस दौरान वक्ताओं ने कहा कि कृषि शोध और अनुसंधान का तीर्थ पूसा धाम देश नहीं पूरी दुनिया के कृषि जगत को आलोकित करता रहा है। ऐसे में डॉ. पाण्डेय सरीखे प्रकृति के मौन साधक मनीषियों की मौजूदगी मात्र से वातावरण में सकारात्मक ऊर्जा स्वतः प्रवाहित होती रहती है।

विद्यापतिनगर की बेटी पूजा बनीं रेवेन्यू ऑफिसर, घर लौटने पर हुआ भव्य स्वागत

पूजा को सम्मानित करती प्रखण्ड प्रमुख।

विद्यापतिनगर (एनएसबी)। प्रखंड क्षेत्र की बेटी पूजा कुमारी ने 70वीं बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) परीक्षा में सफलता हासिल कर पूरे क्षेत्र का मान बढ़ाया है। बाजिदपुर गांव निवासी पूजा ने परीक्षा में 1524वीं रैंक प्राप्त कर रेवेन्यू ऑफिसर बनने का गौरव हासिल किया है। उनकी इस उपलब्धि से परिवार सहित पूरे समस्तीपुर जिले में खुशी का माहौल है। किसान अमरनाथ दुबे एवं गृहिणी सीमा देवी की पुत्री पूजा 2018 बैच की बिहार पुलिस की सिपाही हैं। नौकरी की व्यस्तताओं के बावजूद उन्होंने सेल्फ स्टडी के बल पर लगातार मेहनत की और दूसरे प्रयास में बीपीएससी परीक्षा में सफलता प्राप्त कर अपने सपने को साकार किया। उनकी सफलता युवाओं, विशेषकर नौकरी के साथ प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले अभ्यर्थियों के लिए प्रेरणा बन गई है। सफलता के बाद पहली बार अपने गांव पहुंचने पर ग्रामीणों ने उनका भव्य स्वागत किया। प्रखंड प्रमुख कृष्णा देवी ने मिथिला की पारंपरिक अंगवस्त्र एवं पुष्पमाला पहनाकर उन्हें सम्मानित किया तथा उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि पूजा की उपलब्धि पूरे क्षेत्र के लिए गर्व की बात है और उनकी सफलता से अन्य युवाओं को भी कठिन परिश्रम एवं लगन के साथ अपने लक्ष्य की ओर बढ़ने की प्रेरणा मिलेगी। ग्रामीणों और शुभचिंतकों ने भी पूजा को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

खेत बचाओ अभियान के तहत किसान चौपाल आयोजित, किसानों को दी गई आधुनिक खेती की जानकारी

चौपाल में शामिल किसान व पदाधिकारी।

विद्यापतिनगर (एनएसबी)। जनकल्याण चौपाल सह खेत बचाओ अभियान के तहत साहिट पंचायत भवन में शनिवार को किसान चौपाल का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रखंड कृषि पदाधिकारी अभिषेक कुमार ने की, जबकि संचालन सहायक तकनीकी प्रबंधक मधुकर श्लोक ने किया। चौपाल में बड़ी संख्या में किसानों ने भाग लेकर कृषि से जुड़ी समस्याओं और सुझावों को अधिकारियों के समक्ष रखा। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रखंड कृषि पदाधिकारी ने किसानों से वैज्ञानिक एवं आधुनिक तकनीक अपनाकर खेती करने की अपील की। उन्होंने कहा कि समय पर बुआई, संतुलित उर्वरकों का प्रयोग, मिट्टी जांच तथा जल संरक्षण जैसे उपाय अपनाकर खेती की लागत कम करने के साथ उत्पादन बढ़ाया जा सकता है। उन्होंने सरकार द्वारा संचालित विभिन्न कृषि योजनाओं की जानकारी देते हुए किसानों से इनका अधिक से अधिक लाभ उठाने का आह्वान किया। सहायक तकनीकी प्रबंधक मधुकर श्लोक ने खरीफ फसलों की उन्नत खेती, बीज उपचार, कीट एवं रोग नियंत्रण तथा प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने खेतों की उर्वरता बनाए रखने और पर्यावरण संरक्षण के लिए संतुलित कृषि पद्धति अपनाने पर विशेष जोर दिया। किसानों ने भी अपनी समस्याओं को रखते हुए समय पर गुणवत्तापूर्ण बीज, उर्वरक, सिंचाई सुविधा तथा कृषि विभाग की योजनाओं की जानकारी गांव स्तर तक उपलब्ध कराने की मांग की। अधिकारियों ने किसानों की समस्याओं का समाधान कराने का भरोसा दिलाया और कहा कि विभाग किसानों के हित में लगातार कार्य कर रहा है। कार्यक्रम के अंत में किसानों से खेतों की सुरक्षा, जल संरक्षण तथा आधुनिक कृषि तकनीकों को अपनाकर अधिक उत्पादन प्राप्त करने का संकल्प दिलाया गया। मौके पर उप परियोजना निरीक्षक गंगेश चौधरी, एसी पंकज कुमार चौधरी, बीटीएम राकेश कुमार, किसान सलाहकार प्रशांत कुमार सहित दर्जनों किसान मौजूद थे।

संक्षिप्त खबरें

पीएमएफएमई योजना से विष्णु प्रसाद चौधरी ने पापड़ उद्योग स्थापित कर लिखी सफलता की नई कहानी

मधुबनी (एनएसबी)। मधुबनी जिले के मधेपुर प्रखंड निवासी विष्णु प्रसाद चौधरी ने प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना (पीएमएफएमई) का लाभ उठाकर आत्मनिर्भरता की मिसाल कायम की है। उन्होंने वर्ष 2024 में पापड़ उद्योग की स्थापना कर न केवल स्वयं को रोजगार से जोड़ा, बल्कि अन्य लोगों के लिए भी आजीविका के अवसर उपलब्ध कराए हैं।व्यावसायिक पृष्ठभूमि से जुड़े विष्णु प्रसाद चौधरी ने 17 सितंबर 2024 को अपने पापड़ उद्योग की शुरूआत की। उन्होंने उद्योग विभाग की सहायता से पीएमएफएमई योजना के तहत 10 लाख रुपये की वित्तीय मदद प्राप्त की और स्थानीय बाजार की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए पापड़, बड़ी एवं अदौरी जैसे खाद्य उत्पादों का निर्माण शुरू किया। गुणवत्तापूर्ण उत्पादों के कारण उनके व्यवसाय को धीरे-धीरे पहचान मिलने लगी।उन्होंने बताया कि उद्योग की शुरूआत के दौरान उन्हें कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा। प्रशिक्षित कारीगरों की कमी के कारण अच्छे उत्पाद तैयार करने में कठिनाई हुई। इस समस्या के समाधान के लिए उन्हें अन्य जिलों से कारीगर बुलाने पड़े। शुरूआती दौर में उत्पादों की बिक्री भी एक बड़ी चुनौती थी, लेकिन धैर्य, मेहनत और ग्राहकों के विश्वास के बल पर उन्होंने इन कठिनाइयों को पार कर लिया।विष्णु प्रसाद चौधरी ने अपने उत्पादों को "श्याम पापड़ उद्योग" के नाम से बाजार में उतारा। आज उनके उत्पादों को मधुबनी जिले के साथ-साथ आसपास के जिलों में भी पहचान मिल रही है। वर्तमान में उनकी फैक्ट्री में पांच लोगों को रोजगार प्राप्त है, जिससे स्थानीय स्तर पर रोजगार सृजन को बढ़ावा मिला है। भविष्य की योजनाओं के बारे में उन्होंने बताया कि वे अपने उद्योग का विस्तार करना चाहते हैं, ताकि अधिक लोगों को रोजगार मिल सके और स्थानीय खाद्य उद्योग का विकास हो।युवाओं को संदेश देते हुए उन्होंने कहा कि शुरूआत में कठिनाइयां अवश्य आती हैं, लेकिन आत्मविश्वास और निरंतर प्रयास से सफलता प्राप्त की जा सकती है। उनकी यह सफलता कहानी अन्य युवाओं को स्वरोजगार की दिशा में प्रेरित कर रही है।

ट्रेन से कटकर युवक की मौत

मधुबनी (एनएसबी)। झंझारपुर कमला रेलवे ब्रिज के निकट ट्रेन से कटकर युवक की मौत हो गई । मृतक की पहचान भैरवस्थान थाना क्षेत्र के नरूआर गांव गढ़िया टोल निवासी एक मुस्लिम व्यक्ति के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि ट्रेन की चपेट में आने से मौके पर ही उनकी मौत हो गई।

तीन सौ बोतल नेपाली शराब के साथ बाइक एवं चालक गिरफ्तार

लदनियां (एनएसबी)। थाना के एस आई पुलिस चौधरी ने थाना अध्यक्ष को प्राप्त गुप्त सूचना के सत्यापन के दौरान गुरुवार को दिवा गस्ती के क्रम में गिधवास गांव में अवस्थित पोखरा के पास तीन सौ बोतल नेपाली देसी शराब के साथ एक बाइक सवार को पकड़ा।इस बाबत थाना अध्यक्ष ने एस आई पुलिस चौधरी के शिकायती आवेदन के अलोक कांड संख्या - 265/026 अंकित कर आरोपी को न्यायिक हिरासत मधुबनी भेज दिया है।एस आई पुलिस चौधरी ने पूछने पर बताया गुरुवार को दलबल के साथ दिवा गस्ती में खाजेडीह चौक पर वाहन चेकिंग में था। इसी बीच थाना अध्यक्ष ने सूचना दिया. सूचना सत्यापन के लिए गिधवास के लिए प्रस्थान किया। गिधवास में एक पोखरा के पास शराब लदे एक बाइक को देखा,वे दूर से ही पुलिस गाड़ी आते देख शराब का बोरिया पटक कर बाइक लेकर भागने का प्रयास किया।स्थानीय लोगों के संदेह के आधार पर उस बाइक चालक को पकड़ा ।उन्होंने ने कहा कि वे अपना नाम राधेश्याम ठाकुर पिता का नाम सत्यनारायण ठाकुर बताया है जो खजौली थाना के महराजपुर गांव का रहने वाला है।

एसएसबी जयनगर मुख्यालय पहुंचे सीमांत मुख्यालय पटना के डीआईजी, सीमा सुरक्षा व्यवस्था का लियाा जायजा

जयनगर (एनएसबी)। भारत-नेपाल अंतर्राष्ट्रीय सीमा की सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेने के लिए सीमांत मुख्यालय, पटना के उप महानिरीक्षक (डीआईजी) मुकेश कुमार शनिवार को 48वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) मुख्यालय, जयनगर पहुंचे। उनके आगमन पर एसएसबी के जवानों ने उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर देकर सम्मानित किया। इस दौरान उन्होंने वाहिनी मुख्यालय एवं विभिन्न सीमा चौकियों का निरीक्षण कर सुरक्षा एवं परिचालन व्यवस्था की विस्तृत समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान डीआईजी मुकेश कुमार ने भारत-नेपाल अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर तैनात जवानों की कार्यप्रणाली, गश्ती व्यवस्था, सीमा निगरानी, परिचालन गतिविधियों तथा सुरक्षा तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों से सीमा क्षेत्र की वर्तमान स्थिति, तस्करी एवं अन्य अवैध गतिविधियों की रोकथाम के लिए किए जा रहे प्रयासों की जानकारी प्राप्त की और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उप महानिरीक्षक ने सीमा चौकियों का निरीक्षण करते हुए वहां उपलब्ध संसाधनों, सुरक्षा

उपकरणों तथा जवानों की तैनाती की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों और जवानों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याओं और सुझावों को भी सुना। उन्होंने सीमा पर विपरीत परिस्थितियों में भी पूरी निष्ठा एवं समर्पण के साथ ड्यूटी निभा रहे जवानों की सराहना करते हुए कहा कि राष्ट्र की सुरक्षा में एसएसबी की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने सभी जवानों को सतर्कता, अनुशासन और कर्तव्यनिष्ठा के साथ अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करने का संदेश दिया। साथ ही किसी भी संदिग्ध गतिविधि पर पैनी नजर रखने तथा सीमा पार होने वाले अवैध कारोबार और घुसपैठ पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए लगातार सजग रहने के निर्देश दिए। डीआईजी मुकेश कुमार ने कार्मिकों के कल्याण, नियमित प्रशिक्षण और कार्यकुशलता को और अधिक सुदृढ़ बनाने पर विशेष बल दिया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि जवानों के प्रशिक्षण, स्वास्थ्य, आवास एवं अन्य आवश्यक सुविधाओं का विशेष ध्यान रखा जाए, ताकि वे बेहतर मनोबल के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन कर सकें। उन्होंने जवानों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि सीमाओं की सुरक्षा केवल एक जिम्मेदारी नहीं, बल्कि राष्ट्रसेवा का सर्वोच्च दायित्व है। सभी जवान समर्पित भाव से कार्य करते हुए देश की सुरक्षा और नागरिकों की रक्षा के लिए हमेशा तत्पर रहें। इस अवसर पर 48वीं वाहिनी एसएसबी के कमांडेंट राजेन्द्र कुमार, उप कमांडेंट हरि नारायण जाट सहित वाहिनी के अन्य अधिकारी एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे। निरीक्षण कार्यक्रम शांतिपूर्ण एवं व्यवस्थित ढंग से संपन्न हुआ।

लेखक रमण कुमार सिंह को प्रथम डॉ. मनोरंजन झा स्मृति साहित्य सम्मान आज

सहरसा शहर (एनएसबी)। मैथिली के यशस्वी प्राध्यापक और साहित्यकार डॉ. मनोरंजन झा की स्मृति में इस वर्ष से डॉ. मनोरंजन झा स्मृति साहित्य सम्मान प्रदान करने का निर्णय लिया गया है । सम्मान के अन्तर्गत ग्यारह हजार नगद, प्रतीक चिन्ह और अंगवस्त्र प्रदान किया जाएगा और यह सम्मान प्रति वर्ष चयनित साहित्यकारों को दिया जाएगा । इस क्रम में पहली बार इस सम्मान के लिए मैथिली के लेखक-कवि रमण कुमार सिंह का चयन किया गया है ।जिन्हे रविवार को पीजी सेंटर में आयोजित समारोह मे डॉ मनोरंजन झा स्मृति सेवा संस्थान द्वारा प्रदान किया जाएगा। सम्मान के लिए चयनित लेखक रमण कुमार सिंह मूल सुपौल जिला के लाउढ़-विशनपुर निवासी हैं और सम्प्रति नोएडा से प्रकाशित दैनिक अमर उजाला के सम्पादकीय विभाग में कार्यरत हैं। मैथिली और हिन्दी में कविता, समीक्षा, ललित निबंध और अनुवाद साहित्य की इनकी दर्जन भर किताबें प्रकाशित है।

ग्राम पंचायतों में मनाया जाएगा 'पंचायत विकास दिवस' आज

●प्रत्येक माह के अंतिम रविवार को सभी पंचायतों में आयोजित होगा पंचायत विकास दिवस

●झंझारपुर प्रखंड की महीनाथपुर पंचायत में आयोजित कार्यक्रम में शामिल होंगी जिले की प्रभारी मंत्री श्रीमती लेशी सिंह

मधुबनी (एनएसबी)। सरकार के निर्देश के आलोक में प्रत्येक माह के अंतिम रविवार को आयोजित होने वाले "पंचायत विकास दिवस" के अंतर्गत रविवार को मधुबनी जिले की सभी ग्राम पंचायतों में पंचायत विकास दिवस कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। जिलाधिकारी आनंद शर्मा ने इसको लेकर सभी संबंधित अधिकारियों को कई आवश्यक दिशा निर्देश भी दिए हैं।कार्यक्रम का आयोजन पूर्वाह्न 10:00 बजे से अपराह्न 12:00 बजे तक पंचायत सरकार भवन, सामुदायिक भवन अथवा निर्धारित सार्वजनिक स्थल पर किया जाएगा। जिले की प्रभारी मंत्री श्रीमती लेशी सिंह, माननीय मंत्री, भवन निर्माण विभाग, बिहार सरकार झंझारपुर प्रखंड की महीनाथपुर ग्राम पंचायत में आयोजित "पंचायत विकास दिवस" कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लेंगी। इस अवसर पर ग्राम सभा के सभी सदस्यों, जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों एवं आम नागरिकों की सहभागिता सुनिश्चित की जाएगी। कार्यक्रम के दौरान ग्राम पंचायतों में संचालित विकास योजनाओं की समीक्षा, आगामी विकास कार्यों की रूपरेखा पर चर्चा, स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप योजनाओं के चयन तथा स्थानीयकृत सतत विकास लक्ष्यों की चयनित विषय-वस्तुओं पर

जिलाधिकारी आनंद शर्मा।

विचार-विमर्श किया जाएगा। साथ ही उत्कृष्ट पंचायतों द्वारा किए गए विकास कार्यों का वीडियो प्रदर्शन भी किया जाएगा। इस अवसर पर माननीय प्रधानमंत्री के लोकप्रिय रेडियो कार्यक्रम "मन की बात" का भी प्रसारण किया जाएगा, ताकि अधिकाधिक ग्रामीण नागरिक इस कार्यक्रम से जुड़ सकें। पंचायत विकास दिवस के अंतर्गत स्थानीयकृत सतत विकास के नौ प्रमुख लक्ष्यों— गरीब मुक्त एवं आजीविका उन्नत पंचायत, स्वस्थ पंचायत, बाल हितैषी पंचायत, जल पर्याप्त पंचायत, स्वच्छ एवं हरित पंचायत, आत्मनिर्भर बुनियादी ढाँचा युक्त पंचायत, सामाजिक न्याय एवं सामाजिक रूप से सुरक्षित पंचायत, सुशासन युक्त पंचायत तथा महिला हितैषी पंचायत—पर विशेष रूप से चर्चा एवं कार्ययोजना तैयार की जाएगी। इस माह का विषय महिला हितैषी ग्राम पंचायत है। प्रशासन ने सभी संबंधित पदाधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों से कार्यक्रम का सफल आयोजन सुनिश्चित करने तथा अधिक से अधिक ग्रामीणों की सहभागिता सुनिश्चित कराने का अनुरोध किया है।

देर रात में शांतिपूर्ण एवं सौहाद्रपूर्ण वातावरण में मुहर्रम पर्व संपन्न

गस्ती करते पुलिस अधिकारी

मधुबनी (एनएसबी)। देर रात में शांतिपूर्ण एवं सौहाद्रपूर्ण वातावरण में मुहर्रम पर्व मनाने एवं इस अवसर पर पल पल की गतिविधियों पर नजर रखने को लेकर जिला नियंत्रण कक्ष पूरी तरह मुस्तैद रहे । जिला नियंत्रण कक्ष से सम्पूर्ण जिले की पल पल की गतिविधियों पर नजर रखी जा रही थी। किसी भी परिस्थिति से निपटने को लेकर क्वीक रिस्पॉन्स टीम अलर्ट मोड में था। जिलाधिकारी आनंद शर्मा एवं पुलिस अधीक्षक योगेंद्र कुमार स्वयं पल पल की गतिविधियों पर नजर रख रहे थे।किसी भी प्रकार की सूचना या सहायता के लिए जिला नियंत्रण कक्ष के दूरभाष नंबर 06276-224425 पर करे सकते है संपर्क।जिला सूचना एवं जनसंपर्क की सोशल मीडिया टीम एवं जिला साइबर सेल लगातार सोशल मीडिया पर नजर बनाए हुए है।

चिलचिलाती धूप में प्यासे यात्री, जयनगर नेपाली रेलवे स्टेशन पर पेयजल व शौचालय की व्यवस्था बदहाल

जयनगर (एनएसबी)। चिलचिलाती धूप और उमस भरी गर्मी के बीच जयनगर स्थित नेपाली रेलवे स्टेशन पर यात्रियों को बुनियादी सुविधाओं के अभाव का सामना करना पड़ रहा है। स्टेशन पर पेयजल और शौचालय जैसी आवश्यक सुविधाएं लगभग ठप रहने से प्रतिदिन आने-जाने वाले सैकड़ों यात्रियों को भारी परेशानी झेलनी पड़ रही है। स्थानीय लोगों और यात्रियों ने रेलवे प्रशासन से शीघ्र व्यवस्था बहाल करने की मांग की है।यात्रियों के अनुसार स्टेशन प्लेटफॉर्म पर लगा चापाकल पिछले

खराब चापाकल ।

कई महीनों से खराब पड़ा है, जिससे पीने के पानी की व्यवस्था पूरी तरह बाधित है। इसके अलावा प्लेटफॉर्म पर स्थापित पानी की टंकी की टोंटी भी गायब है, जिसके कारण टंकी होने के बावजूद यात्रियों को पानी उपलब्ध नहीं हो पा रहा है। भीषण गर्मी में पानी के लिए यात्रियों को स्टेशन से बाहर दुकानों पर निर्भर रहना पड़ता है, जहां उन्हें ऊंची कीमत पर बोतलबंद पानी खरीदना पड़ता है।स्थिति सबसे अधिक बुजुर्गों, महिलाओं और बच्चों के लिए कठिन बनी हुई है। लंबी दूरी की यात्रा करने वाले यात्रियों को प्यास और गर्मी के कारण काफी परेशानी होती है। कई यात्रियों ने बताया कि स्टेशन पर ट्रेन का इंतजार करते समय पीने के पानी की कोई समुचित व्यवस्था नहीं होने से उन्हें मजबूरी में इधर-उधर भटकना पड़ता है।पेयजल के साथ-साथ शौचालय की सुविधा भी बदहाल बताई जा रही है। यात्रियों का कहना है कि स्टेशन परिसर में शौचालय या तो बंद रहता है या उपयोग योग्य स्थिति में नहीं है। इससे विशेष रूप से महिला यात्रियों को काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। उनका कहना है कि रेलवे स्टेशन जैसी सार्वजनिक जगह पर स्वच्छ शौचालय की उपलब्धता अनिवार्य होनी चाहिए। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि यह स्टेशन भारत-नेपाल सीमा क्षेत्र का महत्वपूर्ण रेलवे स्टेशन है, जहां प्रतिदिन बड़ी संख्या में दोनों देशों के यात्री आते-जाते हैं। इसके बावजूद बुनियादी सुविधाओं की अनदेखी समझ से परे है। लोगों ने मांग की है कि खराब चापाकल की तत्काल मरम्मत कराई जाए, पानी की टंकी में नई टोंटी लगाई जाए तथा पेयजल की नियमित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। साथ ही शौचालय की सफाई और संचालन भी नियमित रूप से कराया जाए, ताकि यात्रियों को राहत मिल सके।

नेपाल से तस्करी कर लाए जा रहे 1200 किलोग्राम चायनीज लौकी के बीज के साथ एक धंधेबाज गिरफ्तार

जयनगर (एनएसबी)। मधवापुर भारत-नेपाल अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर तैनात 48वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) ने तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए 1200 किलोग्राम चायनीज लौकी के बीज के साथ एक धंधेबाज को गिरफ्तार किया है। जब्त किए गए बीज एक ऑटो पर लादकर नेपाल से चोरी-छिपे भारत लाए जा रहे थे। एसएसबी ने बरामद माल और गिरफ्तार आरोपी को अग्रिम कार्रवाई के लिए सीमा शुल्क विभाग के हवाले कर दिया है। जानकारी के अनुसार, 48वीं वाहिनी एसएसबी मुख्यालय जयनगर के कमांडेंट राजेन्द्र कुमार के निर्देश पर "ए" नमस्ते कंपनी, मधवापुर के कंपनी कमांडर निरीक्षक देवेन्द्र कुमार के नेतृत्व में एसएसबी जवान मधवापुर से चोरौत जाने वाले मुख्य मार्ग पर नियमित दिवा गश्ती कर रहे थे। इसी दौरान सीमा स्तंभ संख्या 295/03 के रास्ते नेपाल से एक ऑटो बोरी लादकर भारत में प्रवेश करता दिखाई दिया।ड्यूटी पर तैनात जवानों को ऑटो की गतिविधि संदिग्ध लगी, जिसके बाद उन्होंने चालक को वाहन रोकने का संकेत दिया। एसएसबी जवानों को देखते ही चालक ऑटो लेकर वापस नेपाल की ओर भागने लगा। जवानों ने तत्परता दिखाते हुए ऑटो का

गिरफ्तार अभियुक्त।

पीछा किया और कुछ दूरी पर उसे पकड़ लिया। मौके से एक धंधेबाज को गिरफ्तार कर ऑटो सहित मधवापुर एसएसबी कैंप लाया गया। कैंप में वाहन और बोरियों की जांच की गई तो उसमें 30 बोरियों में कुल 1200 किलोग्राम चायनीज लौकी के बीज बरामद हुए। प्रत्येक बोरी का वजन लगभग 40 किलोग्राम पाया गया। प्रारंभिक जांच में यह माल बिना किसी वैध दस्तावेज के नेपाल से भारत लाया जा रहा था। गिरफ्तार धंधेबाज की पहचान साहरघाट थाना क्षेत्र के बसबरिया वार्ड संख्या-08 निवासी राम बाबू साह के 26 वर्षीय पुत्र राजू साह के रूप में हुई है। एसएसबी ने जब्त ऑटो, चायनीज लौकी के बीज तथा गिरफ्तार आरोपी को आवश्यक कागजी कार्रवाई पूरी करने के बाद अग्रिम कार्रवाई के लिए सीमा शुल्क अधीक्षक कार्यालय, पिपरौन को सौंप दिया।

झलौन-कमलपुर के पंकज कुमार का भारतीय सेना में चयन

लदनियां (एनएसबी)। लदनिया प्रखण्ड अंतर्गत झलौन-कमलपुर गांव निवासी पंकज कुमार ने भारतीय सेना में चयनित होकर न केवल अपने परिवार, बल्कि पूरे क्षेत्र का नाम गौरवान्वित किया हैं। उनकी इस उपलब्धि में गांव में खुशी और उत्साह का माहौल हैं ।परिवार रिश्तेदार तथा ग्रामीणों ने इस पूरे क्षेत्र के लिए गर्व का क्षण बताया हैं। जानकारी के अनुसार पंकज कुमार शोभाकांत राय के सुपुत्र है। उन्होंने कठिन परिश्रम, दृढ़ संकल्प और अथक प्रयास के बल पर भारतीय सेना में स्थान हासिल किया हैं। बताया जाता हैं कि कि वे पिछले लगभग 5 वर्षों से सेना में भर्ती होने के लिए लगातार तैयारी कर रहे थे। इस दौरान कई बार असफलताओं का सामना करना पड़ा, लेकिन उन्होंने कभी हार नहीं मानी, हर असफलता को उन्होंने अपनी कमजोरी नहीं, बल्कि सफलता की सीढ़ी बनाया और अंततः वर्ष 2026 में उनका सपना साकार हो गया। पंकज कुमार की सफलता उन युवाओं के लिए प्रेरणादायक हैं जो किसी लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए लगातार प्रयासरत हैं। गांव में रहकर पढ़ाई के साथ साथ उन्होंने नियमित रूप से दौर और शारीरिक प्रशिक्षण जारी रखा। उनका लक्ष्य शुरू से ही भारतीय सेना में भर्ती होकर देश का सेवा करना था। पंकज का नामांकन इंदौर स्थित एक फिजिकल अकादमी में कराया गया, जहां उन्होंने कड़ी मेहनत और अनुशासन के साथ अपनी तैयारी जारी रखी। उनके चयन पर बाबूबरही विधानसभा क्षेत्र से राजद के पूर्व विधायक उमा कांत यादव, लौकहा विधानसभा क्षेत्र के पूर्व विधायक सह बिहार सरकार के आपदा मंत्री लज्मेश्वर राय,पूर्व जिला परिषद सदस्य सह राजद के प्रदेश सचिव राम अशीष पासवान, जिला परिषद सदस्य सह प्रखंड राजद अध्यक्ष झमेली महरा, पूर्व पंचायत समिति सदस्य राम कुमार यादव, नितीश कुमार यादव,राम अशीष यादव,राम देव यादव, राम सेवक मंडल,अजय कुमार साह, जगदीश मंडल, दिलीप कुमार यादव, शम्भू यादव, राम सागर साह, विजय कुमार राय, राम चंद्र यादव, सहित सैकड़ों लोगों ने बधाई देते हुए उज्जवल भविष्य की कामना की है।

10 ग्राम ब्राउन शुगर, 1 देसी कट्टा एक मोबाइल सहित 4 ब्राउन शुगर तस्कर गिरफ्तार

लदनियां (एनएसबी)। लदनियां थाना के एस आई पुलिस चौधरी ने गुरुवार को दिवा गस्ती के दौरान पुनि सह थाना अध्यक्ष के सूचना पर खाजेडीह में कॉलेज के पास खंडर में एक ब्राउन शुगर तस्कर सिकंदर यादव को 10 ग्राम ब्राउन शुगर एवं एक देशी कट्टा के साथ गिरफ्तार करने की संसनी खबर मिली है। पुनि सह थाना अध्यक्ष मुकूल रंजन कुमार सिंह ने एस आई पुलिस चौधरी के शिकायती आवेदन के अलोक में कांड संख्या - 266/ 026 दर्जकर मुख्य अभियुक्त ब्राउन शुगर तस्कर सिकंदर यादव सहित चार ब्राउन शुगर तस्कर को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत मधुबनी भेज दिया है। गिरफ्तार ब्राउन शुगर तस्कर के स्वीकारोक्ति बयान के आधार पर 14 ब्राउन शुगर धंधेबाज को नामजद बनाया गया है । इस मुकदमा के अनुसंधानकर्ता सह एस आई पुलिस चौधरी ने बताया कि गुरुवार को दलबल के साथ छापेमारी एवं रेड के लिए दिवा गस्ती के लिए निकला । जानकीनगर के पास थाना प्रभारी के सूचना पर खाजेडीह सत्यापन के लिए प्रस्थान किया। कॉलेज के पास एक खंडर में कुछ लोग पुलिस गाड़ी आते देख भाग गया।जबकि मुख्य

गिरफ्तार अभियुक्त।

ब्राउन शुगर तस्कर सिकंदर यादव पिता कृष्णदेव यादव पकड़ा गया। गिरफ्तार ब्राउन शुगर तस्कर ने स्वीकार किया की हम लोग ब्राउन शुगर का खरीद बिक्री करते हैं।आज भी हमलोगों मिल कर ब्राउन शुगर बेच दिया है और कुछ बचा है। खंडर तलाशी के क्रम में 10 ग्राम ब्राउन शुगर जैसी पदार्थ एवं देसी कट्टा बरामद हुआ । स्थानीय चौकीदार एवं प्राथमिकी मुख्य अभियुक्त सिकंदर यादव जो विष्णुपुर का रहने वाला है ने कहा कि भागने वाला आरोपी का नाम दिनेश सदाय पिता हीराई सदाय धर्मवन, नीतीश कुमार गौरव पिता महावीर यादव विष्णुपुर एवं जय प्रकाश यादव पिता सूर्यनाथ यादव सिपहगिरी गांव का रहने वाला है। उन्होंने कहा कि इस छोटू मिया एवं अनबरुल योगिया, जीबछ दास जानकीनगर, ओम प्रकाश यादव उर्फ टुन्नू यादव पिता सूर्यनाथ यादव थाना लदनियां जिला मधुबनी, राहुल यादव, सुनील सिंह पिता स्व. जागेश्वर सिंह सुक्की थाना खजौली, जिसका ससुराल एकहरी है।ससुराल में रहता है। सभी गिरोह बनाकर ब्राउन शुगर का कारोबार करता है।

पूर्व मध्य रेल की प्रधान मुख्य परिचालन प्रबंधक इंदु रानी दुबे ने किया जयनगर रेलवे स्टेशन का निरीक्षण

जयनगर (एनएसबी)। पूर्व मध्य रेल, हाजीपुर की प्रधान मुख्य परिचालन प्रबंधक (पीसीसीएम) इंदु रानी दुबे शनिवार को विशेष सैलून से जयनगर रेलवे स्टेशन पहुंचीं। इस दौरान उन्होंने भारत-नेपाल सीमा से जुड़े जयनगर रेलवे स्टेशन एवं नेपाली रेलवे स्टेशन का गहन निरीक्षण कर परिचालन व्यवस्था, यात्री सुविधाओं तथा विभिन्न विभागों के कार्यों की विस्तार से समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए गए। सबसे पहले पीसीसीएम इंदु रानी दुबे नेपाली रेलवे स्टेशन पहुंचीं, जहां उन्होंने स्टेशन परिसर का निरीक्षण किया। इस दौरान नेपाली रेलवे स्टेशन के स्टेशन अधीक्षक एस.एल. मीणा से स्टेशन की परिचालन व्यवस्था, यात्री सुविधाओं, सुरक्षा प्रबंधन एवं अन्य व्यवस्थाओं की विस्तृत

निरीक्षण करते अधिकारी।

जानकारी प्राप्त की। उन्होंने स्टेशन पर उपलब्ध संसाधनों का जायजा लेते हुए आवश्यक सुधारात्मक कदम उठाने के निर्देश दिए। इसके बाद वह भारतीय रेलवे स्टेशन पहुंचीं और प्लेटफॉर्म संख्या-1 स्थित रनिंग रूम का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने रनिंग स्टाफ को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं, साफ-सफाई, विश्राम कक्ष, भोजन व्यवस्था तथा अन्य आवश्यक सुविधाओं की जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि रनिंग स्टाफ को निर्धारित मानकों के अनुरूप सभी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं, ताकि वे बेहतर ढंग से अपनी सेवाएं दे सकें। पीसीसीएम ने संयुक्त क्रू लॉबी का भी बारीकी से निरीक्षण किया। यहां उन्होंने लोको पायलट एवं गार्ड की उपस्थिति, साइन-ऑन एवं साइन-ऑफ प्रक्रिया, ब्रीथ एनालाइजर परीक्षण, सुरक्षा उपकरणों की उपलब्धता तथा रिकॉर्ड संधारण की जांच की। उन्होंने परिचालन से जुड़े सभी नियमों का सख्ती से पालन सुनिश्चित करने और सुरक्षा मानकों में किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं बरतने के निर्देश अधिकारियों को दिए। निरीक्षण के क्रम में उन्होंने स्टेशन के विभिन्न विभागों का भी गहन निरीक्षण किया। स्टेशन परिसर की साफ-सफाई, यात्री सुविधाएं, सिग्नल एवं परिचालन व्यवस्था, कार्यालयों की कार्यप्रणाली तथा रखरखाव संबंधी व्यवस्थाओं की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को आवश्यक सुधार करने का निर्देश दिया। इस अवसर पर रेलवे के कई वरिष्ठ अधिकारी एवं स्थानीय अधिकारी भी मौजूद रहे। अधिकारियों ने पीसीसीएम को स्टेशन की वर्तमान व्यवस्थाओं एवं चल रहे विकास कार्यों की जानकारी दी। निरीक्षण के दौरान उन्होंने कहा कि यात्रियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना और सुरक्षित एवं समयबद्ध रेल परिचालन सुनिश्चित करना रेलवे की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इस अवसर पर स्टेशन अधीक्षक राजेश मोहन मल्लिक, आईओडब्ल्यू रमेश कुमार, सीडीओ शुधांशु कुमार, सीडब्ल्यूएस आशुतोष कुमार, नेपाली रेलवे स्टेशन अधीक्षक एस.एल मीणा समेत कई अन्य पदाधिकारी एवं अधिकारी मौजूद थे।

वर्दी में तलवार लहराते सब इंस्पेक्टर को एसएसपी ने किया लाइन हाजिर

मोहर्रम जुलूस में जिसे संभालनी थी कानून-व्यवस्था वही लहराने लगा तलवार, वीडियो वायरल

मुजफ्फरपुर(एनएसबी)। मोहर्रम के मातमी जुलूस के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने की जिम्मेदारी निभाने वाले एक पुलिस सब-इंस्पेक्टर का कथित तौर पर वर्दी में तलवार लहराते और तलवारबाजी करते हुए वीडियो सामने आने के बाद तलबारबाज दारोगा की मुश्किलें बढ़ गई है।

शुक्रवार की शाम से सोशल मिडिया पर बर्दी में मोहर्रम पर्व के डियूटी के दौरान ही मोहर्रम जुलुस के दौरान डियूटी पर तैनात एक ब्रदीधारी सब इंस्पेक्टर द्वारा तलबारबाजी का करतब दिखाने का वायरल हो रहे वीडियो के सामने आने के बाद एसएसपी ने सोशल मिडिया पर वायरल हो रहे ब्रदीधारी पुलिस पदाधिकारी के कारनामे को गंभीरता से लेते हुए काँटी थाना में पदस्थापित सब इंस्पेक्टर मो मुस्तकीम अहमद को लाइन क्लोज कर दिया है। इसके साथ ही एसएसपी ने वायरल हुए वीडियो की जांच का आदेश दिया है। ग्रामीण एसपी राजेश सिंह प्रभाकर ने यह जानकारी दी। मिली जानकारी के अनुसार शुक्रवार की शाम मोहर्रम के मौके पर जिले के विभिन्न इलाकों में मातमी जुलूस निकाले गए थे। संवेदनशील पर्व को देखते हुए पूरे जिले में पुलिस प्रशासन हाई अलर्ट पर था। वरिष्ठ अधिकारियों ने सभी थानों की पुलिस को स्पष्ट निर्देश दिए थे कि जुलूस शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न कराया जाए और किसी भी तरह की अप्रिय घटना पर पैनी नजर रखी जाए।

इसी दौरान वायरल हो रहे वीडियो ने पुरे पुलिस महकमे में खलबली मचा दी। वायरल वीडियो में एक पुलिस सब-इंस्पेक्टर वर्दी में डियूटी के दौरान एक मातमी जुलुस में तलबार भांजते देखे गए। बताया जा रहा है कि वे सब इंस्पेक्टर वर्तमान में कांटी थाना में तैनात हैं। इस मामले पर प्रतिक्रिया देते हुए डीएसपी (पश्चिम) सुचित्रा कुमारी ने शुक्रवार की रात बताया था कि वायरल वीडियो प्रशासन के संज्ञान में आ गया है।

प्रथम दृष्टया वीडियो में दिखाई देने वाले पुलिस अधिकारी की पहचान कांटी थाना में तैनात सब-इंस्पेक्टर के रूप में हुई है। पूरे मामले की गंभीरता से जांच कराई जा रही है। उन्होंने यह भी कहा कि पुलिस विभाग अनुशासन और जवाबदेही के सिद्धांतों पर कार्य करता है तथा किसी भी प्रकार की लापरवाही या अनुचित आचरण को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। वहीं इस मामले को गंभीरता से लेते हुए एसएसपी काँतेश कुमार मिश्रा ने आरोपी सब इंस्पेक्टर मो मुस्तकीम अहमद को लाइन क्लोज करते हुए वायरल वीडियो की जांच कराने का निर्देश दिया है। एसएसपी ने बताया की जांच में सत्यता प्रमाणित होने पर आरोपी सब इंस्पेक्टर के विरुद्ध विभागीय कार्रवाई की अनुशंसा की जाएगी।

मोहर्रम जुलुस में डयूटी पर रहते हुए तलबारबाजी का करतब दिखाते सब इंस्पेक्टर की फोटो।

संक्षिप्त खबरें

एडवोकेट एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष सुरेन्द्र प्रसाद श्रीवास्तव के निधन पर चित्रगुप्त एसोसिएशन ने जताया शोक

मुजफ्फरपुर (एनएसबी)। चित्रगुप्त एसोसिएशन ने एडवोकेट एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष एवं वरिष्ठ अधिवक्ता सुरेन्द्र प्रसाद श्रीवास्तव के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने कहा कि स्वर्गीय श्रीवास्तव एक कुशल अधिवक्ता, समाजसेवी एवं न्यायप्रिय व्यक्तित्व के धनी थे। उन्होंने अपने जीवनकाल में विधि जगत एवं समाज के प्रति उल्लेखनीय योगदान दिया। उनका निधन न केवल अधिवक्ता समाज, बल्कि पूरे जिले के लिए अपूरणीय क्षति है। चित्रगुप्त एसोसिएशन ने ईश्वर से दिवंगत पुण्यात्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान प्रदान करने तथा शोकाकुल परिवार को इस असीम दुःख को सहन करने की शक्ति देने की प्रार्थना की। शोक व्यक्त करने वालों में अध्यक्षडा अजय नारायण सिन्हा, महासचिव प्रो अजय कुमार श्रीवास्तव, उपाध्यक्ष कुमोद सिन्हा, चक्रधर सिन्हा, राकेश सम्राट, संगठन मंत्री सत्येन्द्र कुमार पिंकू, कोषाध्यक्ष अजय कुमार, अमर प्रकाश टूटू, तरुण कुमार, वरुण कुमार, अरुण कुमार सिन्हा छोटन, बिशम्भर प्रसाद सिन्हा, संजीव कुमार रमण, उदय नारायण सिन्हा, विश्वनाथ प्रसाद, अजीत कुमार, राजीव कुमार सिन्हा, अनिल सिन्हा, संजय कुमार, सर्वजीत मन्ना, सदाशिव श्रीवास्तव, सुनील कुमार श्रीवास्तव, अमित रंजन, मुकेश कुमार बुल्लू, सुनील सहाय, मनोज कुमार सिन्हा, संतोष कुमार, सुधांशु सोनू सहित चित्रगुप्त एसोसिएशन के सभी पदाधिकारी एवं सदस्य शामिल हैं।

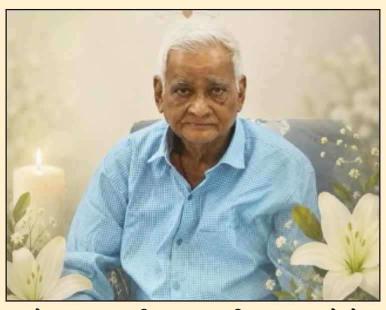
सुरेन्द्र प्रसाद श्रीवास्तव की फाइल फोटो।

ईंट लदे ट्रैक्टर ने अधिवक्ता दंपती को रौंदा, पत्नी की मौत, वकील के दोनों पैर टूटे

मुजफ्फरपुर(एनएसबी)। शहर में तेज रफ्तार का कहर थमने का नाम नहीं ले रहा है। शनिवार को सदर थाना क्षेत्र के यादव नगर गेट के पास ईंट लदे एक तेज रफ्तार ट्रैक्टर ने बाइक सवार अधिवक्ता और उनकी पत्नी को कुचल दिया। हादसे में अधिवक्ता की पत्नी की इलाज के दौरान मौत हो गई, जबकि अधिवक्ता के दोनों पैर टूट गए और उनका इलाज जारी है। जानकारी के अनुसार, पारू थाना क्षेत्र के उसती निवासी 60 वर्षीय अधिवक्ता नवल किशोर प्रसाद सिंह अपनी 55 वर्षीय पत्नी वीणा देवी के साथ भामाशाह द्वार स्थित आर्मी कैंटीन से घरेलू सामान खरीदकर बाइक से बीबीगंज स्थित अपने घर लौट रहे थे। इसी दौरान यादव नगर गेट के पास सामने से आ रहे ईंट लदे ट्रैक्टर ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक के परखच्चे उड़ गए और दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों की मदद से दोनों को माड़ीपुर स्थित भवानी हॉस्पिटल ले जाया गया। डॉक्टरों ने बताया कि अधिवक्ता के दोनों पैरों में मल्टीपल फ्रैक्चर हुआ है, जबकि वीणा देवी के सिर में गंभीर चोट लगी थी। उन्हें वेंटिलेटर पर रखा गया, लेकिन इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। दंपती का इकलौता बेटा कुंदन कुमार दुबई में सॉफ्टवेयर इंजीनियर है। हादसे की सूचना मिलने के बाद परिजनों और अधिवक्ता संघ के सदस्य अस्पताल पहुंचे और परिवार को सांत्वना दी। वही सदर थाना पुलिस ने ट्रैक्टर को जब्त कर लिया है। जबकि चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है और चालक की पहचान कर गिरफ्तारी के प्रयास में जुटी है। उसके खिलाफ लापरवाही से वाहन चलाने और सड़क दुर्घटना के आरोप में मामला दर्ज किया जा रहा है। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने शहर में ईंट, बालू और निर्माण सामग्री ढोने वाले ट्रैक्टरों की तेज रफ्तार पर सख्ती से रोक लगाने की मांग की है। उनका कहना है कि ऐसे वाहनों की लापरवाही के कारण लगातार सड़क हादसे हो रहे हैं।

एसकेएमसीएच में पहली बार मिला विल्सन रोग का मरीज, 20 हजार में किसी एक को होती है यह बीमारी

मुजफ्फरपुर (एनएसबी)। मुजफ्फरपुर के श्रीकृष्ण मेडिकल कॉलेज अस्पताल में पहली बार विल्सन रोग का मरीज मिला है। सीतामढ़ी के 16 वर्षीय किशोर में इस दुर्लभ जेनेटिक बीमारी की पुष्टि हुई है। डॉक्टरों के अनुसार यह बीमारी लगभग 20 हजार लोगों में किसी एक को होती है और इसमें शरीर के लीवर, मस्तिष्क और आंखों में तांबा जमा होने लगता है। चिकित्सकों के अनुसार मरीज को पहले पेट दर्द की शिकायत थी। जांच के दौरान उसके शरीर में विल्सन रोग के लक्षण मिले और बाद में जांच में इसकी पुष्टि हो गई। फिलहाल मरीज का इलाज विशेषज्ञ डॉक्टरों की निगरानी में किया जा रहा है। डॉक्टरों के अनुसार विल्सन रोग एक दुर्लभ जेनेटिक बीमारी है। इस बीमारी में शरीर की तांबा (कॉपर) को सही तरीके से नियंत्रित करने की क्षमता प्रभावित हो जाती है। इसके कारण शरीर के लीवर, मस्तिष्क और आंखों जैसे महत्वपूर्ण अंगों में तांबा जमा होने लगता है, जिससे गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं पैदा हो सकती हैं।एसकेएमसीएच के उपाधीक्षक डॉ सतीश कुमार सिंह ने बताया कि मरीज करीब एक साल से इस बीमारी से पीड़ित था। बीमारी के कारण उसके व्यवहार में चिड़चिड़ापन भी आ गया था। उन्होंने बताया कि जब मरीज के पेट का अल्ट्रासाउंड कराया गया तो उसके लीवर में गंभीर समस्या दिखाई दी। इसके बाद डॉक्टरों को विल्सन रोग का संदेह हुआ और आगे की जांच में इसकी पुष्टि हो गई। अब मरीज का लगातार इलाज किया जा रहा है और उसे नियमित दवाएं दी जा रही हैं। समय-समय पर उसकी जांच भी की जाएगी। मरीज का इलाज कई विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम कर रही है। इसमें आई एक्सपर्ट सहित अन्य विशेषज्ञ चिकित्सक लगातार उसकी निगरानी कर रहे हैं। डॉक्टरों के अनुसार इस बीमारी के प्रमुख लक्षणों में लगातार पेट दर्द, शरीर में कंपकंपी, व्यवहार में अचानक बदलाव, भूख कम लगना और आंखों में तांबा जमा होने के कारण रिंग जैसी आकृति बनना शामिल है। चिकित्सकों ने बताया कि यदि माता और पिता दोनों में दोषपूर्ण जीन मौजूद हो, तो उनके बच्चे में यह बीमारी होने की संभावना रहती है। इसलिए इसे एक दुर्लभ आनुवंशिक बीमारी माना जाता है। एसकेएमसीएच के डॉक्टरों के अनुसार मेडिकल कॉलेज में पहली बार विल्सन रोग का मरीज सामने आया है। इस बीमारी का इलाज काफी महंगा होता है और इसकी दवाएं भी बेहद खर्चीली होती हैं। मरीज की गंभीर स्थिति को देखते हुए एसकेएमसीएच प्रशासन ने उसे लगभग 60 हजार रुपये की दवाएं मुफ्त उपलब्ध कराई हैं। फिलहाल डॉक्टर लगातार उसकी स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं।

सदर अस्पताल में औचक निरीक्षण के दौरान अनुपस्थित मिले अस्पताल के अधीक्षक

डीएम ने तीन अधिकारियों का वेतन रोका

मुजफ्फरपुर (एनएसबी)। अस्पतालों की आधारभूत सुविधाओं को सुदृढ़ करने तथा आम नागरिकों को बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जिला पदाधिकारी कुमार गौरव द्वारा शुक्रवार 26 जून को किए गए सदर अस्पताल का औचक निरीक्षण के दौरान अस्पताल में कार्यरत डॉक्टरों एवं स्वास्थ्य कर्मियों की उपस्थिति के सत्यापन के क्रम में सदर अस्पताल के अधीक्षक, अस्पताल प्रबंधक तथा महिला चिकित्सा पदाधिकारी डॉ मोनिका जायसवाल के निर्धारित समय पर अपने कार्यस्थल पर उपस्थित नहीं रहने तथा बाद में उनके विलंब से अस्पताल पहुंचने के मामले को गंभीरता से लेते हुए संबंधित तीनों अधिकारियों से स्पष्टीकरण मांगने का निर्देश दिया है।

साथ ही जिलाधिकारी ने 26 जून का उनका वेतन स्थगित करने का आदेश दिया है। जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि सरकारी सेवा में समय पालन एवं कार्य के प्रति जवाबदेही सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसमें किसी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी।

सदर अस्पताल में कार्रवाई की जानकारी देते जिलाधिकारी कुमार गौरव।

निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने अस्पताल प्रबंधन को निर्देश दिया कि मरीजों को सभी आवश्यक स्वास्थ्य सेवाएं समय पर उपलब्ध कराई जाएं। उन्होंने कहा कि अस्पताल आने वाले प्रत्येक मरीज के साथ संवेदनशील व्यवहार किया जाए तथा इलाज, जांच, दवा वितरण एवं अन्य स्वास्थ्य सेवाओं में किसी प्रकार की अनावश्यक देरी नहीं होनी चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि अस्पताल परिसर में स्वच्छता, चिकित्सकीय उपकरणों की उपलब्धता एवं अन्य आधारभूत सुविधाओं को बेहतर बनाए रखने पर विशेष ध्यान दिया जाए। जिलाधिकारी कुमार गौरव ने सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देशित किया कि वे अपने-अपने कार्यालय एवं कार्यस्थल पर निर्धारित समय पर उपस्थित रहें तथा सरकार द्वारा निर्धारित दिशा-निर्देशों के अनुरूप अपने-अपने दायित्वों का समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण एवं पूरी जिम्मेदारी के साथ निर्वहन करें।

उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं में अनुशासन, पारदर्शिता एवं जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए ऐसे औचक निरीक्षण आगे भी लगातार जारी रहेंगे। यदि किसी अधिकारी या कर्मचारी द्वारा लापरवाही, अनुपस्थिति अथवा कार्य में उदासीनता बरती जाती है तो उसके विरुद्ध नियमानुसार कड़ी प्रशासनिक कार्रवाई की जाएगी।

शादी समारोह में हुई हत्या का हुआ खुलासा, चार आरोपी गिरफ्तार

गाना बजाने और खाने-पीने के विवाद में चली थी गोली

मुजफ्फरपुर (एनएसबी)। करजा थाना क्षेत्र के भटॉना गांव में शादी समारोह के दौरान हुई रंजीत कुमार सहनी की हत्या मामले का पुलिस ने सफल उद्भेदन करते हुए इस मामले में चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, वारदात का कारण शादी समारोह में गाना बजाने और खाने-पीने को लेकर विवाद था और इसी क्रम में हुई फायरिंग में रंजीत सहनी को गोली लगी थी। पुलिस के मुताबिक, 25 जून 2026 की सुबह मुशहरी थाना क्षेत्र के निवासी रंजीत कुमार सहनी करजा थाना क्षेत्र में आयोजित अपनी भगनी की शादी समारोह में शामिल होने गए थे।

इसी दौरान अज्ञात अपराधियों ने गोली मारकर हत्या कर दी थी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और एफएसएल तथा डॉग स्क्वायड की मदद से साक्ष्य जुटाए। मृतक के बहनोई के बयान पर करजा थाना कांड संख्या 188/26 दर्ज किया गया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कांतेश कुमार मिश्रा के निर्देश पर गठित विशेष टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों विवेकी कुमार (तुर्की थाना क्षेत्र) और रामबाबू सहनी (पानापुर करियात थाना क्षेत्र) को गिरफ्तार किया। पूछताछ और निशानदेही के आधार पर दो अन्य आरोपी नीरज कुमार तथा धीरज कुमार उर्फ गोलू (दोनों करजा थाना क्षेत्र) को भी पुलिस अभिरक्षा में लिया गया। पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर एक अवैध हथियार और कारतूस भी बरामद किया है। इस संबंध में करजा थाना कांड संख्या 189/26 दर्ज किया गया है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि शादी समारोह में डीजे पर गाना बजाने और खाने-पीने को लेकर हुए विवाद के बाद डीजे संचालक विवेकी कुमार और उसके सहयोगियों ने रंजीत कुमार को गोली मार दी, जिससे उनकी मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

शादी समारोह में हुई हत्या मामले में गिरफ्तार आरोपियों के संबंध में जानकारी देते ग्रामीण एसपी।

महिलाओं की सुरक्षा, संरक्षा और उनके आर्थिक सशक्तीकरण के उद्देश्य से 'सखी वार्ता' कार्यक्रम

मुजफ्फरपुर(एनएसबी)। महिला बाल विकास निगम मुजफ्फरपुर के तत्वावधान में जिला हब फॉर एंपावरमेंट ऑफ वूमेन द्वारा मुरौल प्रखंड में मोहम्मदपुर बादल पंचायत स्थित मंदिर परिसर में "सखी वार्ता" कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं को मिशन शक्ति के अंतर्गत संचालित विभिन्न योजनाओं, अन्य केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा संचालित महिला केंद्रित योजनाओं महिला सुरक्षा, महिला अधिकार, डिजिटल भुगतान, वित्तीय साक्षरता, बजट निर्माण एवं वित्तीय प्रबंधन के प्रति जागरूक करना था।कार्यक्रम में उपस्थित महिलाओं को मिशन शक्ति अंतर्गत संचालित विभिन्न महिला कल्याणकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी गई।

सर्वप्रथम जिले में संचालित वन स्टॉप सेंटर के बारे में महिलाओं को बताया गया कि हिंसा से पीड़ित महिलाओं को चिकित्सा, कानूनी, पुलिस सहायता और मनोसामाजिक परामर्श जैसी सभी आवश्यक सुविधाएं एक ही छत के नीचे उपलब्ध कराने की एक महत्वपूर्ण पहल है। उसके बाद महिला हेल्पलाइन नंबर 181, चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर 1098 की भी जानकारी दी गई। जिले में संचालित जिला हब फॉर एंपावरमेंट ऑफ वूमेन कार्यालय, जो कि महिलाओं को सरकारी योजनाओं के साथ जोड़ने का कार्य करती है, उसके बारे में भी बताया गया।

सखी वार्ता कार्यक्रम में शामिल मुरौल प्रखंड क्षेत्र की महिलाएं।

कामकाजी महिलाओं को उनके गृह नगर से दूर सुरक्षित, किफायती आवास प्रदान करने के उद्देश्य से जिले में संचालित कामकाजी महिला छात्रावास से भी महिलाओं को अवगत कराया गया। साथ ही डिजिटल लेन-देन के सुरक्षित उपयोग, बैंकिंग सेवाओं से जुड़ने, नियमित बचत करने तथा आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित किया गया। वित्तीय साक्षरता विशेषज्ञ ने महिलाओं की जिज्ञासाओं का समाधान करते हुए उन्हें योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाने का आह्वान किया और कहा कि आर्थिक रूप से सशक्त महिला ही परिवार और समाज के समग्र विकास की आधारशिला होती है। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। अंत में सभी प्रतिभागियों से अपने आसपास की अन्य महिलाओं को भी जागरूक करने का आग्रह किया गया।

अंतर्राष्ट्रीय नशा निरोधक दिवस पर जागरूकता कार्यशाला

समस्तीपुर कोर्ट (एनएसबी)। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह-अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकार समीर कुमार एवं सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकार, मनोज कुमार के मार्गदर्शन में अंतर्राष्ट्रीय नशा निरोधक दिवस के अवसर पर जिला विधिक सेवा प्राधिकार, समस्तीपुर के तत्वावधान में जिले के विभिन्न शैक्षणिक एवं सामाजिक संस्थानों में नशा मुक्ति एवं मादक पदार्थों के दुष्प्रभावों के प्रति जन-जागरूकता फैलाने हेतु विशेष जागरूकता कार्यशालाओं का आयोजन किया गया । इस क्रम में पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय, ममता शिशु गृह, महिला महाविद्यालय, मुस्कान जिला नशा मुक्ति केंद्र, मंडल कारा, में आयोजित कार्यशालाओं में उपस्थित छात्र-छात्राओं, महिलाओं, बंदियों एवं अन्य प्रतिभागियों को नशीले पदार्थों के सेवन से होने वाले शारीरिक, मानसिक, सामाजिक एवं आर्थिक दुष्प्रभावों की जानकारी दी गई। साथ ही उन्हें नशामुक्त जीवन अपनाने, समाज में जागरूकता फैलाने तथा युवाओं को नशे से दूर रखने का संदेश दिया गया। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों ने नशामुक्त समाज के निर्माण में सक्रिय सहयोग देने तथा स्वयं भी किसी भी प्रकार के नशे से दूर रहने का संकल्प लिया।

छात्रों की गूंज कार्यक्रम के तहत कांग्रेस ने आयोजित किया कार्यक्रम, भारी संख्या में जुटे छात्र-छात्राएं

छात्रों को सुनाया गया कोटा में दिया गया राहुल गांधी का संबोधन

मुजफ्फरपुर(एनएसबी)। कांग्रेस द्वारा आयोजित "छात्रों की गूंज" कार्यक्रम के तहत शनिवार को दामुचौक रोड स्थित एक निजी बैंक्वेट हॉल में छात्रों के बीच लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी द्वारा कोटा में दिए गए शिक्षा संबंधी संबोधन और आंकड़ों का वीडियो प्रस्तुतीकरण किया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कांग्रेस जिलाध्यक्ष अरविंद कुमार मुकुल ने की। वही कार्यक्रम के दौरान अरविंद कुमार मुकुल ने कहा कि छात्रों में शिक्षा व्यवस्था और प्रतियोगी परीक्षाओं को लेकर भारी आक्रोश है। उनका आरोप था कि सरकार बड़ी परीक्षाओं का भी निष्पक्ष और व्यवस्थित संचालन कराने में लगातार विफल रही है, जिससे छात्रों का भविष्य प्रभावित हो रहा है। उन्होंने कहा कि नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी का यह अभियान केवल राजनीतिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि इस मुद्दे पर व्यापक विमर्श किया जाना है कि भविष्य के भारत के लिए कैसी शिक्षा व्यवस्था और परीक्षा प्रणाली होनी चाहिए। ताकी छात्रो मे बढती आत्महत्या रोकी जा सके। उन्होंने बताया कि इसी क्रम में राहुल गांधी पटना में छात्रों से संवाद करेंगे। उन्होंने कहा कि इसके बाद छात्रों के साथ मिलकर "छात्र सत्याग्रह" चलाया जाएगा, जिसका उद्देश्य शिक्षा व्यवस्था को अधिक पारदर्शी, जवाबदेह और परीक्षा प्रणाली को बेहतर बनाने की मांग उठाना होगा।

कोटा में दिए गए राहुल गांधी के संबोधन को सुनते छात्र छात्राएं व कांग्रेस के लोग।

उन्होंने बताया कि मुजफ्फरपुर के विभिन्न महाविद्यालयों से आए छात्र राहुल गांधी के प्रस्तावित पटना कार्यक्रम को लेकर उत्साहित हैं और बड़ी संख्या में इस कार्यक्रम में भाग लेने की तैयारी कर रहे हैं। शनिवार को आयोजित छात्रों की गूंज

कार्यक्रम में पूर्व नगर विधायक विजेंद्र चौधरी, महिला जिलाध्यक्ष जूही प्रीतम, आदित्य पासवान, मोहम्मद आमिर, रिजवान अहमद एजाजी, अब्दुल वारिस सद्दाम, रामप्रवेश पाल, प्रभात चंद्र, रितेश कुमार, रविरंजन, रितेश सिंह, विनोद पासवान, कुणाल रंजन सहित दर्जनों छात्र उपस्थित थे।

गर्मी में नवजात व छोटे बच्चों की देखभाल को लेकर वरिष्ठ शिशु रोग विशेषज्ञ चिकित्सक डॉ. एसके वर्मा ने दी महत्वपूर्ण सलाह

सीतामढ़ी (एनएसबी)। भीषण गर्मी और बढ़ते तापमान को देखते हुए वरिष्ठ शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. एसके वर्मा (डॉ. संजय वर्मा) ने अभिभावकों से नवजात एवं छोटे बच्चों की विशेष देखभाल करने की अपील की है। उन्होंने कहा कि गर्मी का प्रभाव छोटे बच्चों पर तेजी से पड़ता है, इसलिए समय रहते सावधानी बरतना बेहद आवश्यक है।

शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. एसके वर्मा।

मन्नत हॉस्पिटल के संचालक व आईएमए सीतामढ़ी के सचिव डॉ. वर्मा ने बताया कि जन्म से छह माह तक के शिशुओं को केवल मां का दूध (विशेष स्तनपान) ही दिया जाए। इसके साथ ही बच्चों को पर्याप्त पानी (उम्र के अनुसार), आवश्यकता पड़ने पर चिकित्सकीय सलाह से ओआरएस, हल्के सूती कपड़े, ताजा एवं स्वच्छ भोजन तथा फल-सलाद देने की सलाह दी गई है। उन्होंने कहा कि बच्चों को तेज धूप में बाहर न ले जाएं, हाथों की स्वच्छता का विशेष ध्यान रखें तथा रात में बच्चों को खाली पेट न सुलाएं।

छह माह तक के शिशुओं को केवल मां का दूध ही दिया जाए

उन्होंने अभिभावकों को आगाह करते हुए कहा कि यदि बच्चे को तेज बुखार, बार-बार उल्टी, पेशाब कम होना, अत्यधिक सुस्ती या चिड़चिड़ापन, बेहोशी जैसी स्थिति अथवा दूध या भोजन कम लेने जैसी शिकायत हो तो बिना देर किए तुरंत चिकित्सक से संपर्क करें। डॉ. एसके वर्मा ने कहा कि गर्मी के मौसम में थोड़ी-सी लापरवाही भी बच्चों के स्वास्थ्य पर गंभीर असर डाल सकती है।

इसलिए समय पर सावधानी और चिकित्सकीय सलाह का पालन कर बच्चों को सुरक्षित रखा जा सकता है। उन्होंने अंत में संदेश दिया कि "स्वस्थ शिशु, स्वस्थ परिवार और स्वस्थ समाज" के निर्माण के लिए गर्मी के मौसम में बच्चों की देखभाल के प्रति सभी अभिभावकों को जागरूक रहना चाहिए।

एडवोकेट एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष सुरेन्द्र श्रीवास्तव के निधन पर शोक

मुजफ्फरपुर (एनएसबी)। चित्रगुप्त एसोसिएशन मुजफ्फरपुर के अध्यक्ष डॉ अजय नारायण सिन्हा ने एडवोकेट एसोसिएशन मुजफ्फरपुर के पूर्व अध्यक्ष सुरेन्द्र प्रसाद श्रीवास्तव के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया।

वरीय अधिवक्ता डॉ अजय नारायण सिन्हा ने कहा इनके निधन से अधिवक्ता समाज में अपूर्णीय क्षति हुई है जिसकी भरपाई नहीं की जा सकती। भगवान उनकी आत्मा को शांति प्रदान करे तथा परिजनों को इस दुःख की घड़ी में हिम्मत प्रदान करे। अधिवक्ता अमित प्रकाश श्रीवास्तव ने कहा पूर्व अध्यक्ष सुरेन्द्र प्रसाद श्रीवास्तव इमली चट्टी स्थित अपने आवास पर सुबह 6 बजे परलोक सिधार गए। उनके आवास पर जाकर पार्थिव शरीर माल्यार्पण किये। उनका मुक्तिधाम सिकंदरपुर में अंतिम संस्कार हुआ।

शोक संदेश में अधिवक्ताओं ने इसे अपूरणीय क्षति बताया

पूर्व अध्यक्ष के निधन पर शोक व्यक्त करने वालों में चित्रगुप्त एसोसिएशन मुजफ्फरपुर के अध्यक्ष डॉ अजय नारायण सिन्हा, सतीश कर्ण, कुमुद सिन्हा, मुकेश कुमार, राकेश सम्राट, सुधीर सिन्हा, महामंत्री प्रो अजय श्रीवास्तव, संगठन मंत्री सत्येंद्र कुमार पिंकू, कोषाध्यक्ष अजय कुमार, आलोक कुमार, हरेश्वर नाथ श्रीवास्तव, राजेश सिन्हा, अमर प्रकाश, विशम्बर सिन्हा, तरुण कुमार, रजनीश अम्बष्ट, संजीव रमण, उदय नारायण सिन्हा विश्वनाथ प्रसाद, रामबाबू प्रसाद, अधिवक्ता अमित प्रकाश श्रीवास्तव, मनोज कुमार, धीरज वर्मा माधो जी, अतुल कुमार, रत्नेश सिन्हा अरूण सिन्हा, मनोज कुमार प्रिंस, सतीश कुमार, सुनील श्रीवास्तव, पंकज प्रकाश, सर्वजीत प्रियदर्शी, संतोष कुमार, राकेश कुमार सिन्हा पप्पू सहित अन्य शामिल हैं।

संक्षिप्त खबरें

एनएच-27 पर हादसा : अज्ञात मालवाहक ने अधेड़ को कुचला, मौके पर मौत

मुजफ्फरपुर(एनएसबी)। जिले के गायघाट थाना क्षेत्र के मैठी पेट्रोल पंप के समीप शनिवार सुबह एनएच-27 पर एक तेज रफ्तार माल वाहक ट्रक ने सड़क पार कर रहे अधेड़ व्यक्ति को रौदते हुए आगे निकल गई। इस दर्दनाक हादसे में अधेड व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान 55 वर्षीय शिबू राम के रूप में हुई है। बताया गया कि शनिवार सुबह करीब 6:30 बजे वह शौच के लिए जा रहे थे। इसी दौरान सड़क पार करते समय तेज रफ्तार अज्ञात मालवाहक ट्रक ने उन्हें जोरदार टक्कर मारते हुए आगे निकल गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि उनकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। घटना के बाद बड़ी संख्या में स्थानीय लोग मौके पर जुट गए और कुछ समय तक एनएच-27 पर यातायात प्रभावित हो गया। वही घटना की सूचना मिलने पर गायघाट थाना पुलिस मौके पर पहुंची और लोगों को शांत कराते हुए यातायात सामान्य कराया। पुलिस ने घटना की जानकारी लेने के पश्चात घटनास्थल पर पड़े शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। वही पुलिस घटना को अंजाम देकर फरार वाहन और चालक की पहचान के लिए जांच शुरू कर दी है। पुलिस वाहन की पहचान के लिए आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे को खंगालने में जुटी है, ताकि वाहन के रजिस्ट्रेशन नंबर से वाहन तथा उसके फरार हुए चालक का पता लगाया जा सके।

कांटी में नाबालिग बच्ची के साथ किया दुष्कर्म, ग्रामीणों ने आरोपी को पकडकर की पिटाई, पुलिस ने किया गिरफ्तार

कांटी(एनएसबी) । कांटी थाना क्षेत्र अंतर्गत एक गांव में शुक्रवार की देर रात लगभग 9 वषीर्या बच्ची से दुष्कर्म का मामला सामने आया है। पीड़िता की शिकायत पर परिजनों व ग्रामीणों ने आरोपित की पकड़कर जमकर पिटाई की और उसे पुलिस को सौंप दिया। पुलिस ने आरोपित युवक को हिरासत में ले लिया है। पुलिस निरीक्षक सह कांटी थानेदार रविकांत पाठक ने पीड़ित बच्ची व परिजनों से पूछताछ की एवं इस घटना की विस्तृत जानकारी ली। पीड़ित बच्ची के परिजनों ने पुलिस को बताया कि वे सपरिवार शादी समारोह में शामिल होने आए थे, रात में वर वधू स्वागत समारोह चल रहा था। इसी दौरान आरोपित मनीष कुमार बच्ची का मुंह दबाकर खेत में ले जाकर दुष्कर्म किया। दुष्कर्म के बाद बच्ची रोती हुई लौटी, जब परिजनों ने उससे पूछा तब उसने पूरी घटना की जानकारी दी। इसके बाद आक्रोशित परिजनों ने आरोपित मनीष कुमार को पकड़ लिया व जमकर पिटाई की। घटना की सूचना कांटी पुलिस को दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने आरोपित मनीष कुमार को गिरफ्तार कर लिया। वही, एसडीपीओ बेस्ट वन सुचित्रा कुमारी ने बताया कि पीड़िता को मेडिकल जांच के लिए भेजा गया है एवं इस घटना में शामिल आरोपी की गिरफ्तारी की गई हैं। उन्होंने बताया कि पुलिस इस मामले में विधि सम्मत अग्रेतर कार्रवाई कर रही है।

भक्तों ने विशेष पूजा अर्चना कर जरूरतमंदों के बीच किया खिचड़ी भोग वितरण

सीतामढ़ी (एनएसबी)। सिद्ध पीठ श्री माता वैष्णो देवी मंदिर सीतामढ़ी धाम में दिनांक 27 जून 2026 तदनुसार जून माह के अंतिम शनिवार को पूर्व से निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 12:00 बजे दिन में माताश्री की मंदिर सदस्यों एवं उपस्थित मां भक्तों द्वारा विशेष पूजा अर्चना कर खिचड़ी भोग लगाया गया तथा उसे लगभग 350 जरूरतमंदों के बीच जिसमें विशेष संख्या रिक्शा/ ठेला चालकों एवं पूरे परिवार के लिए खिचड़ी ले जाने वाले के थी, के बीच वितरण किया गया। परम मंगलमयी माताश्री के माध्यम से जरूरतमंदों की सेवा अजय कुमार, सुपुत्र स्वर्गीय बैजू दादा, ओल्ड एक्सचेंज रोड, सेवानिवृत एलके कॉलेज स्टाफ द्वारा की गई।

खिचड़ी भोग वितरित करते श्रद्धालु।

मऊ बाजार में स्वर्ण व्यवसायी के दुकान में तोड़फोड़ एवं लूटपाट, एक माह में दूसरी घटना, दहशत

विद्यापतिनगर (एनएसबी)। थाना के मऊ बाजार में शुक्रवार की संध्या स्वर्ण व्यवसायी के दुकान पर की गई तोड़फोड़ एवं लूटपाट की घटना से व्यवसायियो में दहशत बना है। एक माह के अंदर मऊ बाजार में यह दूसरी घटना घटी है। जिसके कारण बाजार के अन्य दुकानदारों में भय का माहौल बना है। बताया गया है कि 5 जून की देर संध्या में भी एक दुकान को खाली कराने की बात पर मारपीट, पथरवाजी कर कई राउंड हवाई फायरिंग भी हुआ था, जिसकी भी कांड थाने में पीड़ित ने दर्ज कराया। जिसमे पुलिस ने कारवाई करते हुए कई आरोपी की गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। वही मामूली बात को लेकर कुछ लोगो ने स्वर्ण व्यवसायी श्याम सुंदर साह के दुकान में शुक्रवार की संध्या में तोड़फोड़ कर लूटपाट की घटना को अंजाम देकर फरार हो गया था जिसकी सूचना पुलिस को दी गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच पड़ताल कर किया और आगे की कारवाई में जुट गई है। थानाध्यक्ष सूरज कुमार ने बताया कि अभी तक पीड़ित ने आवेदन नहीं दिया है। बावजूद कारवाई की प्रक्रिया की जा रही है।

राजकीय डिग्री कॉलेज, विद्यापतिनगर में स्नातक प्रथम वर्ष में नामांकन शुरू, पहली मेधा सूची जारी

विद्यापतिनगर (एनएसबी)। विद्यापति उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, मऊ बाजिदपुर उत्तर परिसर में संचालित राजकीय डिग्री महाविद्यालय, विद्यापतिनगर में स्नातक प्रथम वर्ष (सत्र 2026-30) में नामांकन की प्रक्रिया आधिकारिक रूप से शुरू हो गई है। ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय से संबद्ध इस महाविद्यालय की प्रथम मेधा सूची जारी कर दी गई है। सूची कॉलेज के नोटिस बोर्ड के साथ-साथ विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर भी उपलब्ध करा दी गई है।

जनशिकायत सुनवाई में एसपी ने सुनीं लोगों की समस्याएं, त्वरित कार्रवाई के दिए निर्देश

सीतामढ़ी (एनएसबी)। आमजन की समस्याओं के त्वरित एवं प्रभावी समाधान के उद्देश्य से सीतामढ़ी पुलिस द्वारा प्रत्येक कार्य दिवस पर पुलिस अधीक्षक कार्यालय में जन शिकायत सुनवाई का आयोजन किया जाता है। इसी क्रम में शनिवार, 27 जून 2026 को पुलिस अधीक्षक, सीतामढ़ी ने अपने कार्यालय में आयोजित जन शिकायत सुनवाई कार्यक्रम में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे लोगों की समस्याओं को गंभीरता से सुना।

सुनवाई के दौरान भूमि विवाद, मारपीट, पारिवारिक विवाद, साइबर अपराध, धोखाधड़ी, पुलिस कार्रवाई से संबंधित शिकायतों सहित विभिन्न मामलों में फरियादियों ने अपनी समस्याएं पुलिस अधीक्षक के समक्ष रखीं। पुलिस अधीक्षक ने प्रत्येक शिकायत का अवलोकन करते हुए संबंधित पुलिस पदाधिकारियों एवं थाना प्रभारियों को मामलों का त्वरित, गुणवत्तापूर्ण, निष्पक्ष एवं विधिसम्मत निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट रूप से कहा कि प्राप्त शिकायतों का समयबद्ध निस्तारण किया जाए तथा शिकायतकताओं को अनावश्यक रूप से कार्यालयों का चक्कर न लगाना पड़े। जिन मामलों में तत्काल कार्रवाई संभव है, उनमें बिना विलंब आवश्यक कदम उठाने तथा गंभीर मामलों की स्वयं निगरानी करने के निर्देश भी दिए गए।

अपने कार्यालय में लोगों की समस्याएं सुनकर निष्पादन हेतु कार्रवाई करते पुलिस अधीक्षक व उपस्थित अन्य।

जिन मामलों में तत्काल कार्रवाई संभव है, उनमें बिना विलंब कदम उठाएं

पुलिस अधीक्षक ने कहा कि जन शिकायत सुनवाई का उद्देश्य आम नागरिकों और पुलिस के बीच विश्वास को और मजबूत करना, लोगों को सुलभ न्याय उपलब्ध कराना तथा उनकी समस्याओं का पारदर्शी एवं प्रभावी समाधान सुनिश्चित करना है। उन्होंने लोगों से अपील की कि यदि किसी प्रकार की पुलिस संबंधी समस्या या शिकायत हो तो वे निर्धारित कार्य दिवसों में पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचकर अपनी शिकायत दर्ज करा सकते हैं, ताकि उसका शीघ्र एवं विधिसम्मत निराकरण कराया जा सके।

इस अवसर पर संबंधित शाखाओं के पुलिस पदाधिकारी एवं कर्मी भी उपस्थित रहे और प्राप्त शिकायतों के निष्पादन की प्रक्रिया को आगे बढ़ाने के लिए आवश्यक कार्रवाई की गई।

चार डीएम के निर्देश पर चलाया गया जिले के 149 आंगनबाड़ी केंद्रों का विशेष निरीक्षण अभियान

सीतामढ़ी (एनएसबी)। जिला पदाधिकारी रिची पांडे के निर्देश के आलोक में जिले के विभिन्न आंगनबाड़ी केंद्रों का विशेष निरीक्षण अभियान चलाया गया। 31 जांच पदाधिकारियों द्वारा जिले के 149 आंगनबाड़ी केंद्रों का प्राप्त निरीक्षण प्रतिवेदन के अनुसार अधिकांश आंगनबाड़ी केंद्रों का संचालन सामान्य एवं संतोषजनक पाया गया।

हालांकि, तीन परियोजनाओं के अंतर्गत कुछ केंद्रों में अनियमितताएं भी सामने आई हैं, जिन पर संबंधित विभाग द्वारा आवश्यक कार्रवाई की प्रक्रिया शुरू की जा रही है।

निरीक्षण के दौरान रीगा प्रखंड की पकड़ी दक्षिणी पंचायत स्थित आंगनबाड़ी केंद्र संख्या-120 में बच्चों को निर्धारित मात्रा से कम नाश्ता दिए जाने की शिकायत दर्ज की गई।

वहीं, बथनाहा प्रखंड के महुवा पंचायत स्थित केंद्र संख्या-07 निरीक्षण के समय बंद पाया गया। इसके अतिरिक्त, बैरगनिया प्रखंड की पचटकी राम पंचायत स्थित आंगनबाड़ी केंद्र संख्या-02 में साफ-सफाई की स्थिति, उपस्थिति पंजी तथा अन्य अभिलेखों के संधारण को संतोषजनक नहीं पाया गया।

साथ ही, वहां टीएचआर (टेक होम राशन) वितरण एवं उपलब्धता की स्थिति भी अपेक्षित मानकों के अनुरूप नहीं थी। प्राप्त प्रतिवेदन के आधार पर डीपीओ आईसीडीएस को आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया है।

अभियान के तहत आंगनबाड़ी केंद्र का विशेष निरीक्षण करते जांच अधिकारी।

मोहर्रम पर नौजवान एकता कमिटी ने मेहसौल चौक पर दवा, पानी और शरबत का किया मुफ्त वितरण

सीतामढ़ी (एनएसबी)। मोहर्रम के अवसर पर नौजवान एकता कमिटी द्वारा मेहसौल चौक पर एक विशेष सेवा स्टॉल लगाया गया, जहां श्रद्धालुओं के बीच निःशुल्क दवा, पानी और शरबत का वितरण किया गया। इस दौरान बड़ी संख्या में लोगों ने सेवा का लाभ लिया।

कार्यक्रम के दौरान विधि-व्यवस्था बनाए रखने के लिए मेहसौल थाना अध्यक्ष को कमिटी की ओर से कप भेंट कर सम्मानित किया गया। साथ ही ताजिया जुलूस के बेहतर प्रबंधन में सहयोग देने वाले अन्य लोगों को भी सम्मानित किया गया।

कमिटी के सदस्यों ने बताया कि इस पहल का उद्देश्य समाज में सहयोग, सद्भाव और भाईचारे की भावना को मजबूत करना है। स्थानीय लोगों ने इस पहल की सराहना करते हुए इसे एक सकारात्मक और प्रेरणादायक कदम बताया। इस अवसर पर नौजवान एकता कमिटी के सदस्य मोहम्मद कैश, नौसाद आलम, ओरंगजेब खान, शानू खान, इमरान खान उर्फ बिटु सहित अन्य उपस्थित रहे।

मेहसौल चौक पर विशेष सेवा स्टॉल में नौजवान एकता कमिटी के सदस्य।

अपहरण मामले में आरोपी को 5 वर्ष की सजा

सीतामढ़ी (एनएसबी)। सीतामढ़ी पुलिस की प्रभावी अनुसंधान, न्यायालय में प्रस्तुत सशक्त साक्ष्यों तथा अभियोजन पक्ष की प्रभावी गवाही के आधार पर नाबालिग लड़की के अपहरण के एक मामले में न्यायालय ने आरोपी को पांच वर्ष के कारावास की सजा सुनाई है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, बाजपट्टी थाना कांड संख्या-25/2024 में दर्ज मामले में माननीय न्यायालय, सीतामढ़ी ने भारतीय न्याय संहिता (पूर्व भादवि) की धारा 366(ए) तथा पॉक्सो एक्ट की धारा 8 के तहत आरोपी चंदन कुमार उर्फ चंदन पासवान को 5 वर्ष के सश्रम कारावास एवं 5,000 जुमार्ना की सजा सुनाई। जुमार्ना अदा नहीं करने पर आरोपी को तीन माह का अतिरिक्त कारावास भुगतना होगा।

साथियों के साथ मिलकर एक नाबालिक लड़की के अपहरण के आरोप में सजा

सीतामढ़ी पुलिस के अनुसार, मामले की सुनवाई के दौरान पुलिस द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य, समर्पित आरोपपत्र तथा अभियोजन पक्ष की ओर से लोक अभियोजक गिरिजा वर्मा द्वारा प्रभावी ढंग से रखे गए पक्ष के आधार पर न्यायालय ने यह फैसला सुनाया। उल्लेखनीय है कि आरोपी के विरुद्ध अपने अन्य साथियों के साथ मिलकर एक नाबालिग लड़की के अपहरण का आरोप था, जिसके संबंध में बाजपट्टी थाना में कांड दर्ज किया गया था। पुलिस ने इस निर्णय को प्रभावी अनुसंधान एवं सशक्त अभियोजन का परिणाम बताया है।

सीतामढ़ी जिले के महुलिया निवासी सैयद अलहसन लंदन में इंटरनेशनल सेफ्टी अवॉर्ड से हुए सम्मानित

नवसंदेश ब्यूरो

सीतामढ़ी। जिले के महुलिया निवासी सैयद अलहसन ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक और बड़ी उपलब्धि हासिल करते हुए ब्रिटेन की राजधानी लंदन के ऐतिहासिक चर्च हाउस, वेस्टमिंस्टर में आयोजित प्रतिष्ठित ब्रिटिश सेफ्टी काउंसिल इंटरनेशनल सेफ्टी अवॉर्ड्स समारोह में इंटरनेशनल सेफ्टी अवॉर्ड (डिस्टिंक्शन श्रेणी) प्राप्त किया। इसके साथ ही जिस संस्था के हेल्थ, सेफ्टी एंड एनवायरनमेंट (एचएसई) विभाग का वह नेतृत्व कर रहे हैं, उसे 'बेस्ट इन मिडिल ईस्ट' श्रेणी में भी नामित किया गया।

सैयद अलहसन वर्तमान में ओमान की प्रतिष्ठित कंपनी मुरिया टूरिज्म डेवलपमेंट में एचएसई निदेशक के रूप में कार्यरत हैं। इससे पहले भी वे कई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सम्मानों से नवाजे जा चुके हैं। उन्हें वर्ष 2024 में ब्रिटिश सेफ्टी काउंसिल द्वारा इंटरनेशनल सेफ्टी अवॉर्ड (मेरिट श्रेणी), 2025 में जीडी गोयनका विश्वविद्यालय, फरीदाबाद द्वारा सेफ्टी हीरो-2025 तथा 2026 में गोवा में आयोजित ओएचएसएसआई ग्लोबल कॉन्क्लेव अवॉर्ड सहित कई प्रतिष्ठित सम्मान प्राप्त हो चुके हैं। सम्मान प्राप्त करने के बाद सैयद अलहसन ने ब्रिटिश सेफ्टी काउंसिल का आभार व्यक्त किया एवं अपनी पूरी टीम, वरिष्ठ अधिकारियों, सहयोगियों और मार्गदर्शकों के प्रति कृतज्ञता जतायी।

इंटरनेशनल सेफ्टी अवॉर्ड प्राप्त करते सैयद अलहसन।

पंचायत विकास दिवस को लेकर कर्मियों को सौंपी गई जिम्मेदारी

विद्यापतिनगर (एनएसबी)। प्रखंड की सभी पंचायतों में रविवार को पंचायत विकास दिवस मनाया जाएगा। इसको लेकर प्रखंड विकास पदाधिकारी मो. महताब अंसारी ने कार्यालय आदेश जारी कर पंचायतवार कर्मियों की प्रतिनियुक्ति की है। प्रतिनियुक्त कर्मियों को अपने-अपने पंचायतों में कार्यक्रम का सफल आयोजन सुनिश्चित कराने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। जारी आदेश के अनुसार, पंचायत विकास दिवस पर पंचायत एडवांसमेंट इंडेक्स (ढअक) से संबंधित गतिविधियों व विभिन्न मानकों पर विशेष चर्चा होगी। साथ ही केंद्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी ग्रामीणों तक पहुंचाई जाएगी। कार्यक्रम के दौरान पंचायतों के समग्र विकास, जनभागीदारी और बेहतर कार्य संस्कृति को बढ़ावा देने पर भी जोर रहेगा। इस दौरान कार्यक्रम की फोटो एवं वीडियो निर्धारित पोर्टल पर अपलोड करने का निर्देश भी दिया गया है।

सम्पादकीय

भारतीय छात्रों का टूटता अमेरिकन ड्रीम, यूरोपीय देश बने नया मुकाम

दशकों से अमेरिका भारतीय छात्रों के लिए उच्च शिक्षा, बेहतरीन करियर और एक शानदार जीवनशैली का पर्याय रहा है। अमेरिकन ड्रीम यानी अमेरिकी सपना केवल एक मुहावरा नहीं, बल्कि लाखों भारतीय युवाओं और उनके माता-पिता की आंखों में बसा एक ऐसा लक्ष्य रहा है, जिसके लिए वे अपनी जीवन भर की जमापूंजी तक दांव पर लगा देते थे। सिलिकन वैली में नौकरी, वॉल स्ट्रीट पर करियर और एक विश्व स्तरीय विश्वविद्यालय से डिग्री प्राप्त करना सफलता का अंतिम पैमाना माना जाता था। लेकिन, हाल के कुछ वर्षों में इस सुनहरे सपने में दरारें आनी शुरू हो गई हैं।

वर्तमान परिदृश्य में यह दरार इतनी गहरी हो चुकी है कि लगभग 30,000 से अधिक भारतीय छात्रों और युवा पेशेवरों को अमेरिका छोड़ने पर मजबूर होना पड़ा है। यह एक बड़ा और ऐतिहासिक बदलाव है, जो वैश्विक शिक्षा और प्रतिभा पलायन (ब्रेन ड्रेन) के पैटर्न को पूरी तरह से बदल रहा है। अब भारतीय छात्र अमेरिका की अनिश्चितताओं से दूर, यूरोपीय देशों की ओर अपना भविष्य तलाश रहे हैं।

इस अभूतपूर्व बदलाव के पीछे सबसे बड़ा और तात्कालिक कारण अमेरिका की कठोर होती वीजा नीतियां और आवजन (इमिग्रेशन) को लेकर बढ़ती प्रशासनिक जांच है। पहले जहाँ एफ-1 छात्र वीजा प्राप्त करना और पढ़ाई के बाद आप्शनल प्रैक्टिकल ट्रेनिंग (ओपीटी) या एच-1बी वीजा के माध्यम से नौकरी खोजना एक स्वाभाविक प्रक्रिया मानी जाती थी, वहीं अब यह एक मानसिक प्रताड़ना का रूप ले चुकी है। अमेरिकी दूतावासों में वीजा अस्वीकृति की दर में ऐतिहासिक वृद्धि देखी गई है। हालिया आंकड़ों के अनुसार, अमेरिका जाने वाले भारतीय छात्रों की संख्या में भारी गिरावट आई है। जिन छात्रों को वीजा मिल भी जाता है, उन्हें अमेरिकी हवाई अड्डों पर कड़ी और कई बार अपमानजनक पूछताछ का सामना करना पड़ता है। कई ऐसे मामले सामने आए हैं जहाँ वैध वीजा होने के बावजूद छात्रों को हवाई अड्डे से ही डिपोर्ट (वापस भेजना) कर दिया गया। इस तरह के कड़े प्रशासनिक रवैये ने छात्रों के मन में असुरक्षा और भय का माहौल पैदा कर दिया है।

पढ़ाई पूरी करने के बाद की स्थिति और भी भयावह हो चुकी है। अमेरिका में हाल ही में तकनीकी क्षेत्र (आईटी सेक्टर) में हुई भारी छंटनी ने हजारों भारतीय युवाओं का भविष्य अधर में लटका दिया है। एच-1बी वीजा के नियमों के अनुसार, यदि किसी पेशेवर की नौकरी चली जाती है, तो उसे 60 दिनों के भीतर नई नौकरी ढूंढनी होती है या देश छोड़ना पड़ता है। आर्थिक मंदी और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के बढ़ते प्रभाव के कारण जब नौकरियां ही नहीं हैं, तो यह 60 दिन की समयसीमा एक टिक-टिक करते टाइम बम जैसी बन जाती है। ग्रीन कार्ड का बैकलग इतना बड़ा है कि एक भारतीय के लिए वहां स्थायी नागरिकता पाना अब लगभग एक सदी लंबा इंतजार बन गया है। जब छात्र शिक्षा पर करोड़ों रुपये खर्च करते हैं, तो वे निवेश पर वापसी (आरओआई) और एक सुरक्षित भविष्य की उम्मीद करते हैं। लेकिन आज का अमेरिका उन्हें केवल अनिश्चितता, वीजा रद्द होने का डर और कभी भी देश से निकाल दिए जाने की तलवार भेंट कर रहा है। इसी हताशा के कारण 30 हजार से अधिक छात्रों और युवा पेशेवरों ने अमेरिका को अलविदा कहने का कठोर निर्णय लिया है।

अमेरिका की इस सख्ती और अनिश्चितता के विपरीत, यूरोपीय देश भारतीय प्रतिभाओं के लिए बाहें फैलाकर खड़े हैं। जर्मनी, फ्रांस, इटली, आयरलैंड और नीदरलैंड जैसे देश अब भारतीय छात्रों की पहली पसंद बनते जा रहे हैं। यूरोप की ओर इस ऐतिहासिक स्थानांतरण के कई ठोस आर्थिक, सामाजिक और नीतिगत कारण हैं। सबसे पहला और बड़ा कारण है शिक्षा की लागत और गुणवत्ता। जर्मनी जैसे देशों में पब्लिक विश्वविद्यालयों में शिक्षा लगभग मुफ्त है या वहां की फीस अमेरिकी विश्वविद्यालयों की तुलना में न के बराबर है। इसके साथ ही, जीवनयापन का खर्च भी कई अमेरिकी शहरों की तुलना में यूरोप में अधिक संतुलित है। छात्र बिना किसी बड़े कर्ज के बोझ के विश्व स्तरीय शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। यूरोपीय देशों की वीजा और आवजन नीतियां भी इस बदलाव में उत्प्रेरक का काम कर रही हैं। जहां अमेरिका विदेशी छात्रों को एक बोझ या रोजगार के लिए खतरे के रूप में देखने लगा है, वहीं यूरोप जनसांख्यिकीय चुनौतियों (बुजुर्ग होती आबादी) का सामना कर रहा है और उसे युवा, कुशल पेशेवरों की सख्त आवश्यकता है। फ्रांस ने 2030 तक 30,000 भारतीय छात्रों को आकर्षित करने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य रखा है और इसके लिए वीजा नियमों को बेहद आसान बना दिया है। जर्मनी ने हाल ही में अपने आव्रजन कानूनों में सुधार किया है।

भरत भूषण तिवारी की मौत से क्या बदलेगा

विनय कुमार।

इस साल अब तक बिहार में पुलिस मुठभेड़ की करीब दो दर्जन घटनाएं हुईं। सम्राट चौधरी के मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने के बाद इसमें तेजी आयी और आधा दर्जन अपराधी मारे गए , जबकि कइयों को पुलिस ने हाफ इनकाउंटर के बाद सलाखों के पीछे पहुंचाया।

सम्राट चौधरी ने मंचों से सार्वजनिक रूप से कई बार पुलिस को फ्री हैंड दिए जाने का एलान किया। इसका नतीजा हुआ कि पुलिस का मनोबल बढ़ा और कई अपराधी या तो मारे गए या लंगड़ा बनाकर जेल भेज दिए गए। अप्रैल माह में सुल्तानगंज नगर निकाय के दफ्तर में कार्यपालक अधिकारी की हत्या करने वाले रामधनी यादव को पुलिस ने 24 घंटे के अंदर मार गिराया था। पुलिस की सक्रियता की चारों ओर प्रशंसा हो रही थी। मीडिया भी पुलिसवालों को हीरो के रूप में पेश कर रहा था। हालांकि विपक्ष के नेता बिहार पुलिस पर जाति के आधार पर एनकाउंटर करने का आरोप जरूर लगा रहे थे।

इस बीच, 17 जून को हुई घटना ने ना केवल पुलिस महकमा बल्कि पूरे सिस्टम को हिला कर रख दिया। 17 जून , 2026 को भोजपुर जिले के शाहपुर थाने की पुलिस ने बिलौटी गांव में 28 साल के युवक भरत भूषण तिवारी को भुठभेड़ में मार गिराया।

इस मुठभेड़ के प्रत्यक्षदर्शी बिलौटी गांव के हजारों लोग तो थे ही खुद भरत भूषण तिवारी भी फेसबुक पर घटना के दौरान लाइव था। सोशल मीडिया पर मौजूद वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि भरत भूषण तिवारी अपनी पिस्टल पुलिस की ओर फेंक देता है और आत्मसमर्पण कर देता है। इसके बाद सशस्त्र पुलिसवाले उसे चारों ओर से घेर लेते हैं। इसी दौरान एक पिस्टलधारी जवान काफी नजदीक से भरत भूषण पर लगातार तीन गोली चलाता है जिससे वह गिर जाता है। पुलिस का कहना है कि वह पुलिस वालों को गाली देता है, फायरिंग करता है जिसके कारण उसे आत्मरक्षार्थ गोली चलानी पड़ी जिससे वह घायल हो गया। हालांकि मुठभेड़ के प्रत्यक्षदर्शी बिलौटी गांव के हजारों लोगों का कहना है कि भरत भूषण को आत्मसमर्पण करने के बाद गोली मारी गयी। अब इन दोनों दावों में सच्चाई कितनी है इसका पता सेवानिवृत्त न्यायाधीश विनोद कुमार सिन्हा की जांच रिपोर्ट सामने आने के बाद ही चल पाएगा।

बिलौटी गांव के जिस भरत भूषण तिवारी को पुलिस ने मार गिराया वह असल में जवइनिया गांव के विस्थापितों की लड़ाई लड़ रहा था। भोजपुर जिले के शाहपुर प्रखंड के अंतर्गत आने वाले जवइनिया और बिलौटी गांवों के बीच सड़क मार्ग से दूरी लगभग 10 से 15 किलोमीटर के आसपास है। भरत भूषण तिवारी का पैतृक गांव बिलौटी था, जबकि गंगा के भीषण कटाव का दंश झेलने वाला और तबाह होने वाला गांव जवइनिया था। बिलौटी का निवासी होने के बावजूद, भरत ने जवइनिया के बेघर और विस्थापित लोगों के दर्द को अपना माना। उसने यह नहीं सोचा कि यह उसके गांव की समस्या नहीं है, बल्कि उसने आगे आकर जवइनिया के लोगों के पुनर्वास और उचित मुआवजे के लिए अपनी जान की बाजी लगा दी।

ग्रामीणों का आरोप है कि जब वह अपनी इन जायज मांगों को लेकर स्थानीय एसडीएम के पास गया तो समस्या सुनने के बजाय उसे अपमानित करके कार्यालय से बाहर निकाल दिया गया। प्रशासन की इसी लगातार अनदेखी और संवेदनहीनता के कारण उसकी ये बुनियादी मांगें पूरी नहीं हो सकीं, जिससे उसका आक्रोश बढ़ता गया और अंततः व्यवस्था के साथ उसका सीधा टकराव हुआ।

जवइनिया गांव मुख्य रूप से जुलाई-अगस्त 2025 के दौरान गंगा नदी के भीषण कटाव की चपेट में आकर लगभग पूरी तरह से बह गया था। इस प्राकृतिक आपदा में गंगा की तेज लहरों ने गांव के वार्ड नंबर चार और पांच के 150 से अधिक पक्के मकानों, ऐतिहासिक मंदिरों, स्कूल और पेड़ों को अपने गर्भ में समा लिया, जिससे हजारों लोग रातों-रात बेघर होकर तटबंधों पर शरण लेने को मजबूर हो गए। इस भयावह स्थिति के बाद भोजपुर जिला प्रशासन और राज्य सरकार ने तात्कालिक राहत एवं बचाव कार्य किए।

प्रशासन द्वारा विस्थापितों के लिए सुरक्षित स्थानों और तटबंधों पर टेंट लगाए गए, हजारों लोगों के लिए प्रतिदिन भोजन की व्यवस्था के लिए सामुदायिक किचन (लंगर) चलाया गया, बच्चों के लिए दूध का प्रबंध किया गया और

> **भरत भूषण तिवारी का पैतृक गांव बिलौटी था, जबकि गंगा के भीषण कटाव का दंश झेलने वाला और तबाह होने वाला गांव जवइनिया था। बिलौटी का निवासी होने के बावजूद, भरत ने जवइनिया के बेघर और विस्थापित लोगों के दर्द को अपना माना। उसने यह नहीं सोचा कि यह उसके गांव की समस्या नहीं है, बल्कि उसने आगे आकर जवइनिया के लोगों के पुनर्वास और उचित मुआवजे के लिए अपनी जान की बाजी लगा दी।**

पलिथीन शीट बांटी गई। गांव के बचे हुए हिस्से को कटाव से बचाने के लिए जल संसाधन विभाग द्वारा कटाव निरोधी कार्य शुरू करवाया गया।

हालांकि, स्थानीय ग्रामीण सरकार और प्रशासन की इन कार्रवाइयों से बिल्कुल भी संतुष्ट नहीं हैं। ग्रामीणों का आक्रोश इस बात को लेकर है कि प्रशासन केवल फौरी राहत देकर अपनी जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ रहा है, जबकि बचाव कार्यो में भारी भ्रष्टाचार हुआ है।

ग्रामीणों का कहना है कि जब ठोकर बांध बन रहा था, तब उन्होंने इसके खराब निर्माण का विरोध किया था, लेकिन उनकी बात नहीं सुनी गई। ग्रामीणों के इन आरोपों की पुष्टि हाल ही में जून 2026 में हुई जल संसाधन विभाग की जांच से भी होती है, जिसमें पाया गया कि निर्माण कार्य में ठेकेदारों ने भारी धांधली की है और 50 किलो की जगह 45 किलो की बालू बोरियों तथा बेहद निम्न गुणवत्ता वाले बोल्डर (पत्थरों) का इस्तेमाल किया है। साथ ही, स्थानीय लोगों ने ठेकेदारों पर नदी से अवैध रूप से मिट्टी और बालू निकालने का भी आरोप लगाया है, जिसने कटाव की स्थिति को और अधिक जानलेवा बना दिया।

आज जवइनिया के विस्थापित लोगों की सबसे प्रमुख मांग स्थायी समाधान और उचित पुनर्वास की है। वे कह रहे हैं कि उन्हें केवल राहत शिविर या नकद मुआवजा नहीं चाहिए, बल्कि वे चाहते हैं कि सरकार उन्हें किसी सुरक्षित स्थान पर पक्के मकान बनाकर दे ताकि वे अपना जीवन दोबारा शुरू कर सकें। इसके अलावा, उनकी मांग है कि गांव के जो थोड़े बहुत हिस्से बचे हैं, उन्हें बचाने के लिए गुणवत्तापूर्ण और मजबूत स्थायी तटबंध बनाया जाए, नदी मार्ग को वैज्ञानिक तरीके से नियंत्रित किया जाए, और जिन अधिकारियों व ठेकेदारों की लापरवाही व भ्रष्टाचार के कारण उनका गांव तबाह हुआ है, उन पर सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए।

भरत भूषण तिवारी गांववालों की इन्हीं मांगों से जुड़ी आवाज को बुलंद कर रहा था और इसी बीच 17 जून को हुए उसके एनकाउंटर ने पूरे बिहार में पुलिस की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। भरत भूषण तिवारी कोई पेशेवर अपराधी नहीं था। उसके नाम पर हत्या, डकैती या बलात्कार जैसा एक भी संगीन मामला दर्ज नहीं था। वह विस्थापितों, बाढ़ पीड़ितों और समाज के गरीब तबके के हकों के लिए लगातार आवाज उठाता था। वह फेसबुक लाइव के जरिए स्थानीय प्रशासन की कमियों और व्यवस्था की अनदेखी को उजागर करता था। आम जनमानस के लिए वह ऐसे राबिनहुड की तरह था, जो गूंगी-बहरी व्यवस्था से टकरा रहा था। उसके जनाजे और श्रद्धांजलि महापंचायत में उमड़ी हजारों लोगों की भीड़ उसकी इस लोकप्रियता को प्रमाणित करती है।

अगर हम तस्वीर का दूसरा पहलू देखें तो व्यवस्था की कमियों को उजागर करने का भरत का उद्देश्य भले ही जनहित में रहा हो, लेकिन उसका तरीका कानूनन गलत था। अपनी मांगों को मनवाने या प्रशासन का ध्यान खींचने के लिए हथियार (पिस्टल) उठाना और खुलेआम प्रदर्शन करना गैर-कानूनी कदम था। हालांकि, पूर्व डीजीपी गुप्तेश्वर पांडेय जैसे जानकारों का यह भी तर्क है कि व्यवस्था से नाराज होकर उसे गाली देना या आक्रोशित होना इतना बड़ा अपराध नहीं है कि किसी युवक की जान ले ली जाए, खासकर तब जब वह हथियार फेंक चुका हो।

इस कथित एनकाउंटर के बाद एडीजी (ला एंड आर्डर) सुधांशु कुमार ने पुलिस के स्तर पर सुरक्षा घेरे और निगरानी में हुई चूक को स्वीकार किया है। मृतक की मां आशा देवी की लिखित शिकायत के आधार पर तत्कालीन थानाध्यक्ष राजेश मालाकार और संबंधित अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी समेत कुल पांच पुलिसकर्मियों पर एफआईआर दर्ज की गई है। इन सभी को निलंबित भी कर दिया गया है। अपने वीडियो में भरत भूषण तिवारी कहता दिख रहा है कि मैंने अपना काम कर दिया है। अब सवाल है कि क्या सचमुच में भरत भूषण ने अपना काम कर दिया क्या सचमुच में व्यवस्था बदल जाएगी या ये थोड़े दिनों का मंजर है, मंजर बदल जाएगा।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार व स्तम्भकार हैं।)

पार्थिव शरीर को मिले श्रद्धा के साथ सदगति, ईशा फाउंडेशन की खास पहल

हर किसी की अंतिम यात्रा को सदगति प्रदान करने यानी मृत्यु के बाद मनुष्य के पार्थिव शरीर का अंतिम संस्कार सुविधापूर्ण और गरिमा के साथ करने को लेकर बिहार सरकार के स्तर से खास पहल शुरू की जा रही है।

पटना में मौजूद बांसघाट स्थित शमशान घाट में कई तरह की आधुनिक सुविधाओं को ईशा फउंडेशन के स्तर से विकसित किया गया है। यहां आने वाले लोगों को अंतिम संस्कार करने से लेकर पंडितजी, नाई, डोम राजा समेत अन्य सभी तरह के विधि-विधानों में अब एक निर्धारित राशि ही खर्च करनी पड़ेगी।

इसके लिए बांसघाट पर ईशा फाउंडेशन की तरफ से पूरी तरह से प्रशिक्षित स्वयं सेवकों की तैनाती भी की गई है, जो मृतकों के शोक-संतप्त परिजनों को सांत्वना देकर फिर से जीवन के प्रति आस पैदा कराने से लेकर अन्य सभी स्तर पर मदद प्रदान करेंगे। ये स्वयं सेवक मूल रूप तमिलनाडु के रहने वाले हैं। कई लोग तो इंजीनियर की अच्छी खासी नौकरी छोड़कर ईशा फाउंडेशन से जुड़कर यहां लोगों की सेवा कर रहे हैं।

बांस घाट में बनेगा काल भैरव मंडपम

पटना का बांस घाट शमशान घाट 4.50 एकड़ में फैला हुआ एशिया का सबसे बड़ा शमशान घाट है। साथ ही यह पूर्वी भारत का आधुनिक सुविधाओं से लैस पहला शवदाह गृह भी है। यहां एक 8 फीट उंची काल भैरव की मूर्ति स्थापित होने वाली है और एक काल भैरव मंडपम बनेगा। इस स्थान का उपयोग पार्थिव शरीर को रखकर अंतिम संस्कार से पूर्व सभी क्रिया क्रमों को संपन्न किया जाएगा।

यहां एक साथ 18 मृत शरीरों का अंतिम संस्कार किया जा सकता है। मृतक के परिजनों को बैठने के लिए दो एसी हॉल बनाए गए हैं। पीने का स्वच्छ पानी से लेकर शौचालय समेत अन्य सभी जरूरी सुविधाएं बहाल की गई हैं। गंगा जल से भरे हुए दो तालाब बनाए गए हैं, क्योंकि गंगाजी घाट से करीब 3 से 4 किमी दूर हो गई हैं। एक तालाब नहाने और दूसरा अस्थि विसर्जन के लिए उपयोग में आता है।

15 दिनों में गैस से चलने वाले फर्नेस होगा शुरू

बांस घाट में शवों का अंतिम संस्कार करने के लिए लकड़ी आधारित 6, बिजली से चलने वाले

> **पटना के बांस घाट स्थित शवदाह गृह में अंत्येष्ठि के लिए कई तरह की आधुनिक सुविधाएं बहाल**
>
> **राजधानी के ही दीघा घाट में भी जल्द तैयार किया जाएगा तमाम आधुनिक सुविधाओं वाला शवदाहगृह**
>
> **पटना के अलावा पांच अन्य शहरों में भी ईशा फाउंडेशन की तरफ से तैयार की जा रही आधुनिक सुविधाओं से लैस शमशान घाट**

4 फर्नेस और 8 खुले स्थल मौजूद हैं। आगामी 15 दिनों में अंतिम संस्कार के लिए गैस से चलने वाले खास तरह के फर्नेस तैयार हो जाएंगे, जहां आसानी से शवदाह किया जा सकता है। यह दूसरे अन्य सभी माध्यमों से कम लागत वाला है और इससे प्रदूषण भी कम होता है। वर्तमान में यहां शवदाह में आने वाला खर्च 3500 रुपये के अलावा 500 रुपये डोम राजा का, 250 रुपये पंडितजी और 150 रुपये नाई का शुल्क लगता है। वहीं, लकड़ी से अंतिम संस्कार कराने की स्थिति में लकड़ी की कीमत अलग से शामिल होती है।

दीघा घाट में भी बनेगा आधुनिक शवदाह गृह

राजधानी में एक अन्य स्थान दीघा घाट पर मौजूद शमशान घाट को नए तरीके से आधुनिक सुविधाओं के साथ विकसित किया जाएगा। यह शवदाह गृह एलपीजी गैस आधारित होगा। इसे भी ईशा फाउंडेशन ही विकसित करने जा रहा है। पटना में दो स्थानों के अलावा बेगूसराय के सिमरिया घाट, भागलपुर, गया, सहरसा और छपरा में मौजूद शवदाह गृहों को आधुनिक तरीके से विकसित करने की योजना है। 2025 में राज्य सरकार ने मंत्रिमंडल की बैठक में ईशा फाउंडेशन को छह शहरों के शमशान घाटों को ईशा फाउंडेशन से विकसित कराने का निर्णय लिया था। इसे लेकर जून 2025 में सरकार के साथ ईशा फाउंडेशन की सामाजिक एवं पर्यावरण कल्याण के लिए काम करने वाली इकाई ईशा अउटरिच का एक समझौता भी हुआ। इस समझौते के बाद शमशान घाटों की तस्वीर बदलकर सुविधायुक्त बनाने की कवायद शुरू की गई।

ईशा फाउंडेशन की सेवा एक नजर में

ईशा फाउंडेशन की शमशान घाट सेवा का कार्यक्रम पिछले 15 वर्षो से चल रहा है। अकेले तमिलनाडु में 33 से अधिक शवदाह गृहों का संचालन संस्थान कर रही है। इस समयावधि में सवा लाख से अधिक मृत शरीर का अंतिम संस्कार इन आधुनिक तरीके से संचालित शवदाह गृहों में किया जा चुका है। गरीबी रेखा से नीचे जीवन बसर करने वाले लोगों के लिए अंतिम संस्कार की सेवा पूरी तरह से मुफ्त रखी गई है। फाउंडेशन के पदाधिकारियों के अनुसार, आने वाले समय में बिहार में भी यह सुविधा गरीबों को मुफ्त मिलेगी।

पहली बार बिहार दौरे पर आए सदगुरु

ईशा फाउंडेशन के संस्थापक सदगुरु पहली बार बिहार दौरे पर आए। उनका प्रस्तावित तीन दिवसीय दौरा 26 जून से शुरू होकर 28 जून को समाप्त होने जा रहा है। 26 जून को सदगुरु सूबे के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी से विशेष तौर पर मुलाकात किये। साथ ही राज्य के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ भी उनका संवाद हुआ। 27 जून को पटना में गांधी मैदान के पास मौजूद बापू सभागार में सभी स्तर के लोगों से सीधा संवाद किया और उनका सतसंग हुआ। 28 जून को कुछ अन्य आयोजनों में शामिल होने के बाद वे वापस तमिलनाडु लौट जाएंगे। इस मामले में फाउंडेशन की उच्च पदाधिकारी मां गुरुदासी ने बताया कि सदगुरु का पहली बार बिहार भ्रमण अपने आप में एक बड़ी घटना है। पटना समेत अन्य शहरों में इस संस्थान की तरफ से शमशान घाटों का आधुनिक तरीके से प्रबंधन करने का उद्देश्य मृत शरीर का अंतिम संस्कार सनातक पद्धति से गरिमापूर्ण तरीके से करना है।

योग : जीवन को जोड़ने की साधना

योग भारत की प्राचीन ऋषि परंपरा की वह अमूल्य देन है, जिसने हजारों वर्षो से मानवता को शरीर, मन और आत्मा के बीच संतुलन स्थापित करने का मार्ग दिखाया है। आज जब संसार तनाव, अवसाद, प्रतिस्पर्धा, प्रदूषण, अनियमित जीवनशैली और मानसिक अशांति से जूझ रहा है, तब योग एक ऐसी प्रकाश किरण बनकर सामने आया है, जो मनुष्य को भीतर से मजबूत बनाती है। यही कारण है कि योग आज केवल भारत तक सीमित नहीं रहा, बल्कि विश्व के लगभग सभी देशों में इसे अपनाया जा रहा है।

योग का वास्तविक अर्थ : 'योग' शब्द संस्कृत की 'युज्' धातु से बना है, जिसका अर्थ हैजोड़ना। योग का तात्पर्य शरीर, मन और आत्मा के मिलन से है। यह केवल व्यायाम नहीं, बल्कि जीवन जीने की एक संपूर्ण पद्धति है। योग हमें स्वयं से जोड़ता है, प्रति से जोड़ता है और अंततः परम चेतना से जोड़ने का मार्ग प्रशस्त करता है।

प्रमोद कुमार सिंह
शिक्षाविद

महर्षि पतंजलि ने योग को चित्तवृत्ति निरोध कहा है अर्थात् मन की चंचल वृत्तियों को नियंत्रित करना ही योग है। जब मन शांत होता है, विचार सकारात्मक होते हैं और आत्मा प्रसन्न होती है, तभी जीवन में वास्तविक सुख और संतोष का अनुभव होता है।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की शुरुआत : भारत के प्रयासों से संयुक्त राष्ट्र महासभा ने वर्ष 2014 में 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस घोषित किया। इसके बाद 21 जून 2015 को पहली बार पूरी दुनिया में योग दिवस मनाया गया। यह भारत की सांस्तिक विरासत और आध्यात्मिक ज्ञान की वैश्विक स्वीति का ऐतिहासिक क्षण था। 21 जून वर्ष का सबसे लंबा दिन माना जाता है, जो ऊर्जा, प्रकाश और सकारात्मकता का प्रतीक है। इसी कारण इस दिन को योग दिवस के लिए चुना गया। आज दुनिया के अनेक देशों में लाखों लोग खुले मैदानों, पार्कों, विद्यालयों, संस्थानों और सार्वजनिक स्थलों पर सामूहिक योगाभ्यास करते हैं।

योग और आधुनिक जीवन : वर्तमान समय में मनुष्य तकनीक से तो जुड़ गया है, लेकिन स्वयं से दूर होता जा रहा है। भागदौड़, तनाव, अनियमित खान-पान, देर रात तक जागना, मोबाइल और इंटरनेट की बढ़ती निर्भरता ने शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य पर गहरा प्रभाव डाला है।ऐसी परिस्थितियों में योग एक प्रभावी समाधान प्रस्तुत करता है। नियमित योगाभ्यास से शरीर स्वस्थ और ऊर्जावान रहता है। मानसिक तनाव और चिंता कम होती है। एकाग्रता और स्मरण शक्ति बढ़ती है। रोग प्रतिरोधक क्षमता मजबूत होती है। जीवन में अनुशासन और सकारात्मकता आती है। आत्मविश्वास और धैर्य का विकास होता है। आज अनेक चिकित्सक भी योग को स्वस्थ जीवनशैली का महत्वपूर्ण अंग मानते हैं।

योग और मानसिक स्वास्थ्य : आज दुनिया में अवसाद, तनाव, चिंता और अकेलेपन जैसी समस्याएँ तेजी से बढ़ रही हैं। अनेक लोग बाहरी सुख-सुविधाओं के बावजूद भीतर से अशांत हैं। योग व्यक्ति को मानसिक संतुलन प्रदान करता है। प्राणायाम, ध्यान और योगासन मन को शांत करते हैं। गहरी श्वास लेने की प्रक्रिया शरीर में ऊर्जा का संचार करती है तथा मन को स्थिर बनाती है। ध्यान व्यक्ति को वर्तमान में जीना सिखाता है और नकारात्मक विचारों से मुक्ति दिलाता है। योग हमें यह सिखाता है कि सुख बाहर नहीं, बल्कि हमारे भीतर मौजूद है।

योग और भारतीय संस्कृति : योग भारत की सनातन ज्ञान परंपरा का अभिन्न अंग है। हमारे ऋषि-मुनियों ने हजारों वर्षो पहले यह अनुभव किया था कि स्वस्थ शरीर और शांत मन के बिना जीवन में वास्तविक आनंद संभव नहीं है। हिमालय की कंदराओं से लेकर आश्रमों तक योग की साधना ने भारतीय संसति को गहराई प्रदान की है। आज जब विश्व योग को अपना रहा है, तब यह भारत के लिए गर्व का विषय है। योग ने भारत को विश्वगुरु के रूप में नई पहचान दिलाई है। यह केवल व्यायाम नहीं, बल्कि हमारी संसति, दर्शन और आध्यात्मिक चेतना का प्रतीक है।

युवाओं के लिए योग का महत्व : आज की युवा पीढ़ी अनेक चुनौतियों का सामना कर रही है। प्रतियोगिता, करियर का दबाव, डिजिटल जीवनशैली और मानसिक तनाव युवाओं को प्रभावित कर रहे हैं। योग युवाओं को शारीरिक शक्ति के साथ-साथ मानसिक ढ़ता भी प्रदान करता है। यदि विद्यार्थी प्रतिदिन कुछ समय योग और ध्यान को दें, तो उनकी एकाग्रता, स्मरण शक्ति और आत्मविश्वास में वृद्धि होती है। योग उन्हें अनुशासित, सकारात्मक और ऊर्जावान बनाता है।

प्रवचन

विशेष परिस्थिति और परिवेश को नहीं बनाएं परम्परा : जीयर स्वामी

> **ममता व अभिमान से रहित हो करें संत दर्शन**
>
> **शुद्ध पकवान का भोग और नारियल का दें बलि**

पशुओं की बलि नहीं देनी चाहिए। इससे माँ भगवती और भगवान प्रसन्न नहीं होते। शास्त्रों में यद्किंचित बलि और हिंसा की बात आती है, तो तत्कालीन परिवेश और परिस्थितियों पर विचार कर उसे वहीं तक सीमित रखें। किसी खास काल के विशेष परिवेश और परिस्थिति को परम्परा और संस्कृति नहीं बनायें। उपरोक्त बातें श्री लक्ष्मी प्रपन्न जीयर स्वामी ने चंदवा चातुर्मास्य ज्ञान-यज्ञ में प्रवचन करते हुए कहीं।

श्री जीयर स्वामी ने कहा कि पशु-बलि की शास्त्र से अनुमति नहीं है। पशु भगवान के मूर्ख संतान हैं। जिस तरह माता-पिता का अपनी मूर्ख संतान पर विवेकी संतान की अपेक्षा अधिक स्नेह रहता है, उसी तरह परमात्मा का स्नेह जीव-जन्तुओं पर अधिक होता है। व्यवहार में भी देखा जाता है कि ईश्वर समतल मैदान से लेकर रेगिस्तान और बर्फीली प्रदेशों तक के जीव-जन्तुओं के भरण पोषण का इंतजाम किये रहते हैं।

स्वामी जी ने कहा कि चिकित्सक अगर शरीर का चीर-फाड़ कर रोग मुक्त कर देता है तो उस शल्य क्रिया का सामान्य जन को अनुकरण नहीं करना चाहिए।

स्वामी जी ने बाबा किन्ना राम का उदाहरण देते हुए कहा कि एक बार किन्ना राम यात्रा कर रहे थे। उनके पीछे शिष्य भी जा रहे थे। किन्ना राम एक जगह मछली खाये और दूसरी जगह मदिरा पान किये। लोगों की मदद से शिष्यों ने भी ऐसा ही किया। बाबा के पास पहुंचकर शिष्यों ने अनुकरण करने की जानकारी दी। किन्ना राम जिन्दा मछली और साबूत शराब वमन कर दिये। शिष्यों से ऐसा करने को कहा। शिष्य असमर्थ हो गयें। बाबा ने कहा कि विना सोचे-विचारे किसी का अनुकरण नहीं करना चाहिए। इसलिए शास्त्रों में कहीं उल्लेखित पशु-बलि का कुतर्क देकर अनुकरण नहीं करना चाहिए। हम मानवों को शुद्ध पकवान और नारियल की बलि देनी चाहिये। पशु बलि का पूर्ण निशेद्ध हो। अपने बच्चे के शरीर में ममूली खरोच पर भी मनुष्य बेचैन हो जाता है। इसी तरह पशुओं के संदर्भ में भी सोचना चाहिए।

यज्ञ की चर्चा करते हुए स्वामी जी ने कहा कि राज-काज संचालन और परिवार के

श्री लक्ष्मी प्रपन्न जीयर स्वामी।

भरण-पोषण के क्रम में जाने-अनजाने हुई भूल का मार्जन यज्ञ से होता है। नारद जी की सलाह पर युधिष्ठिर ने राजसूय यज्ञ का आयोजन किया। यज्ञ में सबको योग्यता के अनुसार दायित्व मिला लेकिन भगवान कृष्ण को नहीं। कृष्ण ने संतों के पांव पखारने और जूठा पतल फेंकने की स्वयं जिम्मेवारी ले ली। यज्ञ की पूर्णता के संकेत के लिये घंटा बजना था, लेकिन नहीं बजा। लोगों को आश्चर्य हुआ। नारद जी ने कहा कि कुछ दूरी पर शपच रहते हैं, वे अपनी मार्यादा में कार्य करते हुए भगवान की भक्ति करते हैं। उनके भोजन के बाद ही घंटा बजेगा। भीम, नकुल और सहदेव उन्हें लाने गये लेकिन शपच नहीं आये। उनका संकल्प था कि जब कोई सौ अश्वमेघ यज्ञ का पुण्य संकल्प करके देगा तब भोजन करने चलेंगे। भीम आदि लौट आये। यह सुनकर स्वयं द्रौपदी गयी। शपच ने द्रौपदी से भी वहीं शर्त दुहराई। द्रौपदी ने कहा कि 'संत मिलन को जाइये, तज ममता अभिमान। ज्यों-ज्यों पद आगे बढ़े, कोटिन यज्ञ समान'। आप से मिलने का सत् संकल्प लेकर चलना ही करोड़ों यज्ञ के समान है। यह बात सुन शपच यज्ञ में आकर भोजन किये और यज्ञ की पूर्णता की घंटी बज गयी। यज्ञ का निहितार्थ ही है अहंकार-त्याग। निरंहकार और यज्ञ पर्यायवाची हैं।

'सान्निध्य का संस्मरण' पुस्तक से साभार

दैनिक नवसंदेश

वायस 4 बिहार डॉटकाम के यूनिट दैनिक नवसंदेश (डिजिटल डेली न्यूज पेपर) स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक, संपादक यू सिंह के द्वारा वार्ड-28, नियर पानी टंकी रानीपुर, ब्रह्मपुर, फुलवारीशरीफ , पटना-801505 से डिजिटली प्रकाशित और संपूर्ण बिहार में प्रसारित ।

इस डिजिटल समाचार पत्र में प्रकाशित सामग्री से संपादक, मुद्रक, प्रसारक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। प्राप्त स्पष्टीकरण प्रकाशित किया जायेगा। समाचारों से संबंधित सभी विवादों का न्याय क्षेत्र पटना न्यायालय (बिहार) ही होगा। (सभी पद अवैतनिक है।)

संक्षिप्त खबरें

विभिन्न मांगों को लेकर आशा कार्यकर्ताओं का धरना

पीपराकोठी। बिहार राज्य आशा कार्यकर्ता संघ के बैनर तले शनिवार को प्रखंड क्षेत्र की आशा स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं एवं आशा फैसिलेटरों ने अपनी विभिन्न मांगों के समर्थन में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र परिसर में धरना-प्रदर्शन किया। धरना की अध्यक्षता आशा फैसिलेटर सविता पाण्डेय ने की।धरना को संबोधित करते हुए सविता पाण्डेय ने कहा कि आशा कार्यकर्ता राज्य और केंद्र सरकार की सभी स्वास्थ्य योजनाओं को पूरी निष्ठा एवं ईमानदारी से गांव-गांव तक पहुंचाने का कार्य करती हैं, लेकिन सरकार उनकी समस्याओं और मांगों के प्रति गंभीर नहीं है। उन्होंने कहा कि पिछले 11 माह से लंबित आशा एवं फैसिलेटरों का बकाया भुगतान अविलंब किया जाए तथा अश्विन पोर्टल को पुनः चालू कर उसी के माध्यम से भुगतान सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने आशा कार्यकर्ताओं की सेवानिवृत्ति की आयु 60 वर्ष से बढ़ाकर 65 वर्ष करने, सेवानिवृत्ति के समय 10 लाख रुपये का पैकेज देने तथा सम्मानजनक मासिक मानदेय निर्धारित करने की भी मांग की। उन्होंने चेतावनी दी कि जब तक सरकार उनकी मांगों पर सकारात्मक निर्णय नहीं लेती, तब तक चरणबद्ध आंदोलन जारी रहेगा।धरना के बाद आशा कार्यकर्ताओं के एक प्रतिनिधिमंडल ने अपनी मांगों से संबंधित ज्ञापन संबंधित अधिकारी को सौंपा।धरना में फैसिलेटर सविता कुमारी, किरण देवी, चंदा देवी तथा आशा कार्यकर्ता आशा देवी, प्रतिमा कुमारी, रीता देवी, शोभा देवी, मंजू देवी, रम्भा देवी, प्रभावती देवी, प्रेमा देवी, शकुंतला देवी, लक्ष्मी देवी, रूबी देवी, रेणु देवी, कांति देवी, सुनीता देवी, मीरा देवी, रिंकू कुमारी सहित बड़ी संख्या में आशा कार्यकर्ता उपस्थित रहीं।

गन्ने के खेत से युवक का संदिग्ध अवस्था में शव बरामद

पीपराकोठी। थाना क्षेत्र के मथुरापुर मठगोपाल गांव में शनिवार को 35 वर्षीय युवक शहाबुद्दीन अहमद का शव एक गन्ने के खेत से संदिग्ध परिस्थितियों में बरामद किया गया। मृतक की पहचान गांव निवासी बुधन मियां के पुत्र के रूप में हुई है। इस घटना से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई हैस परिजनों के अनुसार, शहाबुद्दीन शनिवार सुबह करीब नौ बजे घर से निकले थे। दोपहर तक वापस न लौटने पर उनकी बहन रवीना खातून ने तलाश शुरू की। काफी खोजबीन के बाद गांव के एक गन्ने के खेत में उनका शव मिला। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि मृतक के पूरे शरीर पर किसी रासायनिक पदार्थ से झुलसने जैसे निशान दिखाई दे रहे थे। घटना की सूचना मिलते ही थाना अध्यक्ष ब्रजेश कुमार सिंह पुलिस बल और फरेंसिक टीम के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की गहन जांच शुरू कर दी है। थानाध्यक्ष ब्रजेश कुमार सिंह ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और फरेंसिक जांच के आधार पर ही मौत के कारणों का पता लगाया जाएगा। शहाबुद्दीन अपने पीछे मां नजमा खातून, पत्नी गुलशन खातून, दो छोटे पुत्र और एक मासूम पुत्री छोड़ गए हैं। वे तीन बहनों और दो भाइयों में सबसे बड़े थे। घटना के बाद गांव में शोक का माहौल है और युवक की संदिग्ध मौत को लेकर ग्रामीणों के बीच तरह-तरह की चर्चाएं हो रही हैं।

डीएम-एसपी ने रक्सौल एयरपोर्ट व नो-मैन्स लैंड का किया निरीक्षण

रक्सौल(एनएसबी)। ।लाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने 47वीं एसएसबी कैंप में एसएसबी कमांडेंट एवं अन्य प्रशासनिक अधिकारियों के साथ भारत-नेपाल सीमा क्षेत्र में चल रहे विभिन्न विकास कार्यो की समीक्षा की। बैठक में एयरपोर्ट परियोजना, एसएसबी के लिए अतिरिक्तभूमि अधिग्रहण तथा सीमा क्षेत्र में अतिक्रमण की स्थिति पर विस्तार से चर्चा की गई।इस दौरान अधिकारियों ने एयरपोर्ट एवं एसएसबी के लिए अतिरिक्त भूमि अधिग्रहण की अद्यतन रिपोर्ट की जानकारी ली। जिलाधिकारी ने अनुमंडल पदाधिकारी, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी एवं अंचलाधिकारी को नो-मैन्स लैंड तथा सीमा से 15 किलोमीटर के दायरे में मौजूद अतिक्रमण को अविलंब हटाने के निर्देश दिए।बैठक के बाद जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने एयरपोर्ट स्थल तथा सिसवा पंचायत स्थित नो-मैन्स लैंड में बने मंदिर का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने स्थानीय जनप्रतिनिधियों एवं ग्रामीणों के साथ समन्वय स्थापित कर निर्धारित प्रक्रिया के तहत अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई शीघ्र पूरी करने का निर्देश दिया इसके अलावा सैनिक रोड पर स्थित सभी अवैध अतिक्रमणों को भी जल्द हटाने के निर्देश दिए गए। अधिकारियों ने कहा कि सीमा क्षेत्र में सुरक्षा, विकास कार्यो की गति तथा भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया को प्राथमिकता के आधार पर पूरा किया जाएगा।

प्रत्येक माह के आखिरी रविवार को हर ग्राम पंचायत में पंचायत विकास दिवस कार्यक्रम का किया जाएगा आयोजन

28 जून को जिला के सभी पंचायतों में किया जाएगा ग्राम सभा का आयोजन, महिला हितैषी पंचायत थीम पर होगी ग्रामसभा, सभी विभागों की सहभागिता से विकास योजनाओं की होगी समीक्षा

मोतिहारी(एनएसबी)। जिले की सभी ग्राम पंचायतों में पूर्वा 10 बजे से 12 बजे तक ष्पंचायत विकास दिवस का आयोजन किया जाएगा। यह कार्यक्रम ग्राम सभा के रूप में पंचायत सरकार भवन, पंचायत भवन अथवा अन्य उपयुक्त सार्वजनिक स्थलों पर आयोजित होगा। जिलाधिकारी श्री सौरभ सुमन यादव ने सभी संबंधित अधिकारियों को इसके सफल आयोजन के लिए आवश्यक निर्देश जारी किए हैं।जिलाधिकारी ने प्रखंड विकास पदाधिकारी, प्रखंड पंचायत राज पदाधिकारी तथा विभिन्न विभागों के जिला एवं प्रखंड स्तरीय अधिकारियों को निर्देश दिया है कि पंचायत विकास दिवस का आयोजन पूर्ण समन्वय और प्रभावी अंतर-विभागीय सहयोग के साथ सुनिश्चित किया जाए। ग्राम सभा में पंचायत राज विभाग के साथ-साथ शिक्षा, स्वास्थ्य, आईसीडीएस, जीविका, षि, पशुपालन, मनरेगा, लोक स्वास्थ्य

जिलाधिकारी श्री सौरभ सुमन यादव।

अभियंत्रण, राजस्व, सामाजिक सुरक्षा, ग्रामीण विकास, विद्युत एवं सहकारिता विभाग सहित अन्य विभागों की सक्रिय भागीदारी रहेगी।

पंचायत विकास दिवसष के माध्यम से ग्रामीणों को विभिन्न सरकारी योजनाओं की जानकारी दी जाएगी तथा उनकी समस्याओं के समाधान और विकास कार्यो की समीक्ष भी की जाएगी।इस बार पंचायत विकास दिवस की थीम ष्महिला हितैषी पंचायतष निर्धारित की गई है। कार्यक्रम के दौरान महिलाओं के सामाजिक और आर्थिक सशक्तिकरण, स्वास्थ्य, पोषण, सुरक्षा, स्वरोजगार तथा आजीविका संवर्द्धन जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विशेष चर्चा होगी। जिला प्रशासन ने जीविका दीदियों और आशा कार्यकर्ताओं की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं, ताकि महिला केंद्रित योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार हो सके और उनका प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जा सके।पंचायत विकास दिवस पर आयोजित ग्राम सभा की बैठक में विकास योजनाओं और पंचायत की प्रगति की होगी समीक्षा की जाएगी। जिसमें पंचायत की वित्तीय स्थिति, पंचायत एडवांसमेंट इंडेक्स, सतत विकास लक्ष्यों, पंचायत की आय बढ़ाने के उपायों तथा पिछले माह लिए गए निर्णयों के अनुपालन की समीक्षा की जाएगी। साथ ही आगामी विकास योजनाओं और पंचायत संचालित कल्याणकारी कार्यक्रमों पर भी चर्चा होगी। जिलाधिकारी ने जिले के सभी जनप्रतिनिधियों, पंचायत प्रतिनिधियों, पंचायत सचिवों, विभागीय अधिकारियों, जीविका समूहों, आशा कार्यकर्ताओं एवं आम ग्रामीणों से पंचायत विकास दिवस में सक्रिय भागीदारी की अपील की है। उन्होंने कहा कि जनसहभागिता से ही ग्राम पंचायतों को अधिक सशक्त, समावेशी और विकसित बनाया जा सकता है। कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री के मासिक रेडियो कार्यक्रम ष्मन की बातष का लाइव प्रसारण भी सभी ग्राम पंचायतों में सामूहिक रूप से सुना जाएगा। इसके अलावा वीबी-जी राम जी के तहत रोजगार और आजीविका से जुड़े विभिन्न अवसरों एवं योजनाओं की जानकारी ग्रामीणों को दी जाएगीस

भेलाही के ओम कुमार गुप्ता बने सीआरपीएफ के डिप्टी कमांडेंट, मिल रही बधाईयां

रक्सौल(एनएसबी)। कहते हैं सच्चे मन व लग से पूरी निष्ठा व ईमानदारी के साथ अगर परिश्रम किया तो वह बेकार नही जाता ,एक न एक दिन सफलता जरूर मिलती है। उक्त पंक्ति को चरितार्थ कर दिखाया है थाना क्षेत्र के भेलाही बाजार में साधारण परिवार में जन्मे मधुसूदन प्रसाद व उषा देवी के पुत्र ओम कुमार गुप्ता ने, अपने मेहनत और संघर्ष के बदौलत ओम कुमार गुप्ता ने संयुक्त लोक सेवा आयोग द्वारा 2008 में आयोजित परीक्षा में सेंट्रल रिजर्व पुलिस फोर्स में असिस्टेंट कमांडेंट के पद पर चयनित हुए और मेहनत ईमानदारी के बदौलत आज उन्होंने पदोन्नति करते हुए सीआरपीएफ में डिप्टी कमांडेंट के

ओम कुमार गुप्ता।

रुप में पदभार ग्रहण किया, बता दें कि ओम कुमार गुप्ता की शुरुआती शिक्षा भेलाही राजकिय मध्य विद्यालय, इंटर एम एस कालेज मोतिहारी व बीए की शिक्षा खेमचंद तारा चंद महाविद्यालय रक्सौल से हुई है, ओम पढ़ाई के प्रति इतने इमानदार थें कि उन्होंने 2007 में रेलवे भर्ती बोर्ड मालदह द्वारा सहायक स्टेशन मास्टर के पद हेतु परीक्षा में भी उत्तीर्णता प्राप्त की थी, जहां सेवा में रहते हुए आगे की पढ़ाई जारी रखी जहां उन्हें पहले सहायक कमांडेंट तो अब उन्होंने अपने कार्यकुशलता के दम पर डिप्टी कमांडेंट का पद प्राप्त किया है, उन्होंने अपनी सफलता का श्रेय माता पिता, गुरुजन एवं भाइयों एवं परिवारजनों को दी।ओम के इस उपलब्धि से पुरे रक्सौल प्रखंड में खुशी का लहर है। इस सफलता पर बधाई देने वालो का तांता लगा है।

बाढ़ पूर्व तैयारियों को लेकर जिलाधिकारी ने जिला आपातकालीन संचालन सह प्रशिक्षण केंद्र पिपराकोठी का लिया जायजा

मोतिहारी(एनएसबी)। राज्य सरकार द्वारा संभावित बाढ़ और सुखाड़ से बचाव हेतु पूर्व तैयारियों के लिए दिए गए निदेश के आलोक में जिलाधिकारी सौरभ सुमन यादव ने जिला आपातकालीन संचालन सह प्रशिक्षण केंद्र, पिपराकोठी का निरीक्षण किया।जिलाधिकारी ने यहां आवासित 20 सदस्यीय ैक्स्थ टीम के सदस्यों से बाढ़ पूर्व तैयारियों की जानकारी ली,जिसमें एसडीआरएफ टीम कमांडर द्वारा बताया गया कि एसडीआरएफ टेक्निकल टीम द्वारा ओबीयएम मशीन तथा मोटरबोट की जांच की जा चुकी हैं तथा टीम द्वारा बाढ़ से प्रभावित होने वाले अंचलों में मक ड्रिल कर लोगों को विभिन्न आपदाओं से बचाव की जानकारी दी गई है।यहां से जिलाधिकारी के द्वारा ैक्स्थ टीम के गोदाम में रखे इंफ्टेबलेट्स मोटर,लाइफ जैकेट,राहत बचाव में उपयोग आने वाले स्ट्रेचर, ओबियम मशीन आदि के स्थिति को जांचा परखा गया। टीम कमांडर द्वारा बताया गया कि एसडीआरएफ टीम के गोदाम में कुल 40 लाइफ जैकेट, 6 परिचालन योग्य ओबियम मशीन, राहत बचाव में उपयोग होने वाले स्ट्रेचर, रस्सी तथा अन्य आवश्यक सामग्री उपलब्ध हैं।

जिलाधिकारी ने सभी समानों के उचित रख-रखाव तथा समय- समय पर ओबियम मशीन के परीक्षण के लिए निदेशित कियास ताकि किसी भी आपातकालीन स्थिति में तीव गति से

जायता लेते अधिकारी।

राहत बचाव कार्यो को अंजाम दिया जा सकेगा। जिलाधिकारी ने संभावित बाढ़ से बचाव के लिए छक्स्थ टीम की प्रतिनियुक्ति के आवासन के लिए पिपराकोठी आपदा भवन में सभी तैयारियों को देखा एवं साफ सफाई का ध्यान रखने की बात कही गई। जिलाधिकारी द्वारा बाढ़ पूर्व तैयारियों पर संतोष प्रकट करते हुए राहत बचाव कार्य के लिए एसडीआरएफ टीम को हमेशा तैयार रहने तथा पंचायत स्तर पर बाढ़ से बचाव के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाते रहने के लिए भी निदेशित किया गया। इस बात पर बल दिया कि किसी भी आपदा के समय हमारा रेस्पांस टाइम कम से कम हो और जल्दी सहायता पहुंचाई जा सके। इसको लेकर तत्पर पर रहने का निर्देश दिया गया।निरीक्षण के दौरान नगर आयुक्त श्री आशीष कुमार,अनुमंडल पदाधिकारी सदर मोतिहारी श्री निशांत सिहारा,जिला आपदा प्रबंधन प्रभारी श्री अखिलेश कुमार सहित अंचलाधिकारी पिपराकोठी तथा पिपराकोठी आपदा भवन में आवासित ैक्स्थ टीम के सदस्य उपस्थित थे।

डीआईजी हरकिशोर राय की सख्ती का असर, अनुशासनहीन पुलिसकर्मियों पर लगातार कार्रवाई, आशीष तिवारी की बर्खास्तगी की सिफारिश

मोतिहारी(एनएसबी)। चंपारण रेंज के बेतिया डीआईजी हरकिशोर राय एक बार फिर अनुशासन और जवाबदेही को लेकर अपने सख्त रुख के कारण चर्चा में हैं। पुलिस महकमे में कानून और विभागीय अनुशासन को सर्वोच्च प्राथमिकता देने वाले अधिकारी के रूप में उनकी पहचान लगातार मजबूत हुई है। इसी कड़ी में भरत तिवारी एनकाउंटर प्रकरण में विवादों में आए निलंबित कन्स्टेबल आशीष तिवारी के खिलाफ भी उन्होंने कड़ा रुख अपनाया है। सूत्रों के अनुसार, डीआईजी हरकिशोर राय ने आशीष तिवारी के खिलाफ लंबित विभागीय मामलों, उनके सेवा रिकर्ड और हालिया विवादों का

डीआईजी हरकिशोर राय।

आकलन करने के बाद पुलिस मुख्यालय को उन्हें सेवा से बर्खास्त किए जाने की सिफारिश भेजी है।आशीष तिवारी पहले से ही दो गंभीर विभागीय मामलों में जांच का सामना कर रहे हैं। वर्ष 2023 में उन पर एक महिला पुलिस अधिकारी पर चाकू से हमला करने का आरोप लगा था, जबकि वर्ष 2024 में पिपरा थाना में तैनाती के दौरान पुलिस अधिकारियों पर गोली चलाने के मामले में उनके खिलाफ चार्जशीट भी दाखिल की जा चुकी है। हाल ही में भरत तिवारी एनकाउंटर मामले में दिए गए विवादित बयान के बाद मोतिहारी के पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात ने उन्हें तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया था। पुलिस प्रशासन ने यह भी स्पष्ट किया कि आशीष तिवारी का भरत तिवारी से कोई पारिवारिक संबंध नहीं है। पुलिस महकमे के जानकारों का मानना है कि डीआईजी श्री राय की कार्यशैली यह संदेश देती है कि अनुशासनहीनता या सेवा नियमों के उल्लंघन के मामलों में किसी भी स्तर पर ढिलाई नहीं बरती जाएगी। अब इस मामले में अंतिम निर्णय पुलिस मुख्यालय द्वारा लिया जाना है।

संक्षिप्त खबरें

सिपाही (प्रचालक) भर्ती परीक्षा आज 14 केंद्रों पर 8951 अभ्यर्थी होंगे शामिल

मोतिहारी(एनएसबी)। बिहार पुलिस दूरसंचार (वितंतु) एवं तकनीकी तथा अराजपत्रित संवर्ग में सिपाही (प्रचालक) के पद पर चयन हेतु केंद्रीय चयन परिषद (सिपाही भर्ती), बिहार, पटना के विज्ञापन संख्या-02ध्2026 के अंतर्गत प्रतियोगिता परीक्षा रविवार, 28 जून को पूर्वी चंपारण जिले के 14 परीक्षा केंद्रों पर आयोजित होगी। परीक्षा में कुल 8951 अभ्यर्थी शामिल होंगे।जिलाधिकारी सौरभ सुमन यादव ने बताया कि परीक्षा दोपहर 12 बजे से अपरा 2 बजे तक एक पाली में आयोजित की जाएगी। परीक्षा को स्वच्छ, निष्पक्ष एवं कदाचारमुक्त वातावरण में संपन्न कराने के लिए सभी आवश्यक प्रशासनिक तैयारियां पूरी कर ली गई हैं तथा सभी दंडाधिकारियों, केंद्राधीक्षकों एवं पुलिस अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए हैं। सभी परीक्षा केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरा एवं जैमर की व्यवस्था सुनिश्चित करने के साथ प्रत्येक परीक्षा कक्ष में घड़ी, पेयजल, बिजली एवं साफ-सफाई की समुचित व्यवस्था करने का निर्देश दिया गया है। स्टेटिक दंडाधिकारी एवं पुलिस बल को सुबह 9 बजे तक अपने-अपने केंद्रों पर उपस्थित रहने को कहा गया है। अभ्यर्थियों का प्रवेश सुबह 10 बजे से शुरू होगा तथा 11 बजे के बाद किसी भी अभ्यर्थी को प्रवेश नहीं दिया जाएगा। परीक्षार्थियों की तीन स्तरों पर फ्रिस्किंग होगी। उन्हें केवल प्रवेश पत्र के साथ ही परीक्षा केंद्र में प्रवेश की अनुमति होगी। पेन, मोबाइल फोन, घड़ी, इरेजर, शार्पनर एवं किसी भी प्रकार के इलेक्ट्रनिक उपकरण ले जाने पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। लेखन कार्य के लिए पेन परीक्षा कक्ष में उपलब्ध कराया जाएगा।महिला अभ्यर्थियों की जांच के लिए महिला कर्मियों की प्रतिनियुक्ति की गई है। परीक्षा केंद्रों पर ड्यूटी में तैनात अधिकारियों एवं कर्मियों को भी मोबाइल फोन अथवा अन्य इलेक्ट्रनिक उपकरण रखने की अनुमति नहीं होगी।परीक्षा अवधि के दौरान सभी परीक्षा केंद्रों के 200 मीटर की परिधि में दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 163 के तहत निषेधाज्ञा लागू रहेगी। साथ ही, परीक्षा केंद्रों के 200 मीटर के दायरे में स्थित सभी फोटोस्टेट एवं साइबर कैफे परीक्षा के दिन बंद रहेंगे। परीक्षा केंद्रों पर मीडिया के प्रवेश पर भी रोक रहेगी।

दिल्ली जदयू के प्रदेश अध्यक्ष का चकिया में भव्य स्वागत

चकिया। दिल्ली जदयू के प्रदेश अध्यक्ष शैलेंद्र कुमार का पटना से पिपरा कोठी जाने के क्रम में शनिवार को ओझा टोला के निकट एनएच 27 पर फूलमाला पहनाकर भव्य स्वागत किया गया। जदयू प्रखंड अध्यक्ष राजन पटेल के नेतृत्व में लोग हाथों में फूलों का माला व अंग वस्त्र लेकर बड़ी बेसब्री उनके आने का इंतजार कर रहे थे। जैसे हीं उनके गाड़ियों का काफिला उक्त स्थान पर पहुंचा व गाड़ी से बाहर निकलते हीं वहां मौजूद लोगों ने श्री कुमार को फूलों के माला से लाद दिया। मौके पर मो साजिद हुसैन,मो रेजा, रामानंद पटेल, ड ओम प्रकाश पटेल, मनीष कुमार, ललन कुमार, राजकुमार पासवान, विकास बैठा,मोनू रावत,राजेश राय,आकाश राम,किशोरी कुशवाहा,संतोष महतो, मो इरशाद आलम, राजन आलम, नीतीश कुमार, इंद्रजीत कुशवाहा, कुंदन गुप्ता, सोनू सहनी, नरेश चौरसिया, सीताराम पटेल सहित अन्य मौजूद थे।

,फूलों का माला पहने प्रदेश अध्यक्ष के साथ अन्य।

फतुहा में दो ट्रकों की भीषण भिड़ंत, गड्ढे में पलटे वाहन, हादसे के बाद मची लूट

फतुहा । थाना क्षेत्र के कंचनपुर गांव में शनिवार को एक दिल दहला देने वाला हादसा सामने आया। दो ट्रकों के बीच हुई आमने-सामने की भीषण टक्कर के बाद जहां एक तरफ दो जिं अस्पताल में मौत से जंग लड़ रही थी, वहीं दूसरी तरफ मानवता को शर्मसार करने वाली तस्वीरें देखने को मिलीं। हादसे के बाद अनियंत्रित होकर गड्ढे में पलटे एक ट्रक से लाखों रुपये की कोल्ड ड्रिंक लूटने के लिए स्थानीय ग्रामीणों में होड़ मच गई। इस शर्मनाक घटना का वीडियो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। ट्रक मालिक के मुताबिक, अठारह टन कोल्ड ड्रिंक से लदा यह ट्रक उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर से फतुहा की ओर आ रहा था। कंचनपुर के पास विपरीत दिशा से आ रहे दूसरे ट्रक ने इसमें जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भयानक थी कि दोनों ट्रक सड़क किनारे गहरे गड्ढे में जा गिरे। हादसे के बाद ट्रक में लदी करीब 7 लाख रुपये मूल्य की कोल्ड ड्रिंक की बोतलें सड़क और गड्ढे में बिखर गईं। चीख-पुकार सुनकर दौड़े ग्रामीणों ने घायलों की मदद करने के बजाय कोल्ड ड्रिंक पर हाथ साफ करना शुरू कर दिया। जिसे जो मिलाबोरी, थैला या हाथउसी में कोल्ड ड्रिंक की बोतलें भरकर भागने लगा। देखते ही देखते पूरा ट्रक खाली हो गया। इस भीषण दुर्घटना में ट्रक चालक प्रवीण यादव और उसका खलासी गंभीर रूप से जख्मी हो गए। गनीमत रही कि कुछ स्थानीय संवेदनशील लोगों की मदद से दोनों को तुरंत मलबे से निकालकर पास के एक निजी नर्सिंग होम में भर्ती कराया गया, जहां डक्टरों की देखरेख में उनका इलाज चल रहा है। घटना की जानकारी मिलते ही फतुहा थाना पुलिस दलबल के साथ मौके पर पहुंची। पुलिस ने स्थिति को नियंत्रित किया और क्रेन की मदद से दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को गड्ढे से बाहर निकलवाया, जिसके बाद हाईवे पर यातायात पूरी तरह बहाल हो सका। फतुहा थाना प्रभारी श्रीमंत सुमन ने बताया कि पुलिस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है और वायरल वीडियो के आधार पर लूटपाट करने वालों की पहचान की जा रही है।

हादसे के बाद मची लूट।

एस के एम वी कलेज फतुहा छात्र-छात्राओं को मिला वलेंट्रीयरशिप का प्रमाण पत्र

फतुहा। नई शिक्षा नीति 2020 के अंतर्गत सेमेस्टर 4 के छात्र छात्राओ के लिए 30 घँटा का वलेंट्रीयरशिप अनिवार्य किया गया है ।एसकेमवी कलेज फतुहा के छात्र छात्राए देश के अग्रणी युवा संगठन प्रेम यूथ फाउंडेशन में तीस घँटा का वलेंट्रीयरशिप पूरा किया जिसका प्रमाण पत्र सभी वलेंट्रीयर को प्रदान किया गया । फाउंडेशन के प्रोग्राम अफिसर देवानंद ने बताया कि पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय के एसकेमवी कलेज फतुहा के छात्र छात्राओ ने स्वच्छता अभियान, प्लास्टिक मुक्त भारत, नशा मुक्ति अभियान, पौधारोपण, सेनेटरी पैड वितरण कार्यक्रम कर सामुदायिक कार्यो में उत्ष्ट योगदान दिया है । नई शिक्षा नीति में अब विद्यार्थियों को कितवी ज्ञान के साथ साथ सामाजिक ज्ञान एवं सामाजिक मुद्दों से जोड़ने का यह वलेंट्रीयरशिप एक उत्ष्ट पहल है । वलेंट्रीयरशिप कर रही वलेंट्रीयर मोना ने बताया कि यह हमलोगों के लिए नई सिख है हम समाज के बेहतरी के लिए योगदान कर सकते है । वही अंशु प्रिया ने बताया कि गांव में वलेंट्रीयरशिप कर बहुत ही अच्छा अनुभव हुआ है हम आगे भी सामाजिक कार्यो को करते रहेंगे । वही सौफी कुमारी कहा कि हमारे लिए यह वलेंट्रीयरशिप काफी उत्साह वर्धक रहा प्रेम यूथ फाउंडेशन में वलेंट्रीयरशिप करना अपने आप मे ही अद्भुत है बहुत कुछ समझने का अवसर मिला है । फाउंडेशन के संस्थापक गांधीवादी प्रेम जी ने कहा कि भारत दुनिया का सबसे युवा देश है युवाओ के बल पर ही हम विकसित भारत की परिकल्पना को साकार कर सकते है । युवा शक्ति ही असली राष्ट्र शक्ति है । युवाओं के हाथों में डिग्री है मन मे कुछ कर दिखाने की हसरत है जरूरत है उचित अवसर मिलने की । मौके पर रजनीश कुमार, सन्नी कुमार, रंजन कुमार, राजू कुमार, मन्नी कुमार शामिल है ।

संक्षिप्त खबरें

जमीन की रजिस्ट्री कराने पर पहले की तुलना में अधिक शुल्क देना होगा

सोनवषार्राज (सहरसा) (एनएसबी)। बिहार सरकार ने जमीन की खरीद-बिक्री और रजिस्ट्री के लिए नया सर्किल रेट लागू कर दिया है। नए नियमों के तहत नगर पंचायत एवं ग्रामीण क्षेत्रों में जमीन के सरकारी मूल्य में वृद्धि की गई है। इसके बाद जमीन की रजिस्ट्री कराने पर पहले की तुलना में अधिक शुल्क देना होगा। सरकार के संशोधित प्रावधानों के अनुसार नगर पंचायत क्षेत्रों में सर्किल रेट में लगभग दो गुना तक वृद्धि की गई है, जबकि ग्रामीण क्षेत्रों में 1.6 गुना तक बढ़ोतरी की गई है। लंबे समय बाद सर्किल रेट में संशोधन होने से अब जमीन की सरकारी कीमतें वर्तमान बाजार दरों के अधिक करीब मानी जा रही हैं। नए सर्किल रेट लागू होने के बाद जमीन की खरीद-बिक्री, रजिस्ट्री शुल्क, स्टांप शुल्क और अन्य संबंधित शुल्कों पर भी असर पड़ेगा। जिला निबंधन कार्यालय के अधिकारियों ने बताया कि संशोधित दरों के अनुसार ही अब जमीन की रजिस्ट्री की जाएगी। प्रशासन ने आम लोगों से अपील की है कि जमीन की खरीद-बिक्री से पहले संबंधित निबंधन कार्यालय या ऑनलाइन पोर्टल पर नए सर्किल रेट की जानकारी अवश्य प्राप्त कर लें, ताकि रजिस्ट्री के समय किसी प्रकार की परेशानी न हो।

नगर निगम में मामूली बारिश से जलजमाव, जनता के आवागमन में हो रही परेशानी, विकास की खुली पोल

सहरसा नगर (एनएसबी)। जिले में निगम के कुछ इलाकों में हालिया हल्की बारिश के बाद जलजमाव की समस्या उभर आई है। जिससे स्थानीय लोगों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय निवासियों ने बताया कि प्रमुख सड़कें और नाले पानी भर जाने से पैदल और वाहन दोनों के लिए चलना मुश्किल हो गया है। खासकर पढ़ने वाले बच्चों को परेशानी हो रही है। वही समाज सेवी आनंद झा उर्फ अनूप ने कहा कि विकास केवल कागजों पर ही दिखता है, धरातल पर कोई ठोस कार्य नहीं हुआ है। उन्होंने आरोप लगाया कि महापौर बैन प्रिया और विधायक आईपी गुप्ता ने चुनाव से पहले सहरसा में विकास के वादे किए थे, पर नतीजे धरातल पर नजर नहीं आते। आनंद ने कहा कि थोड़ी सी बारिश ही विकास की हर पोल खोल कर रख देती है। नागरिकों का कहना है कि नगर निगम को नालियों की सफाई, जल निकासी व्यवस्था सुधारने और जल्द मरम्मत का काम करवाना चाहिए ताकि भविष्य में ऐसी स्थिति से बचा जा सके। इस मामले पर महापौर कार्यालय या नगर निगम प्रशासन और विधायक आईपी गुप्ता की ओर से उत्तर की प्रतीक्षा है। अब देखना है कि प्रतिक्रिया आती है कि नहीं।

आकाशीय बिजली गिरने से घास काटने गई एक युवती की मौत, दूसरी गंभीर रूप से घायल

सहरसा (एनएसबी)। जिले के सिमरी बख्तियारपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत सिटानाबाद गांव में शनिवार दोपहर आकाशीय बिजली गिरने से एक 18 वर्षीय युवती की मौत हो गई। इस घटना में 17 वर्षीय एक अन्य किशोरी गंभीर रूप से झुलस गई। हादसे के बाद ग्रामीणों ने दोनों युवतियों को तत्काल अनुमंडलीय अस्पताल, सिमरीबख्तियारपुर पहुंचाया। वहां चिकित्सकों ने एक युवती को मृत घोषित कर दिया। गंभीर रूप से घायल किशोरी को प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल, सहरसा रेफर किया गया है। मृतका की पहचान सिटानाबाद गांव के अमरुल्लाह टोला (वार्ड संख्या-5) निवासी दिलीप दास की 18 वर्षीय पुत्री ज्योति कुमारी के रूप में हुई है। वहीं, घायल किशोरी उसी गांव के वीरेंद्र दास की पुत्री 17 वर्षीय लक्ष्मी कुमारी है, जिसका इलाज सहरसा में जारी है। जानकारी के अनुसार, शनिवार दोपहर दोनों युवतियां अपने घर से लगभग एक किलोमीटर दूर खेत में मवेशियों के लिए घास लाने गई थीं। इसी दौरान अचानक मौसम बदला, आसमान में घने बादल छा गए और तेज हवाओं के साथ मूसलाधार बारिश शुरू हो गई। दोनों युवतियां अभी संभल भी नहीं पाई थीं कि अचानक गरज के साथ तेज आकाशीय बिजली उन पर आ गिरी। वज्रपात की चपेट में आने से दोनों गंभीर रूप से झुलस गईं। खेतों में मौजूद अन्य ग्रामीणों ने तुरंत परिजनों को घटना की सूचना दी। हादसे की जानकारी मिलते ही बख्तियारपुर थाना के दारोगा सुधीर कुमार पुलिस बल के साथ अस्पताल पहुंचे और आवश्यक कानूनी प्रक्रिया शुरू की। उधर, स्थानीय प्रशासन ने मानसून के इस मौसम को देखते हुए आम जनता से अपील की है कि खराब मौसम, मेघ गर्जन और तेज बारिश के दौरान खुले खेतों, जलाशयों अथवा पेड़ों के नीचे जाने से बचें और सुरक्षित पक्के मकानों में शरण लें।

अखिल भारतीय रौनियार वैश्य महासभा के प्रमंडलीय अध्यक्ष बने विजय गुप्ता, महिला मोर्चा जिला संयोजक बनी प्रतिमा गुप्ता

सहरसा शहर (एनएसबी)। अखिल भारतीय रौनियर वैश्य महासभा के प्रदेश अध्यक्ष राकेश कुमार गुप्ता ने कोशी प्रमंडल क्षेत्र मे रौनियार समाज के संघठन को जमीनी स्तर से मजबूत करने के दृष्टिकोन से समाजसेवी विजय कुमार गुप्ता को बजरंग गुप्ता के माध्यम से पत्र देकर प्रमंडलीय अध्यक्ष मनोनीत किया है। साथ हीं जिला अध्यक्ष मनोज गुप्ता ने प्रतिमा गुप्ता उर्फ कोमल को महिला मोर्चा का जिला संयोजक मनोनीत किया है।इस अवसर पर सहरसा युवा जिला अध्यक्ष रवि कुमार नगर निगम के अध्यक्ष राजनीति गुप्ता राजकुमार गुप्ता राजू गुप्ता जिला कोषाध्यक्ष नारायण गुप्ता लड्डू डॉक्टर राज किशोर, युवा नगर अध्यक्ष पप्पू प्रकाश गुप्ता श्याम बिहारी गुप्ता अरविंद गुप्ता नीरज सोनू, राजेश गुप्ता मुन्ना गुप्ता गिरधारी गुप्ता अरुण गुप्ता पंकज गुप्ता आदि ने दोनों नव मनोनीत नेताओं को बधाई शुभकामना एवं स्वागत सम्मान किया।इस अवसर पर विजय गुप्ता ने राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष कृष्णा प्रसाद आजाद राष्ट्रीय संयोजक राजू गुप्ता, प्रदेश अध्यक्ष राकेश कुमार गुप्ता,प्रदेश उपाध्यक्ष बजरंग गुप्ता के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा की संगठन ने जो महत्वपूर्ण दायित्व मुझे सौंपा है। इसका ईमानदारी से निर्वहन कर संगठन को मजबूत व सशक्त बनाने का प्रयास करुंगा।

बैजनाथपुर थाना पुलिस की बड़ी सफलता, लूटकांड का सफल उद्भेदन, पांच अपराधी गिरफ्तार, लूटी गई बाइक व मोबाइल बरामद

सहरसा नगर (एनएसबी)। जिले के बैजनाथपुर थाना पुलिस ने लूटकांड का सफल उद्भेदन करते हुए बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने घटना में संलिप्त पांच अपराधियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से लूटी गई मोटरसाइकिल, मोबाइल फोन तथा घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल एवं चार मोबाइल फोन बरामद किए हैं। पुलिस के अनुसार, 13 जून 2026 को मधेपुरा जिले के अरर थाना क्षेत्र निवासी चन्द्रशेखर कुमार अपनी मोटरसाइकिल से ससुराल सहरसा जा रहे थे। इसी दौरान एनएच-107 पर सबेला के समीप चार अज्ञात मोटरसाइकिल सवार अपराधियों ने उन्हें गाली-गलौज करते हुए उनकी बाइक में टक्कर मारकर गिरा दिया। इसके बाद अपराधियों ने मारपीट कर हथियार का भय दिखाते हुए उनकी मोटरसाइकिल, मोबाइल फोन एवं छह हजार रुपये नकद लूट लिए और फरार हो गए। घटना के संबंध में पीड़ित के आवेदन पर बैजनाथपुर थाना कांड संख्या 106ध्2026 दर्ज कर अनुसंधान प्रारंभ किया गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सदर के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया।

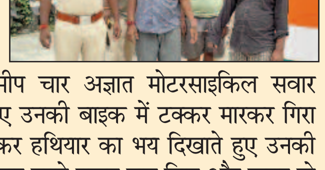

पटना से पूर्णिया तक रात्रिकालीन ट्रेन का शीघ्र होगा परिचालन : डीआरएम

सहरसा जंक्शन पहुंचे डीआरएम किया निरीक्षण

सहरसा जंक्शन निरीक्षण करते डीआरएम।

सहरसा शहर (एनएसबी)। शनिवार को सहरसा पहुंचे समस्तीपुर डिवीजन के रेल प्रबंधक ज्योति प्रकाश मिश्रा ने कहा कि हाल में हुई संसदीय समिति की बैठक में सभी सांसदों ने अपनी क्षेत्र के रेल नेटवर्किंग से जुड़ी समस्या और नई योजनाओं को सामने रखा जिसे जल्द ही रेलवे बोर्ड को भेजा जा रहा है। इसमें सबसे महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट सहरसा लहरिया सराय नई रेल लाइन परियोजना पर डिवीजन और जोनल स्तर पर सकारात्मक पक्ष के साथ रेलवे बोर्ड को भेज दिया गया है। प्रस्ताव रेलवे बोर्ड के पास है जिसे जल्द ही वित्त विभाग और नीति आयोग के पास भेजा जाएगा। आशा है कि शीघ्र ही नई रेल लाइन को हरी झंडी मिल सकती है। समस्तीपुर रेल प्रबंधक ज्योति प्रकाश मिश्रा संबंधित सभी विभागों के अधिकारियों के साथ सहरसा जंक्शन पहुंचे थे इस दौरान सभी संबंधित विभाग के अधिकारियों के साथ यात्री सुविधाओं और नई परियोजनाओं को लेकर विचार विमर्श कर बैठक किया इससे पूर्व डीआरएम ने सहरसा जंक्शन पर यात्री सुविधाओं का निरीक्षण किया। साथ ही सकुर्लेटिंग एरिया के अलावा नई परियोजना यार्ड का निरीक्षण किया। डीआरएम ने सहरसा जंक्शन पहुंचने के बाद यार्ड रीमॉडलिंग निर्माण कार्य की समीक्षा की। इस दौरान इससे संबंधित अधिकारियों के साथ निर्माण कार्य को लेकर बैठक मे उन्होंने निर्माण कार्य में तेजी लाने का निर्देश दिया। इसके बाद प्रेस वार्ता में उन्होंने कहा कि संसदीय समिति की बैठक में क्षेत्र के सांसद ने सहरसा मानसी मधेपुरा मुरलीगंज पूर्णिया कोर्ट सहरसा से सरायगढ़ सहित अन्य रेल खंडों से संबंधित सभी स्टेशनों पर यात्री सुविधा बढ़ाने और नई योजनाओं पर कार्य के लिए संसदीय समिति की बैठक में मांग उठाई है। जिसे रेलवे बोर्ड को अवगत कराया जा रहा है। सभी क्षेत्र के सांसदों ने अपने क्षेत्र से संबंधित रेल विकास को लेकर जो भी मांग रखी है जल्द ही रेलवे बोर्ड से अनुमति मिलेगी। डीआरएम श्री मिश्र ने कहा कि सहरसा, सिमरी बख्तियारपुर, मधेपुरा, बनमनखी, सुपौल एवं सलोना में अमृत भारत स्टेशन बनकर तैयार हैं। एक साथ सभी स्टेशन का उद्घाटन होना है जल्द ही रेलवे बोर्ड से उद्घाटन के लिए समय निर्धारित किया जाएगा ।सहरसा जंक्शन पहुंचे डीआरएम ने कहा कि पटना से कोशी क्षेत्र के लिए रात्रि कालीन ट्रेन चलाने की मांग काफी जोर पकड़ ली है। ट्रेन चलाने को लेकर काफी मांग उठ रही है। पाटलिपुत्र से सहरसा के रास्ते पूर्णिया कोर्ट तक जल्द ही रात्रि कालीन ट्रेन मिलेगी। संसदीय समिति की बैठक में भी क्षेत्र के सांसद ने रात्रि कालीन ट्रेन को लेकर मांग कर चुके है। इसके अलावा सहरसा मानसी दोहरीकरण को लेकर जल्द ही रेलवे बोर्ड वित्तीय अनुमति देगी। रीमॉडलिंग कार्य की भी समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान समस्तीपुर रेल मंडल के सीनियर डीईएन कोऑर्डिनेशन संजय कुमार, सीनियर डीईएन श्री उत्कर्ष कुमार के अलावा स्टेशन अधीक्षक जीवन प्रकाश, सुभाष चंद्र झा, डीसीआई संजय कुमार, आरपीएफ इंस्पेक्टर धनंजय कुमार यादव के अलावा कई अधिकारी मौजूद थे।

27 वर्षीय छात्र की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत, कमरे में मिला शव

सहरसा में 4 महीने से कर रहा था कॉम्पिटिटिव एग्जाम की तैयारी

फोरेंसिक जांच करती पुलिस अधिकारी।

सहरसा कार्यालय (एनएसबी)। सदर थाना क्षेत्र के संतनगर वार्ड संख्या 4 में एक 27 वर्षीय छात्र की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। सीटीईटी की तैयारी कर रहे इस छात्र का शव शनिवार सुबह उसके किराये के कमरे में मिला। मृतक की पहचान सुपौल जिले के त्रिवेणीगंज थाना क्षेत्र निवासी सुशील कुमार के रूप में हुई है। मृतक के परिजन को सूचना दी गई है। फिलहाल उसके परिजन का इंतजार है। मिली जानकारी के अनुसार, सुशील कुमार पिछले लगभग चार महीने से सहरसा में प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहा था। शुक्रवार रात वह अन्य छात्रों के साथ खाना खाने के बाद अपने कमरे में सोने चला गया था। शनिवार सुबह करीब नौ बजे तक जब वह कमरे से बाहर नहीं आया, तो साथ रहने वाले छात्रों को चिंता हुई। काफी देर तक आवाज देने के बावजूद कोई प्रतिक्रिया नहीं मिलने पर छात्रों ने दरवाजा खोला। अंदर सुशील मृत अवस्था में मिला। घटना की सूचना तत्काल डायल 112 पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही सदर एसडीपीओ आलोक कुमार और सदर थानाध्यक्ष अजय कुमार पासवान सहित पुलिस टीम मौके पर पहुंची। मामले की गंभीरता को देखते हुए फोरेंसिक टीम को भी बुलाया गया, जिसने घटनास्थल से आवश्यक साक्ष्य जुटाए। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया और मृतक के परिजनों को सूचित किया। प्रारंभिक जांच में मौत के कारणों का स्पष्ट खुलासा नहीं हो सका है। पुलिस सभी संभावित पहलुओं को ध्यान में रखते हुए जांच कर रही है। आशंका जताई जा रही है कि भोजन में गड़बड़ी, किसी दवा के रिएक्शन या अन्य चिकित्सीय कारणों से भी मौत हो सकती है। हालांकि, पुलिस का कहना है कि चिकित्सकीय रिपोर्ट के बिना किसी निष्कर्ष पर पहुंचना जल्दबाजी होगी। सदर एसडीपीओ आलोक कुमार ने बताया कि मामले की गहन जांच की जा रही है। उन्होंने कहा कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और फोरेंसिक जांच रिपोर्ट मिलने के बाद ही छात्रों की मौत के वास्तविक कारणों का पता चल सकेगा। पुलिस फिलहाल सभी बिंदुओं पर जांच में जुटी हैं।

मुहर्रम पर्व पर अंचलाधिकारी व थानाध्यक्ष ने फीता काट कर मेला का उद्घाटन

मौके पर सीओ, थानाध्यक्ष व अन्य।

सहरसा शहर (एनएसबी)। नगर पंचायत सौरबाजार के पुराने उच्च विद्यालय मैदान में शनिवार को मुहर्रम पर्व के अवसर पर अंचलाधिकारी विद्याचरण, थानाध्यक्ष सुबोध कुमार राजस्व अधिकारी तोषण कुमार और नगर पंचायत के मुख्य पार्षद प्रतिनिधि आरिफ खां,उपमुख्य पार्षद दुगार्कांत उर्फ मोल झा द्वारा संयुक्त रूप से उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर अंचलाधिकारी विद्याचरण ने सभी खिलाड़ियों से हाथ मिलाया। थानाध्यक्ष सुबोध कुमार ने मुहर्रम पर्व पर लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि बुराई पर अच्छाई की जीत का यह पर्व है। उन्होंने मुस्लिम युवाओं को इमाम हसन और इमाम हुसैन के बताए रास्ते पर चलने की अपील की।मौके पर मुस्लिम युवकों ने अपने हैरतअंगेज करतब भी दिखाए। वहीं अमन और सलामती के साथ देश की उन्नति के लिए भी दुआएं मांगी गई। बताया जाता है कि स्थानीय लोगों ने मिलकर मेला का आयोजन किया। इस अवसर पर नगर पंचायत सौर बाजार के मुख्य पार्षद प्रतिनिधि आरिफ खां ने कहा कि हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी हिन्दू-मुस्लिम मिलकर हर साल त्योहार मनाते और वे जगह का प्रतिनिधित्व करता हैं।ताजिया मुहर्रम के महीने में खासकर 10वीं तारीख को मुस्लिम समुदाय विशेष रूप से द्वारा बनाया जाने वाला एक प्रतीकात्मक मकबरा है। यह कर्बला की लड़ाई में हजरत इमाम हुसैन और उनके साथियों की शहादत की याद में बनाया जाता है। ताजिया, शोक और श्रद्धांजलि का प्रतीक है, और इसका जुलूस इमाम हुसैन के साहस और बलिदान को याद करने का एक तरीका है। जहां हर पर्व में हिंदू-मुस्लिम एकता की मिसालें दी जाती है।

केदारनाथ यात्रा के दौरान हार्ट अटैक से बीमार हुए एचएम चंद्रशेखर मिश्र का निधन

मृतक चंद्रशेखर मिश्र।

सोनवषार्राज (सहरसा) (एनएसबी)। प्रखंड क्षेत्र अन्तर्गत मध्य विद्यालय नानौती के प्रधानाध्यापक रहे चंद्रशेखर मिश्र का शुक्रवार को देहरादून स्थित आईजीएमएस में इलाज के दौरान निधन हो गया। उनके निधन की सूचना मिलते ही शिक्षा जगत एवं क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। इस संबंध में मिली जानकारी के अनुसार, चंद्रशेखर मिश्र बीते 6 जून को केदारनाथ यात्रा पर गए थे। यात्रा के दौरान अचानक उन्हें हृदयाघात हुआ, जिसके बाद उन्हें तत्काल देहरादून के आईजीएमएस में भर्ती कराया गया। लगभग 20 दिनों तक चले उपचार के बाद शुक्रवार को उन्होंने अंतिम सांस ली। चंद्रशेखर मिश्र मध्य विद्यालय नानौती के प्रधानाध्यापक होने के साथ-साथ सरस्वती मंदिर नानौती विकास समिति के अध्यक्ष भी थे। शिक्षा और सामाजिक कार्यों में उनकी सक्रिय भूमिका के कारण क्षेत्र में उनकी अलग पहचान थी। परिजनों ने बताया कि उनका अंतिम संस्कार हिंदू रीति-रिवाज के अनुसार हरिद्वार में किया जाएगा। उनके निधन पर परिजनों सहित क्षेत्र के लोगों ने गहरा शोक व्यक्त किया है। शोक जताने वालों में राजू झा, रमन झा, सीताराम, शशिधर झा, अंजनी चैधरी, युवा नेता अक्षय सिंह, गुंजन झा, माधव झा, मुखिया प्रतिनिधि दीपक मिश्रा समेत बड़ी संख्या में स्थानीय लोग शामिल हैं। सभी ने दिवंगत आत्मा की शांति एवं शोकाकुल परिवार को इस दुख की घड़ी में धैर्य प्रदान करने की ईश्वर से प्रार्थना की।

30 जून तक सहरसा जिला अंतर्गत राष्ट्रीय राजमार्गों से 299 अवैध अतिक्रमण हटाए जाएंगे: जिला पदाधिकारी

मौके पर सीओ, थानाध्यक्ष व अन्य।

सहरसा शहर (एनएसबी)। माननीय सर्वोच्च न्यायालय के आदेश के अनुपालन में जिला स्तर पर गठित डिस्ट्रिक्ट नेशनल हाईवे सेफ्टी टास्क फोर्स और जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक शनिवार को जिला पदाधिकारी दीपेश कुमार की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में राष्ट्रीय राजमार्गों पर अवैध अतिक्रमण, अवैध पार्किंग, सड़क सुरक्षा एवं दुर्घटना न्यूनीकरण से संबंधित विषयों की विस्तृत समीक्षा की गई। समीक्षा के दौरान बताया गया कि राष्ट्रीय राजमार्ग-327म पर 98 व्यक्तियों, राष्ट्रीय राजमार्ग-107 पर 189 व्यक्तियों तथा राष्ट्रीय राजमार्ग-106 पर 12 व्यक्तियों को अवैध अतिक्रमण हटाने हेतु नोटिस निर्गत किया गया है। इस प्रकार तीनों राष्ट्रीय राजमार्गों पर कुल 299 अवैध अतिक्रमण चिन्हित किए गए हैं। इनमें से राष्ट्रीय राजमार्ग-107 पर 9 स्थानों से अतिक्रमण हटाया जा चुका है, जबकि शेष अतिक्रमणकारियों को स्वेच्छा से अतिक्रमण हटाने का अवसर दिए जाने के बावजूद अब तक अतिक्रमण नहीं हटाया गया है। जिला पदाधिकारी ने निर्देश दिया कि 30 जून तक विशेष अभियान चलाकर सभी 299 अवैध अतिक्रमणों को हटाया जाए। इसके लिए संबंधित अनुमंडल पदाधिकारी, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, अंचल अधिकारी एवं थानाध्यक्ष को आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई के दौरान संबंधित राष्ट्रीय राजमार्ग के अभियंता एवं कर्मियों की उपस्थिति भी अनिवार्य होगी।बैठक में बताया गया कि अवैध अतिक्रमण मुख्य रूप से पुरीख, सीहौल, तुनियाही, बनगांव, बिहरा, बेला, मुरली, बलुआहाट, सबेला एवं कहरा सहित विभिन्न स्थानों पर पाया गया है।

दसवीं मुहर्रम पर हुसैन की याद में निकाला गया ताजिया, जिले भर में शनिवार को शांतिपूर्ण तरीके से मनाया गया मुहर्रम

प्रशासन के चैक चैबंद व्यवस्था के बीच मुहर्रम शांतिपूर्ण माहौल में सम्पन्न, या हुसैन के गूंजे नारे, याद की गई कर्बला की कुबार्नी।

आपसी भाईचारे के माहौल में मनाते मुहर्रम।

सहरसा नगर (एनएसबी)। शनिवार को मुहर्रम का पर्व आपसी भाईचारे के माहौल में संपन्न हुआ। हजरत इमाम हुसैन और कर्बला के 72 शहीदों की अजीम कुबार्नी को याद करते हुए लोगों ने उन्हें खिराज ए अकीदत पेश की। शहर सहित ग्रामीण इलाकों में इस मौके पर जगह-जगह जुलूस निकाले गए। जुलूस के दौरान गम, श्रद्धा और इंसानियत का संदेश गूंजता रहा। जुलूस को लेकर पुलिस-प्रशासन ने सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए थे। हुसैन की शहादत पर मुहर्रम मनाने की वर्षो पुरानी परंपरा एक बार फिर रवायती अंदाज में मनाई गई। मुस्लिम समुदाय के लोगों ने शांतिपूर्ण तरीके से मुहर्रम मनाया। मीर टोला में अलीनगर से तजिया पहुचा। मीर टोला से जुलूस निकालकर महावीर चैक, दहलान चैक होते हुए गांधी पथ इमामबाड़ा के पास तजिया एकत्रित हुए। वही मछली मार्केट, नननसी टोला, सराही से आये तजिया का गांधी पथ इमामबाड़ा के पास मिलन किया गया। जुलूस के आगे युवा तिरंगा लेकर चल रहे थे। और देश के प्रति अपनी आस्था को जाहिर कर रहे थे। भारत माता की जय की नारे लगा रहे थे। गांधी पथ इमामबाड़ा के पास मुस्लिम समुदाय के युवाओं ने अजीबो गरीब लाठी का कर्तव्य दिखलाया। कुछ युवाओं के द्वारा तलवार फरसा से भी कर्तव्य दिखलाया गया। जंगी के द्वारा भी कर्तव्य दिखाया गया। उसके बाद लोग तजिया को लेकर रन खेत गए जहां सभी तजिया का मिलन कराया गया। मुहर्रम को लेकर लोगों में काफी उत्साह देखने को मिला। पर्व को लेकर बच्चे काफी उत्साहित थे। मीरा टोला, बस्ती, सत्तरकटैया प्रखंड के आरण में मुहर्रम पर्व को लेकर मेला का भी आयोजन किया गया। मेले में लोगों की काफी भीड़ नजर आई। मुहर्रम पर्व को लेकर प्रशासन भी काफी मुस्तेद दिखे। जगह-जगह पुलिस बल की तैनाती की गई थी। सदर एसडीपीओ आलोक कुमार, सदर थानाध्यक्ष अजय पासवान दल बल के साथ लगातार गस्ती कर रहे थे। जुलूस को सफल बनाने में युवा नेता मो. सादिक मतीन, नवाज अख्तर, मो. नाजिश, मो. विक्की, मो. मुजफ्फर, मो. इजहार आलम उर्फ शिबू, मो. साहिल, जावेद अनवर चांद सहित कई तत्पर दिखे। मौके पर युवा नेता मो. सादिक मतीन ने मुस्लिम समुदाय के लोगों को मुहर्रम पर्व की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आज शहादत और कुबार्नी को याद करने का दिन है। राजद जिला सचिव इमाम आजम ने कहा कि प्रशासन कि की चुस्त-दुरुस्त व्यवस्था के बीच मुहर्रम का पर्व शांतिपूर्ण व सौहार्दपूर्ण तरीके से मनाया गया। उन्होंने इसके लिए जिला प्रशासन सहित आमजनों को धन्यवाद दिया।

संक्षिप्त खबरें

करंट लगने से महिला की मौत, मृतक के घर मचा कोहराम

बेलदौर (दैनिक नवसंदेश)। नागेश्वर सिंह वासा निवासी राजो राम के 55 वर्षीय पत्नी चंपा देवी अपने ही गांव से दक्षिण दिशा कोयला टावर बहियार मवेशी का चारा लाने के लिए गई थी। उसी दौरान हाय टेंशन तार के चपेट में आ गया। वही परिजनों के द्वारा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बेलदौर लाया गया, जहां डक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। इस संबंध में मृतक के पति राजो राम ने बताया कि मेरी पत्नी चंपा देवी अपने मवेशी का चारा लाने के लिए करीब 10 बजे सुबह गई थी, इसी दौरान बिजली के नंगा तार खेत में गिरे रहने के कारण करंट लग गया। जब प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बेलदौर पहुंचे तो डक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। मृतक अपने पीछे भरा पूरा परिवार को छोड़कर चल बसी। घटना के बाद मृतक के घरों में चीख पुकार मचा हुआ है।

हाइब्रिड मक्का और शंकर धान बीज का वितरण शुरू

चौथम (दैनिक नवसंदेश)। खरीफ मौसम की खेती को ध्यान में रखते हुए चौथम प्रखंड मुख्यालय स्थित कृषि कार्यालय में पिछले दो दिनों से अनुदानित दर पर हाइब्रिड मक्का एवं शंकर धान (हाइब्रिड) बीज का वितरण किया जा रहा है। बीज वितरण कार्यक्रम का उद्देश्य किसानों को समय पर गुणवत्तापूर्ण बीज उपलब्ध कराकर उत्पादन बढ़ाना है। प्रखंड कृषि पदाधिकारी महेश कुमार ने बताया कि किसानों को बायो सीड कंपनी के शंकर धान बीज 320 रुपए प्रति किलोग्राम की दर से उपलब्ध कराया जा रहा है, जबकि हाइब्रिड मक्का बीज मात्र 74 रुपये प्रति किलोग्राम की दर से वितरित किया जा रहा है। अनुदानित मूल्य पर बीज मिलने से किसानों में काफी उत्साह देखा जा रहा है और बड़ी संख्या में किसान षि कार्यालय पहुंचकर बीज प्राप्त कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि प्रखंड की प्रत्येक पंचायत के लिए 30 किलोग्राम शंकर धान बीज तथा डेढ़ क्विंटल हाइब्रिड मक्का बीज आवंटित किया गया है। पूरे प्रखंड में कुल 18 टिल मक्का बीज तथा 4 टिल धान बीज का वितरण किया जाएगा, ताकि अधिक से अधिक किसान इसका लाभ उठा सकें। षि विभाग के अधिकारियों ने किसानों से अपील की कि वे निर्धारित प्रक्रिया के तहत समय पर बीज प्राप्त कर वैज्ञानिक तरीके से खेती करें, जिससे बेहतर उत्पादन और अधिक आय सुनिश्चित हो सके। बीज वितरण के दौरान राहुल कुमार सहित कई किसान उपस्थित रहे। किसानों ने सरकार की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि अनुदानित दर पर गुणवत्तापूर्ण बीज मिलने से खेती की लागत कम होगी और अच्छी पैदावार की उम्मीद बढ़ेगी। षि कार्यालय में बीज वितरण की प्रक्रिया व्यवस्थित ढंग से जारी है तथा किसानों को आवश्यक जानकारी और तकनीकी सलाह भी दी जा रही है।

मोटरसाइकिल से 6 पेटी अंग्रेजी शराब जब्त, तस्कर गिरफ्तार

डोरीगंज/सारण (दैनिक नवसंदेश)। थानाध्यक्ष राज शेखर ने रात्रि गस्ती के दौरान सूचना पर तत्काल कार्रवाई करते हुए छपरा-पटना मुख्य मार्ग एनएच 19 फोर लेन के बगल में महदीपुर महुआ घाट पर के पास से मोटरसाइकिल जब्त करते हुए उस पर बोरे में रखी अंग्रेजी शराब और मौके से शराब तस्कर को गिरफ्तार किया है। थानाध्यक्ष ने बताया कि रात्रि में मोटर साइकिल से शराब ले जाए जाने की सूचना मिली। मोटरसाइकिल सवार तस्कर पुलिस को आते देख मोटरसाइकिल छोड़ फरार हो गया। हालांकि वह गिरकर घायल हो गया। उसे गिरफ्तार कर डायल 112 की पुलिस ने छपरा सदर अस्पताल भेज दिया और शराब से लदी मोटर साइकिल एवं बोरे में रखी 6 पेटी (351 पीस -63.18 लीटर) जिसका बाजार मुल्य लगभग 77 हजार रुपए आंकलन किया गया है जब्त कर लिया गया है। गिरफ्तार धंधेबाज सारण जिले के डोरीगंज थाना क्षेत्र का फुलचक गांव निवासी बजरंगी कुमार बताया गया है। बिहार मध्य निषेध अधिनियम 2018 के अनुसार डोरीगंज थाने में प्राथमिकी दर्ज उसे गिरफ्तार कर छपरा मंडल कारा भेज दिया गया। साथ ही इस धंधे में शामिल अन्य व्यक्ति की गिरफ्तारी हेतु कारवाई की जा रही है।

स्वामी सहजानंद सरस्वती की पुण्यतिथि समारोह का आयोजन

छपरा कार्यालय (दैनिक नवसंदेश)। छपरा के प्रभुनाथ नगर के उमानगर में स्वामी सहजानंद सरस्वती की पुण्यतिथि पर समारोह का आयोजन किया गया। सर्वप्रथम स्वामी जी के तैल चित्र पर माल्यार्पण के साथ उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। समारोह के मुख्य अतिथि बिहार राज्य किसान सभा के प्रदेश उपाध्यक्ष सुरेन्द्र सौरभ ने अपने संबोधन में स्वामी जी के व्यक्तित्व और कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि स्वामीजी ने न केवल बिहार राज्य किसान सभा की स्थापना की बल्कि किसानों के शोषण के खिलाफ प्रभावशाली किसान आंदोलन खड़ा किया। आज किसानों के नए तरह के हो रहे शोषण के खिलाफ संघर्ष का संकल्प ही स्वामीजी के प्रति सच्ची श्रृद्धांजलि होगी। समारोह को चूल्हन प्रसाद सिंह, माध्यमिक शिक्षक संघ के जिला सचिव विद्या सागर विद्यार्थी, सुरेन्द्र नाथ त्रिपाठी, डॉ. रविन्द्र प्रसाद, पुनीत सिंह, प्रभाष सिंह, रजाक हुसैन, सुरेश वर्मा, संजय कुमार सिंह आदि ने भी संबोधित किया। चूल्हन प्रसाद सिंह के संयोजकत्व में आयोजित इस कार्यक्रम की अध्यक्षता मजदूर नेता रामबाबू सिंह ने की।

लियो क्लब के यात्री शेड का हुआ लोकार्पण

छपरा (दैनिक नवसंदेश)। समाज सेवा एवं जनकल्याण के अपने संकल्प को आगे बढ़ाते हुए लायंस क्लब की युवा इकाई लियो क्लब ऑफ छपरा टाउन ने छपरा सदर अस्पताल के समीप यात्री शेड का निर्माण कराया है। मुख्य अतिथि के रूप में यात्री शेड का शुभारंभ डॉ. एसके पाण्डेय, उपमहापौर रागिनी देवी, प्राचार्य अरुण सिंह, वार्ड 17 के पार्षद प्रतिनिधि गुड्डू सिंह, अध्यक्ष अभिषेक किशोर, राखी गुप्ता, धर्मेंद्र चौहान, अजीत सिंह, लियो अध्यक्ष अमित सोनी और सचिव उज्ज्वल मिश्रा ने किया। लियो अध्यक्ष अमित सोनी ने बताया कि इस पहल से अस्पताल आने वाले मरीजों, उनके परिजनों एवं आम नागरिकों, यात्रियों को धूप, बारिश और अन्य मौसम संबंधी परेशानियों से राहत मिलेगी। वरिष्ठ नेत्र चिकित्सक डॉ. एसके पाण्डेय ने लियो क्लब के सदस्यों की सराहना करते हुए कहा कि जनसेवा ही संगठन का मुख्य उद्देश्य है और इसी भावना के तहत यह यात्री शेड छपरा वासियों को समर्पित किया गया है। प्राचार्य अरुण सिंह ने कहा कि इस प्रकार की सामाजिक पहलें समाज में सेवा और सहयोग की भावना को मजबूत करती हैं। छपरा नगर निगम की उपमहापौर रागिनी देवी ने जनसेवा हेतु समर्पित यात्री शेड के इस पहल के लिए लियो क्लब के सदस्यों का आभार जताया और बताया कि छपरा शहर के सभी सामाजिक संगठन के लिए वो हमेशा हर कार्यों में साथ रहती हैं। आज के कार्यक्रम में आशुतोष पाण्डेय, सचिव मनीष कुमार, कुंवर जायसवाल, गोविंद सोनी, सतीश पांडेय, अरबिंद गुप्ता, अली अहमद, मनोज संकल्प, प्रमोद मिश्रा, सचिव उज्ज्वल मिश्रा, अभिषेक गुप्ता, कुमार अभिषेक, दीपक पटेल, कृष्ण कन्हैया मिश्रा, कुमार भास्कर तथा लायंस लियो के सदस्य मौजूद थे।

मढ़ौरा-छपरा-पटना मेमू ट्रेन के लिए रुडी ने तेज किया प्रयास

छपरा कार्यालय (दैनिक नवसंदेश)। सारण के सांसद पूर्व केंद्रीय मंत्री राजीव प्रताप रुडी ने मढ़ौरा-छपरा-पटना के बीच मेमू रेल सेवा प्रारंभ कराने की दिशा में अपना प्रयास तेज कर दिया है। हाल ही में रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के साथ विशेष निरीक्षण ट्रेन से पटना, छपरा और मढ़ौरा की यात्रा के दौरान सांसद ने उनसे इस रेलखंड पर मेमू ट्रेन चलाने की आवश्यकता पर विस्तार से चर्चा की थी। यात्रा के दौरान उन्होंने कहा था कि मढ़ौरा से छपरा होते हुए पटना तक मेमू ट्रेन प्रारंभ होने से क्षेत्र के हजारों दैनिक यात्रियों को बड़ी सुविधा मिलेगी और यह सारण की लंबे समय से चली आ रही जनआकांक्षा है। अब सांसद ने इसी मांग को औपचारिक रूप देते हुए रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव को पत्र लिखकर मढ़ौरा-छपरा-पटना के बीच प्रतिदिन मेमू सेवा प्रारंभ कराने का अनुरोध किया है। पत्र में उन्होंने 19 जून, 2026 को छपरा-आनंद विहार सुपरफास्ट एक्सप्रेस के उद्घाटन समारोह का उल्लेख करते हुए कहा कि उसी अवसर पर जनप्रतिनिधियों एवं स्थानीय नागरिकों ने भी इस रेल सेवा की आवश्यकता से रेल मंत्री को अवगत कराया था। सांसद ने अपने पत्र में कहा है कि सारण प्रमंडल की लगभग एक करोड़ आबादी, विशेषकर सारण जिले के लाखों विद्यार्थी, कर्मचारी, व्यवसायी एवं प्रतिदिन पटना आने-जाने वाले यात्रियों को इस सेवा का सीधा लाभ मिलेगा। साथ ही सड़क मार्ग पर बढ़ते दबाव में कमी आएगी तथा क्षेत्र के औद्योगिक, शैक्षणिक एवं आर्थिक विकास को नई गति मिलेगी। उन्होंने रेल मंत्री से अनुरोध किया है कि पूर्वोत्तर रेलवे एवं पूर्व मध्य रेलवे के महाप्रबंधकों को आपसी समन्वय स्थापित करने का निर्देश दिया जाए, ताकि प्रतिदिन सुबह मढ़ौरा से छपरा होते हुए पटना तक मेमू ट्रेन संचालित हो तथा सायंकाल उसी मार्ग से वापस लौटे। सांसद रुडी ने विश्वास व्यक्त किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में रेलवे के तीव्र विस्तार एवं जनसुविधा की नीति के अनुरूप सारण की यह महत्वपूर्ण मांग भी शीघ्र पूरी होगी।

ई-रिक्शा लुटेरा गिरोह के छह शातिर दबोचे गए

दैनिक नवसंदेश

अंतरजिला स्तर पर संगठित था गिरोह

पुलिस गिरफ्त में ई-रिक्शा चोर गिरोह के शातिर।

बदलाघाट जाने के नाम पर किराए पर लेते थे वाहन

रास्ते में वाहन लूट कर चालक को भगा देते थे लुटेरे

चौथम। पुलिस ने अंतरजिला स्तर पर सक्रिय संगठित ई-रिक्शा (टोटो) लुटेरा गिरोह का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने कार्रवाई के दौरान लूटी गयी दो ई-रिक्शा बरामद किए तथा गिरोह के छह बदमाशों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया। इस कार्रवाई से क्षेत्र में लगातार हो रही ई-रिक्शा लूट की घटनाओं पर अंकुश लगने की उम्मीद जताई जा रही है।

थानाध्यक्ष अजीत कुमार ने बताया कि गिरोह बेहद शातिर तरीके से वारदात को अंजाम देता था। गिरोह के सदस्य पहले खगड़िया जंक्शन पर यात्री बनकर ई-रिक्शा चालकों से संपर्क करते थे और बदलाघाट चलने के लिए वाहन किराये पर लेते थे। रास्ते में सुनसान स्थान पर पहुंचते ही चालक को अपने कब्जे में लेकर ई-रिक्शा लूट लेते थे और मौके से फरार हो जाते थे। इसके बाद चोरी किए गए ई-रिक्शा का रंग और पहचान बदलकर दूसरे जिलों में बेच दिया जाता था, जिससे वाहन की पहचान करना मुश्किल हो जाता था। थाना प्रभारी ने बताया कि हाल ही में एक पीड़ित ई-रिक्शा चालक ने चौथम थाना में लिखित आवेदन देकर अपनी लूटी गई ई-रिक्शा बरामद करने तथा आरोपियों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की थी। आवेदन के आधार पर मामला दर्ज कर पुलिस ने तकनीकी एवं मानवीय सूचना के आधार पर जांच शुरू की।

जांच के दौरान पुलिस को सूचना मिली कि चोरी की एक ई-रिक्शा जवाहर नगर क्षेत्र में चल रही है। सूचना के सत्यापन के बाद पुलिस ने छापेमारी कर उक्त ई-रिक्शा बरामद कर ली तथा उसे चला रहे व्यक्ति को हिरासत में लेकर पूछताछ की। पूछताछ में मिले सुराग के आधार पर पुलिस ने एक अन्य स्थान से दूसरी चोरी की ई-रिक्शा भी बरामद कर ली और दूसरे चालक को गिरफ्तार किया। दोनों आरोपियों से कड़ाई से पूछताछ करने पर पूरे गिरोह का खुलासा हुआ। उनकी निशानदेही पर पुलिस ने चार अन्य आरोपियों को भी गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान करुआ निवासी किशन पासवान, छोटी बलिया निवासी अमन कुमार, बड़ी बलिया निवासी मनीष कुमार, मुंगेर जिले के बहादुर नगर निवासी इंद्रजीत कुमार, देवका निवासी रमेश सिंह सहित गिरोह के एक अन्य सदस्य के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार यह गिरोह कई जिलों में सक्रिय था और सुनियोजित तरीके से ई-रिक्शा चोरी कर उन्हें दूसरे स्थानों पर बेचता था। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि गिरोह ने अब तक कितने ई-रिक्शा चोरी किए हैं और इस नेटवर्क में अन्य कौन-कौन लोग शामिल हैं। साथ ही चोरी के अन्य वाहनों की बरामदगी के लिए भी लगातार छापेमारी की जा रही है।

थानाध्यक्ष अजीत कुमार ने बताया कि सभी गिरफ्तार आरोपियों को आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद न्यायालय में प्रस्तुत किया गया, जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। उन्होंने कहा कि मामले की जांच जारी है और गिरोह से जुड़े अन्य लोगों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार कार्रवाई कर रही है। उन्होंने आम लोगों से भी अपील की कि यदि किसी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी मिले तो इसकी सूचना तुरंत पुलिस को दें, ताकि अपराध पर प्रभावी नियंत्रण रखा जा सके।

बारह वर्षीय बालक पर धारदार हथियार से हमला

बेलदौर (दैनिक नवसंदेश)। कंजरी गांव में चोरी की घटना का विरोध करने पर दबंगों ने 12 वर्षीय मासूम पर धारदार हथियार से जानलेवा हमला कर बालक को गंभीर रूप से घायल कर दिया। बेटे को बचाने आई मां को भी दबंगों ने बेरहमी से पीटकर लहूलुहान कर दिया। इस संबंध में कंजरी गांव निवासी बलजीत कुमार की पत्नी चांदनी देवी ने बेलदौर थाने में आवेदन देकर न्याय की गुहार लगाई है।

पीड़िता चांदनी देवी ने बताया कि गांव के ही संजय सिंह की पत्नी मीना देवी की पुत्री ने गांव में चोरी की। जब पीड़ित परिवार ने चोरी का विरोध किया, तो मीना देवी ने चांदनी देवी के 12 वर्षीय पुत्र अरविंद कुमार के सिर पर धारदार हथियार से जोरदार प्रहार कर दिया। हथियार लगते ही अरविंद खून से लथपथ होकर वहीं गिर पड़ा। चीख-पुकार सुनकर जब महिला अपने बेटे को बचाने दौड़ी, तो दबंगों ने उन्हें भी लाठी-डंडों से पीटकर गंभीर रूप से घायल कर दिया। पीड़ित पक्ष का आरोप है कि वारदात को अंजाम देने के बाद सोनी देवी बेलदौर थाना गई और घायल अरविंद के माता-पिता और परिजनों के खिलाफ ही झूठा मुकदमा दर्ज कराकर उन्हें फंसाने की साजिश रची। महिला जब थाने में झूठी शिकायत दर्ज करा रही थी, तभी पीड़ित परिवार घायल अरविंद को लेकर थाने पहुंचा। 12 साल के बच्चे के सिर से बहते खून और उसकी गंभीर हालत को देख पुलिसकर्मी भी दंग रह गए। पुलिसकर्मियों ने तत्काल मामले की गंभीरता को समझा और छानबीन में जुट गयी।

पंचायत विकास दिवस आज, तैयारी पूरी

चौथम (दैनिक नवसंदेश)। पंचायती राज विभाग के निर्देशानुसार 28 जून को प्रखंड की सभी पंचायतों में पंचायत विकास दिवस मनाया जाएगा। इस अवसर पर प्रत्येक पंचायत में मुखिया की अध्यक्षता में वर्चुअल बैठक आयोजित की जाएगी, जिसमें पंचायत सचिव सहित जनप्रतिनिधि एवं आम नागरिक भाग लेंगे। बैठक का मुख्य उद्देश्य पंचायत स्तर पर संचालित विकास योजनाओं की जानकारी आम जनता तक पहुंचाना, उनकी समस्याओं और सुझावों को सुनना तथा पंचायत के समग्र विकास को गति देने के लिए सामूहिक विचार-विमर्श करना है। इस दौरान पंचायत की विकास योजनाओं, उपलब्धियों और भविष्य की कार्ययोजनाओं पर विस्तार से चर्चा की जाएगी। प्रखंड पंचायती राज पदाधिकारी प्रमथ मयंक ने बताया कि पंचायत विकास दिवस पर होने वाली यह बैठक प्रत्येक पंचायत में एक साथ आयोजित की जाएगी। इसमें जनप्रतिनिधियों के साथ-साथ आम नागरिकों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी।

डीएम ने की पंचायत विकास दिवस की समीक्षा

खगड़िया (दैनिक नवसंदेश)। जिले में रविवार को आयोजित होने वाले पंचायत विकास दिवस-2026 के सफल एवं सुव्यवस्थित आयोजन को लेकर आज जिलाधिकारी विक्रम विरकर ने संबंधित विभागों के पदाधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। बैठक के दौरान कार्यक्रम की सभी तैयारियों की विस्तृत समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने आयोजन स्थल पर सभी आवश्यक आधारभूत सुविधाओं की समयबद्ध उपलब्धता सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कार्यक्रम स्थल तक सुगम पहुँच पथ,साफ-सफाई, पेयजल, विद्युत आपूर्ति, सुरक्षा व्यवस्था, पर्याप्त बैठक व्यवस्था, वाहन पार्किंग की समुचित व्यवस्था तथा आमजन की सुविधाओं का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने सभी संबंधित विभागों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करते हुए निर्धारित समय-सीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण तैयारियाँ पूर्ण करने तथा कार्यक्रम को व्यापक जनसहभागिता के साथ सफल बनाने पर बल दिया। बैठक में यह भी अवगत कराया गया कि पंचायत विकास दिवस-2026 की इस माह की थीम 'महिला हितैषी ग्राम पंचायत' निर्धारित की गई है। इस थीम के अनुरूप विभिन्न गतिविधियों एवं जन-जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा, ताकि ग्राम पंचायतों में महिला सशक्तिकरण एवं समावेशी विकास को और अधिक बढ़ावा दिया जा सके। बताते चले कि 'सशक्त पंचायत- समृद्ध बिहार' के संकल्प को साकार करने की दिशा में पंचायत विकास दिवस का आयोजन एक महत्वपूर्ण पहल है।

बेलदौर में साप्ताहिक जनता दरबार का किया आयोजन

बेलदौर (दैनिक नवसंदेश)। प्रखंड मुख्यालय स्थित आईटी भवन के सभागार में साप्ताहिक जनता दरबार का आयोजन किया गया। जनता दरबार में आए मामलों की सुनवाई राजस्व अधिकारी सत्यनारायण झा ने की, जबकि अंचल लिपिक पंकज कुमार ने इसमें आवश्यक सहयोग दिया। जनता दरबार में गहन सुनवाई के बाद पुराने चल रहे 3 मामलों का मौके पर ही निष्पादन कर दिया गया। इस दौरान 5 नए मामले दर्ज किए गए। प्रशासन ने इन मामलों को पंजीत करते हुए दूसरे पक्ष के लोगों को नोटिस जारी किया है और अगली सुनवाई के लिए मामला विचाराधीन रखा है। वही जनता दरबार में आए फरियादियों ने व्यवस्था पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि यहाँ सिर्फ तारीख पर तारीख मिलती है, लेकिन न्याय नहीं मिल रहा है। वही फरियादियों ने शिकायत की है कि त्वरित न्याय न मिलने के कारण उन्हें कभी अंचल कार्यालय तो कभी थाने के चक्कर लगाने को मजबूर होना पड़ रहा है।

सपनों को मिली उड़ान, प्रतिभाओं को मिला सम्मान

परबत्ता (दैनिक नवसंदेश)। विद्यालयों में ग्रीष्मकालीन अवकाश के बाद बच्चों की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करने के उद्देश्य से 22 जून से 27 जून 2026 तक मध्य विद्यालय बिठला, परबत्ता में पूरे उत्साह के साथ स्वागत सप्ताह मनाया गया। सप्ताहभर विद्यालय परिसर में बच्चों के सर्वांगीण विकास और सीखने के प्रति रुचि बढ़ाने के लिए विभिन्न रचनात्मक गतिविधियों का आयोजन किया गया।कार्यक्रम की शुरुआत ष्हर बच्चे का स्वागत, हर बच्चे का सम्मान थीम के साथ हुई। विद्यालय पहुंचने पर बच्चों का तिलक लगाकर एवं पुष्पवर्षा कर गर्मजोशी से स्वागत किया गया। प्रतिदिन आयोजित चेतना सत्र में शिक्षक मो़ रियाज उद्दीन ने प्रेरक कविता और प्रेरणादायक प्रसंगों के माध्यम से बच्चों का उत्साहवर्धन किया। सप्ताह के दौरान बच्चों से ग्रीष्मकालीन अवकाश के अनुभव साझा कराए गए तथा दिए गए गृहकार्य का अवलोकन किया गया। दूसरे दिन बच्चों ने छुट्टियों में देखे और सीखे गए अनुभव साझा किए, जबकि तीसरे दिन ष्मेरे सपनेष् विषय पर चर्चा आयोजित हुई। इस दौरान बच्चों ने अपने भविष्य के लक्ष्य बताए। किसी ने डक्टर, किसी ने आईएएस अधिकारी, तो किसी ने बिहार पुलिस एवं अन्य सुरक्षा सेवाओं में जाकर देश की सेवा करने की इच्छा व्यक्त की।स्वागत सप्ताह के अंतिम दिन अभिभावक-शिक्षक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बच्चों ने ग्रीष्मकालीन गृहकार्य के अंतर्गत तैयार किए गए विभिन्न मडल, चित्र एवं रचनात्मक प्रोजेक्ट प्रदर्शित किए। आदित्य कुमार, नमन बाबू, अमन कुमार, लाडली कुमारी, सावन कुमारी, सुमित कुमार, अंगद कुमार, प्रशांत कुमार एवं लव कुमार सहित कई बच्चों की उत्ष्ट प्रस्तुतियों की अभिभावकों एवं शिक्षकों ने सराहना की। बेहतर प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को मेडल एवं कलम देकर सम्मानित किया गया।कार्यक्रम में विद्यालय की सचिव, अध्यक्ष सहित सभी शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं अभिभावक उपस्थित रहे। सभी ने स्वागत सप्ताह को बच्चों के आत्मविश्वास, नियमित उपस्थिति और रचनात्मक सोच को बढ़ावा देने वाला प्रेरणादायी आयोजन बताया।

तिलक-गुलदस्ते से अभिभावकों का सम्मान

गोगरी (दैनिक नवसंदेश)। प्राथमिक विद्यालय जयंती ग्राम औता में स्वागत सप्ताह के अंतर्गत 'उपलब्धियों का उत्सव दिवस' थीम पर आधारित अभिभावक-शिक्षक संगोष्ठी का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों की शैक्षणिक उपलब्धियों, अभिभावकों की सहभागिता और शिक्षकों के रचनात्मक प्रयासों को साझा करते हुए सकारात्मक एवं सहयोगात्मक शैक्षणिक वातावरण का निर्माण करना था।

कार्यक्रम की शुरुआत विद्यालय के प्रधान शिक्षक अविनाश कुमार, शिक्षिका मधु कुमारी एवं अन्य शिक्षकों द्वारा सभी अभिभावकों का तिलक-चंदन लगाकर एवं गुलदस्ता भेंट कर आत्मीय स्वागत से हुई। इस अनूठी पहल ने विद्यालय और अभिभावकों के बीच विश्वास तथा सहभागिता को और मजबूत किया। बैठक को संबोधित करते हुए प्रधान शिक्षक अविनाश कुमार ने कहा कि बच्चों के समग्र विकास का सबसे मजबूत आधार विद्यालय और अभिभावकों के बीच निरंतर संवाद और साझेदारी है। उन्होंने कहा कि जब शिक्षक, अभिभावक और विद्यार्थी एक साझा लक्ष्य के साथ आगे बढ़ते हैं तो शिक्षा अधिक प्रभावी और परिणामोन्मुख बनती है। उन्होंने अभिभावकों से बच्चों की नियमित पढ़ाई, विद्यालय में उपस्थिति तथा घर पर सकारात्मक शैक्षणिक माहौल बनाने में सक्रिय भूमिका निभाने की अपील की।

कार्यक्रम को सफल बनाने में शिक्षिका मधु कुमारी की विशेष भूमिका रही। उन्होंने आयोजन की रूपरेखा तैयार करने, अभिभावकों से समन्वय स्थापित करने तथा कार्यक्रम की सभी व्यवस्थाओं को सुचारु रूप से संचालित करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया, जिससे अभिभावकों की उत्साहपूर्ण भागीदारी सुनिश्चित हुई। संगोष्ठी में बच्चों की नियमित उपस्थिति, सीखने की प्रगति, घर पर सहयोग तथा विद्यालय की गतिविधियों में अभिभावकों की भागीदारी पर विस्तार से चर्चा की गई। इस अवसर पर विद्यालय के प्रति उत्कृष्ट सहयोग के लिए प्रियंका देवी को अभिभावक ऑफ द मंथ तथा शैक्षणिक एवं सहशैक्षिक गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए वर्ग पांच की छात्रा साक्षी कुमारी को स्टूडेंट ऑफ द मंथ सम्मान दिया गया।

खगड़िया में मुहर्रम जुलूस शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न

खगड़िया (दैनिक नवसंदेश)। मुहर्रम के अवसर पर पूर्व एमलसी प्रत्याशी सह राजद जिलाध्यक्ष मनोहर कुमार यादव, पूर्व वार्ड पार्षद साहबुद्दीन, पूर्व वार्ड पार्षद सह राजद जिला मीडिया प्रभारी रणवीर कुमार, नसीम उर्फ लंबू, दिलशाद, मुबारक ने हाजीपुर तजिया जुलूस में शामिल होकर गंगा जमुना की तहजीब की मिशाल पेश किया और शांतिपूर्ण ढंग से तजिया जुलूस को सम्पन्न कराया। तजिया जुलूस में सैंकड़ों युवा शामिल होकर अपना करतब दिखा रहे थे। राजद जिलाध्यक्ष मनोहर कुमार यादव ने कहा कि आज हमलोग मुहर्रम के तजिया जुलूस में शामिल होकर शांति पूर्वक तजिया जुलूस को सम्पन्न कराया। जिला शांति समिति की बैठक में जिला पदाधिकारी विक्रम विरकर को कहा था कि खगड़िया में हम - हिन्दू मुस्लिम मिलकर सभी पर्व शांतिपूर्ण तरीके से मनाते हैं चाहे मुहर्रम हो ईद हो होली हो सभी पर्व मिलजुलकर मानते हैं और खगड़िया में मुहर्रम जुलूस भी शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न होगा। खगड़िया जिला में राजद के सभी मुहर्रम के तजिया जुलूस में शामिल होकर जिला प्रशासन का सहयोग करेगें और मुहर्रम का तजिया जुलूस शांतिपूर्ण तरीके से सम्पन्न होगा। उन्होने कहा कि इस्लाम धर्म में मुहर्रम का महीना इस्लामिक कैलेंडर का पहला महीना होता है। इस्लाम में मुहर्रम में सिर्फ नए साल का प्रतीक नहीं है बल्कि इसे त्याग, बलिदान, समर्पण, न्याय और सच्चाई याद दिलाने वाला महीना माना जाता है। इस्लाम में इस महीने को पवित्र महीनों में से एक माना जाता है। मुहर्रम के दसवें दिन को आशूरा कहते हैं। इस दिन पैंगबर मोहम्मद के नवासे इमाम हुसैन और उनके साथियों की शहादत को याद किया जाता है। मुहर्रम की 10वीं तारीख यानी यौम-ए-आशूरा को इमाम हुसैन शहीद हुए थे। इसलिए मुहर्रम का यह दिन खास है। इस दिन दुनिया भर के मुस्लिम लोग कर्बला की याद में रोजा रखते हैं।

मुहर्रम के मौके पर दो दिवसीय मेले का किया गया आयोजन

बेलदौर (दैनिक नवसंदेश)। प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न गांवों में मोहर्रम के अवसर पर दो दिवसीय मेले का आयोजन किया गया। इस दौरान मोहर्रम का पर्व पारंपरिक रीति-रिवाज और शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हुआ। मुस्लिम समुदाय के लोगों ने हजरत इमाम हुसैन के संघर्ष और बलिदान की याद में आकर्षक ताजिया के साथ जुलूस निकाला। लोगों ने हजरत इमाम हसन और हुसैन द्वारा सत्य व इंसानियत के लिए दिए गए सर्वोच्च बलिदान को श्रद्धापूर्वक याद किया। वही चौढ़ली में दो दिवसीय मेले के अखाड़े का उद्घाटन स्थानीय मुखिया प्रतिनिधि किस्मत एवं अन्य अतिथियों ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया। उद्घाटन के बाद आयोजित खेल में ग्रामीण खिलाड़ियों ने हैरतअंगेज करतब दिखाए। खिलाड़ियों ने मानव श्रृंखला बनाकर आतियां प्रदर्शित कीं, जिसे देखकर दर्शकों ने तालियां बजाकर उनका उत्साहवर्धन किया। वही चौढ़ली के अलावा प्रखंड के दिघौन, तरौना, सुखाय वासा, इतमादी, माली, कंजरी, ददरोजा, कुम्हरेली और भोरहा वासा गांवों में भी पारंपरिक अखाड़े का आयोजन किया गया। इस अवसर पर क्षेत्र के दर्जनों लोग मौजूद रहे।

बन्देहरा में शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हुआ मुहर्रम

पसराहा (दैनिक नवसंदेश)। मुहर्रम के पावन अवसर पर बन्देहरा स्थित कर्बला के मैदान में ताजिया जुलूस पूरी सुरक्षा व्यवस्था के बीच श्रद्धा और उत्साह के साथ पहुंचा। इस धार्मिक आयोजन में बड़ी संख्या में स्थानीय निवासियों ने भाग लिया। जुलूस में शामिल अकीदतमंदों ने हजरत इमाम हुसैन और कर्बला के शहीदों की शहादत को याद करते हुए मातमी रस्में अदा कीं। इस दौरान पूरा क्षेत्र या हुसैन और या अली के नारों से गुंजायमान रहा। कर्बला के मैदान में बन्देहरा, महद्दीपुर तथा कमरी के ताजिया का मिलन हुआ, जिसे देखने के लिए लोगों की भारी भीड़ उमड़ी। इस अवसर पर महिला, पुरुष, बच्चे और बुजुर्गों ने अपने-अपने अखाड़े का जौहर दिखाया और अपनी पारंपरिक कला का प्रदर्शन किया। सुरक्षा के ष्टिकोण से पसराहा थानाध्यक्ष राजीव रंजन कुमार ने पुख्ता इंतजाम किए थे और आरडब्ल्यूडी के राजीव रंजन मजिस्ट्रेट के रूप में वहां उपस्थित रहकर स्थिति पर नजर रखे हुए थे। स्थानीय जनप्रतिनिधियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और ग्रामीणों के सक्रिय सहयोग से यह आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। मुहर्रम के इस मौके पर पूरे क्षेत्र में भाईचारे, शांति और सौहार्द का एक अनूठा माहौल देखने को मिला, जहां सभी समुदायों के लोगों ने इस पर्व की गरिमा को बनाए रखने में अपना योगदान दिया। शांतिपूर्ण और अनुशासित तरीके से संपन्न हुए इस आयोजन ने क्षेत्र में सांप्रदायिक सद्भाव की मिसाल कायम की।

गंगा-जमुनी तहजीब के बीच निकली मोहर्रम की ताजिया शोभायात्रा

दौलतपुर में पहलाम के साथ संपन्न हुआ मोहर्रम

अखाड़ा कमेटी ने मुख्य पार्षद सहित पुलिस प्रशासन को किया सम्मानित

अखाड़ा खेलते लोग।

सेवा शिविर का उद्घाटन करते एसडीपीओ।

मुख्य पार्षद को सम्मानित करते अखाड़ा कमेटी।

जमालपुर (मुंगेर) (एनएसबी)। मोहर्रम के अवसर पर जमालपुर शहर में शुक्रवार की पूरी रात आस्था, अनुशासन और सांप्रदायिक सौहार्द का अनूठा संगम देखने को मिला। कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच सदर बाजार, मोहनपुर,जनता मोर,खलासी मोहल्ला क्षेत्र के सभी चार ताजियों की भव्य शोभायात्रा निकाली गई। यात्रा में मुस्लिम समुदाय के साथ अन्य धर्मों के लोगों की भी उल्लेखनीय भागीदारी रही, जिसने गंगा-जमुनी तहजीब की खूबसूरत मिसाल पेश की। शनिवार की सुबह दौलतपुर स्थित कब्रगाह के समीप पारंपरिक रीति-रिवाज के साथ सभी ताजियों का पहलाम किया गया। इधर मोहर्रम शोभा यात्रा के दौरान सुरक्षा व्यवस्था की कमान सदर एसडीपीओ अभिषेक आनंद ने संभाल रखी थी। उन्होंने कि रिस्पांस टीम के साथ मोटरसाइकिल से पूरे शहर का भ्रमण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया तथा तैनात पुलिस पदाधिकारियों और जवानों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। संवेदनशील स्थलों पर अतिरिक्तपुलिस बल की तैनाती की गई थी।सदर बाजार फाड़ी के समीप केंद्रीय प्रतिमा विसर्जन समिति की ओर से लगाए गए सेवा शिविर का उद्घाटन एसडीपीओ अभिषेक आनंद, कार्यपालक पदाधिकारी विजयशील गौतम, अंचल अधिकारी राकेश कुमार, मुख्य पार्षद पार्वती देवी ने संयुक्त रूप से किया। वही मोहर्रम जुलूस के पूर्व गंगा जमुना गंगा जमुना के तहजीब को बरकरार रखते हुए सदर बाजार अखाड़ा दल की ओर से मुख्य पार्षद पार्वती देवी सहित एसडीपीओ एवं थानाध्यक्ष पंकज कुमार पासवान सहित सामाजिक कार्यकर्ता राजन मंडल पगड़ी पहनाकर सम्मानित किया।

इधर मोहर्रम का जुलूस शोभायात्रा शहर के विभिन्न मार्गों से गुजरती हुई जुबली वेल होते हुए दौलतपुर कब्रिस्तान पहुंची। रंग-बिरंगी रोशनी से सजी ट्रलियों पर रखे ताजिए और आकर्षक झांकियां लोगों के आकर्षण का केंद्र बनी रहीं। अखाड़ा संख्या चार द्वारा भारत के वीर सपूत वीर अब्दुल हमीद के शौर्य और बलिदान, नारी सशक्तिकरण एवं एपीजे अब्दुल कलाम पर आधारित झांकी ने विशेष रूप से लोगों का ध्यान खींचा। वहीं युवाओं ने पारंपरिक लाठी, भाला और अन्य युद्ध कौशल का प्रदर्शन कर दर्शकों की खूब वाहवाही बटोरी।मौके पर सरदार बलविंदर सिंह अहलूवालिया, भवेश चौधरी, राजीव नायक, नरेंद्र तांती, सिंटू, बजरंगी,चंद्रशेखर चौरसिया सहित विभिन्न सामाजिक एवं राजनीतिक संगठनों के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

संक्षिप्त खबरें

सीओ के अनुपस्थिति में आयोजित हुआ जनता दरबार

जमालपुर (मुंगेर)। अंचल कार्यालय में शनिवार को साप्ताहिक जनता दरबार का आयोजन सीओ के अनुपस्थिति में हुआ। जनता दरबार में अधिकांश मामले की सुनवाई अगले तिथि के लिए रखा गया। हालांकि कुछ नए मामले की सुनवाई राजस्व अधिकारी ओमप्रकाश प्रसाद ने किया। जिसमें छोटी केशोपुर नाला पार के दिलेश्वर प्रसाद ने अपने भाई पर बिना बटवारा किए मकान बनाने का शिकायत किया। जबकि रितेश कुमार,शंभू ताती,राजेश कुमार ने भी भूमि विवाद से संबंधित मामले जनता दरबार में रखें। इधर सीओ के अनुपस्थित रहने के कारण जनता दरबार की कार्रवाई आधी अधूरी रही।

गैंगस्टर सोनू-मोनू के करीबी बिपुल सिंह गिरफ्तार

बाढ़ (दैनिक नवसंदेश)। पंचमहला थाना क्षेत्र के नौरंगा जलालपुर गांव निवासी चर्चित सोनू-मोनू के पिता की गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने कार्रवाई तेज करते हुए उनके करीबी माने जाने वाले बिपुल सिंह को भी गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, बिपुल सिंह से पूछताछ की जा रही है तथा मामले से जुड़े अन्य बिंदुओं की भी जांच की जा रही है। क्षेत्र में लगातार हो रही पुलिस कार्रवाई से अपराधियों और उनके सहयोगियों में हड़कंप मचा हुआ है। पुलिस का कहना है कि मामले में विधिसम्मत कार्रवाई जारी है और जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

बेईमानी का धन देता है सुविधा सुकून नहीं : आमोद कुमार

बाढ़ (दैनिक नवसंदेश)। लेखक एवं सामाजिक चिंतक आमोद कुमार ने कहा कि बेईमानी से कमाया गया धन भले ही भौतिक सुख-सुविधाएं उपलब्ध करा दे, लेकिन वह कभी भी मन की शांति और सुकून नहीं दे सकता। उन्होंने कहा कि ईमानदारी और परिश्रम से अर्जित धन ही व्यक्ति को आत्मसंतोष, सम्मान और वास्तविक सुख प्रदान करता है।उन्होंने कहा कि वर्तमान भौतिकवादी दौर में लोग धन को ही सफलता का मापदंड मानने लगे हैं, जबकि सफलता का वास्तविक अर्थ सम्मानजनक और संतोषपूर्ण जीवन जीना है।

शिशु एवं बाल भारती कार्यकर्ताओं को दिया गया संगठनात्मक प्रशिक्षण

जमालपुर (मुंगेर)। सरस्वती शिशु मंदिर मुंगेर पथ जमालपुर में शिशु ,बाल किशोर एवं कन्या भारती प्रबोधन वर्ग से संबंधित कार्यकर्ताओं के लिए संगठनात्मक प्रशिक्षण वर्ग का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण में शिशु एवं बाल वर्ग की आयु-सीमा, उनके शारीरिक, मानसिक एवं बौद्धिक विकास, संगठन की कार्यपद्धति तथा विभिन्न दायित्वों की विस्तार से जानकारी दी गई।कार्यकर्ताओं को बालकों की रुचि एवं क्षमता के अनुरूप गतिविधियों के संचालन, टोली निर्माण, बैठक संचालन, पंजी संधारण, कार्यक्रम की योजना, विभागीय दायित्व, संपर्क कार्य,मतदान प्रक्रिया तथा विभिन्न कार्यक्रमों के सफल संचालन के व्यावहारिक पहलुओं का अभ्यास कराया गया।प्रशिक्षकों ने विद्यालय स्तर पर नियमित बैठक, टोली गठन, कार्य विभाजन, अभिलेख संधारण तथा प्रत्येक कार्यक्रम का समयबद्ध एवं अनुशासित संचालन सुनिश्चित करने पर विशेष बल दिया। साथ ही कार्यकर्ताओं को अपने-अपने विद्यालयों में संगठनात्मक गतिविधियों को प्रभावी ढंग से संचालित करने तथा बच्चों में संस्कार, अनुशासन एवं नेतृत्व क्षमता विकसित करने का आह्वान किया।विभाग प्रमुख वीरेन्द्र कुमार ने अपने वक्तव्य में कहा यह प्रशिक्षण वर्ग कार्यकर्ताओं को शिशु भारती एवं बाल भारती की मूल भावना और संगठनात्मक दायित्वों को गहराई से समझने का अवसर प्रदान करता है। हमें बच्चों की शारीरिक, मानसिक और बौद्धिक विकास के साथ-साथ उनमें राष्ट्रप्रेम, अनुशासन और संस्कारों की नींव रखनी है।शिशु मंदिर प्रधानाचार्या किरण कुमारी ने कहा शिशु अवस्था बच्चों के व्यक्तित्व निर्माण की सबसे संवेदनशील कड़ी है। इस प्रशिक्षण के माध्यम से कार्यकर्ताओं को मिली जानकारी और व्यावहारिक अभ्यास उन्हें बच्चों के समग्र विकास में और अधिक प्रभावी भूमिका निभाने में सक्षम बनाएगा। कार्यक्रम प्रमुख अमृता कुमारी, दौलतपुर प्रधानाचार्य छठु साह, सचिव चंद्रशेखर खेतान, कोषाध्यक्ष सुधीर सिंह, लल्लूपोखर प्रधानाचार्य राजेश कुमार,प्रधानाचार्य साकेत कुमार आदि मौजूद थे।

प्रशिक्षण वर्ग में मंच पर बैठे पदाधिकारी।

दिलखुश प्रकरण में गिरफ्तारी देने धरहरा थाना पहुंचे सामाजिक राजनीतिक कार्यकर्ता

धरहरा । दिलखुश प्रकरण में अपराधियों को बचाने की साजिश क्षेत्र में बढ़ते अपराध शराब माफियाओं के आतंक और थाने में बढ़ती दलाली के विरोध में विभिन्न दल के सैकड़ो राजनीतिक सामाजिक कार्यकर्ता व पंचायत प्रतिनिधियों ने शनिवार को धरहरा थाना पहुंचकर विरोध प्रदर्शन किया और पुलिस द्वारा अपराधियों को संरक्षण देने के विरोध में राजनीतिक कार्यकर्ताओं के गिरफ्तार सुनिश्चित करने की माँग की।इसके पूर्व धरहरा के डाक बंगला चौराहा से सपा जिला अध्यक्ष पप्पू यादव उप प्रमुख नीरज कुमार जन सुराज के प्रदेश उपाध्यक्ष राकेश गोप आईपीपी के जिलाध्यक्ष व महागठबंधन के पूर्व प्रत्याशी नरेंद्र तांती युवा राजद के प्रखंड अध्यक्ष संदीप यादव वीआईपी के युवा जिला अध्यक्ष सुमन बिना सरपंच संघ के जिला अध्यक्ष राजीव रंजन सिंह उर्फ कालीचरण सामाजिक कार्यकर्ता पूर्व संरपंच अजय कुमार चंद्रवंशी एवं पप्पी कुमार उर्फ पप्पू यादव के नेतृत्व में मुख्य बाजार से प्रदर्शन करते हुए धरहरा थाना पहुंचा और अपनी गिरफ्तारी की माँग करते हुए थाना परिसर में बैठ गए इस दौरान आंदोलनकारी दम है कितना दमन में तेरे देख रहे हैं देखेंगे दिलखुश प्रकरण के दोषियों को गिरफ्तार करो शराब माफिया और दलालों से थाना को मुक्त करो अभी तो यह अंगराई है आगे तेज लड़ाई है आदि नारे लगा रहे थे। इस दौरान आन्दोलनकारीयो से वार्ता के दौरान थाना अध्यक्ष ने कहा की आंदोलनकारी हमारे अतिथि हैं और अपराधियों को गिरफ्तार करना हमारी प्राथमिकता है, वही उपस्थित नेताओं ने कहा की पूर्व थाना अध्यक्ष दलालों से मिलकर धरहरा क्षेत्र को जातिय उन्माद से उन्मादित्य करना चाहते थे दिलखुश प्रकरण जिसका स्पष्ट प्रमाण है नेताओं ने कहा की पूर्व थाना अध्यक्ष जिस तरह से खुद से एफआईआर लिख कर प्राथमिक दर्ज किया इससे ऐसा प्रतीत होता है कि अपराधियों को थाना का संरक्षण प्राप्त है अगर सप्ताह के अंदर थाना अध्यक्ष ने अपराधियों की गिरफ्तारी सुनिश्चित नहीं की तो हम आंदोलनकारी पुनः एसपी कार्यालय में गिरफ्तारी देने पहुंचेंगे लेकिन किसी भी किमत पर धरहरा की धरती को शासन प्रशासन का ऐशगाह नहीं बनने देगे।

111 सहायक लोको पायलट प्रशिक्षुओं को सम्मान पूर्वक दी गई विदाई

जमालपुर (मुंगेर) - जमालपुर कारखाना स्थित पायलट ट्रेंनिंग स्कूल विद्युत लोको के 111 सहायक लोको पायलट (एएलपी) प्रशिक्षुओं के प्रशिक्षण पूर्ण होने पर प्रमाणपत्र वितरण समारोह का आयोजन किया गया। उत्साह और गरिमामय माहौल में आयोजित इस कार्यक्रम में प्रशिक्षुओं को सफल प्रशिक्षण के लिए सम्मानित किया गया तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई।समारोह के मुख्य अतिथि उप मुख्य यांत्रिक अभियंता (उत्पादन) ड़अभ्युदय एवं विशिष्ट अतिथि उप-प्राचार्य अवधेश प्रसाद राय थे। अतिथियों का स्वागत प्रशिक्षुओं ने पुष्पगुच्छ एवं अंगवस्त्र भेंट कर किया। कार्यक्रम का संचालन अनुदेशक विनय कुमार ने किया।मुख्य अतिथि ने प्रशिक्षुओं को संबोधित करते हुए कहा कि सहायक लोको पायलट रेलवे की सबसे महत्वपूर्ण जिम्मेदारियों में से एक का निर्वहन करते हैं। यात्रियों और ट्रेनों की सुरक्षित आवाजाही का दायित्व उन्हीं के कंधों पर होता है। उन्होंने कहा कि यह प्रशिक्षण केवल तकनीकी ज्ञान तक सीमित नहीं है, बल्कि अनुशासन, कार्य संसति और जिम्मेदारी का भी पाठ पढ़ाता है। उन्होंने प्रशिक्षुओं से तनावमुक्त रहकर पूरी निष्ठा एवं समर्पण के साथ कार्य करने की अपील की। उन्होंने कहा कि भारतीय रेलवे प्रतिभा और मेहनत का सम्मान करती है। यदि कर्मचारी लगन से कार्य करें तो भविष्य में उन्हें देश ही नहीं, बल्कि विदेशों में भी अपनी कार्यक्षमता साबित करने का अवसर मिल सकता है। उन्होंने यह भी बताया कि पहले पीटीएस में केवल डीजल इंजन का प्रशिक्षण दिया जाता था, लेकिन अब विद्युत इंजन का प्रशिक्षण भी सफलतापूर्वक शुरू हो चुका है, जो जमालपुर कारखाना के लिए एक बड़ी उपलब्धि है। विशिष्ट अतिथि उप-प्राचार्य अवधेश प्रसाद राय ने प्रशिक्षुओं को प्रशिक्षण पूर्ण होने पर शुभकामनाएं देते हुए कहा कि वे अपने कार्यस्थल पर प्रशिक्षण के दौरान सीखी गई बातों का पालन करें और रेलवे की सुरक्षा एवं गुणवत्ता को सर्वोच्च प्राथमिकता दें।इस अवसर पर प्रशिक्षुओं ने भी प्रशिक्षण अवधि के अनुभव साझा किए तथा पीटीएस के अधिकारियों एवं प्रशिक्षकों के प्रति आभार व्यक्त किया। पूरे समारोह के दौरान उत्साह, आत्मविश्वास और भावुकता का माहौल बना रहा।कार्यक्रम में प्रशिक्षक विनोद कुमार सिंह, श्याम कुमार, गोपाल कुमार, आकाश कुमार, आनंद कुमार, विनोद कुमार, कुलदीप कुमार, दुर्गेशन कुमार, रंजन कुमार सहित पीटीएस के अनेक अधिकारी, प्रशिक्षक एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

फेयरवेल में शामिल लोको पायलट।

मजदूर के साथ बेवजह हुई मारपीट का मामला पहुंचा थाना

जमालपुर (मुंगेर) - जमालपुर थाना क्षेत्र के छोटी दौलतपुर मैं रहने वाले एक मजदूर ने कुछ लोगों पर घर में घुसकर मारपीट, गाली-गलौज और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है। घायल मजदूर दिनेश कुमार तांती ने थाना में लिखित आवेदन देकर न्याय की गुहार लगाई है।दिए गए आवेदन में घायल मजदूर ने कहा कि बीते रात्रि करीब 8रू30 बजे मजदूरी कर अपने घर लौट रहा तो उस दौरान छोटी दौलतपुर के प्रभाकर कुमार सूरज कुमार एवं फूलचंद कुमार उनके घर पहुंचे और बेवजह गाली-गलौज करने लगे। विरोध करने पर आरोपियों ने उनके साथ मारपीट करते हुए बुरी तरह घायल कर दिया।शोर-शराबा सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे।जिसके बाद आरोपी वहां से फरार हो गए। घटना के बाद पीड़िता ने जमालपुर थाना पहुंचकर लिखित शिकायत दर्ज कराते हुए आरोपियों के विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की है।फिलहाल थानाध्यक्ष पंकज कुमार पासवान ने आवेदन प्राप्त कर मामले की जांच कर कार्रवाई करने की बात कही है।

थाना से बाहर निकलते घायल मजदूर।

मुख्यमंत्री के कार्यक्रम को लेकर जिला प्रशासन ने की तैयारी पूरी

डीआईजी के नेतृत्व में लिया गया विधि व्यवस्था का जायजा

तैयारी का जायजा लेते आयुक्त एवं डीआईजी।

मुंगेर (एनएसबी)। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के संभावित मुंगेर जिला आगमन एवं टेटिया बंबर प्रखंड अंतर्गत प्रस्तावित कार्यक्रम को लेकर जिला प्रशासन द्वारा सभी तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं। पूरे कार्यक्रम को सुचारु, सुरक्षित एवं व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद है। इसी क्रम में शनिवार को प्रमंडलीय आयुक्त प्रेम सिंह मीणा एवं पुलिस उप महानिरीक्षक राकेश कुमार ने टेटिया बंबर प्रखंड पहुंचकर मुख्यमंत्री के संभावित कार्यक्रम स्थलों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने कार्यक्रम से जुड़े सभी महत्वपूर्ण स्थलों का भ्रमण कर वहां की तैयारियों का बारीकी से जायजा लिया। मौके पर जिलाधिकारी निखिल धनराज निप्पाणीकर, पुलिस अधीक्षक सैयद इमरान मसूद सहित जिला प्रशासन एवं पुलिस प्रशासन के सभी वरीय पदाधिकारी, विभिन्न विभागों के अधिकारी तथा संबंधित कार्यपालक एजेंसियों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।निरीक्षण के दौरान प्रमंडलीय आयुक्त ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि कार्यक्रम से जुड़ी प्रत्येक व्यवस्था समय रहते पूरी कर ली जाए तथा किसी भी स्तर पर लापरवाही की गुंजाइश न रहे। उन्होंने कहा कि सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन सुनिश्चित करें, ताकि कार्यक्रम सफलता पूर्वक सम्पन्न कराया जा सके। पुलिस उप महानिरीक्षक ने सुरक्षा एवं विधि-व्यवस्था की तैयारियों हेतु पुलिस पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने संवेदनशील स्थलों पर विशेष सतर्कता बरतने, पर्याप्त पुलिस बल की प्रतिनियुक्ति, यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने तथा सुरक्षा प्रोटोकल का पूर्णतः पालन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।जिलाधिकारी निखिल धनराज निप्पाणीकर ने प्रमंडलीय आयुक्त एवं पुलिस उप महानिरीक्षक को कार्यक्रम की तैयारियों से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि जिला प्रशासन द्वारा सभी विभागों के साथ समन्वय स्थापित कर कार्यक्रम की प्रत्येक व्यवस्था सुनिश्चित कर ली गई है। कार्यक्रम स्थल पर आगंतुकों की सुविधा, पेयजल, शौचालय, बैठने की व्यवस्था, बैरिकेडिंग, पार्किंग, विद्युत आपूर्ति, साफ-सफाई, चिकित्सा दल, एम्बुलेंस एवं आपदा प्रबंधन संबंधी सभी आवश्यक प्रबंध किए गए हैं।जिलाधिकारी ने बताया कि कार्यक्रम के सफल एवं शांतिपूर्ण संचालन के लिए दंडाधिकारियों एवं पुलिस पदाधिकारियों की प्रतिनियुक्ति की गई है। सभी संबंधित अधिकारियों एवं कर्मियों को उनकी जिम्मेदारियां स्पष्ट रूप से निर्धारित कर दी गई हैं तथा उन्हें निर्धारित समय से पूर्व अपने-अपने प्रतिनियुक्ति स्थल पर उपस्थित रहने का निर्देश दिया गया है।

संक्षिप्त खबरें

शहर में विद्युत ने ऐसी चाल चली आम लोग रो पड़े

सोनपुर (एनएसबी) शुक्रवार की मध्य रात्रि से विद्युत उर्जा कटने लगी और शनिवार की सुबह विद्युत कटी तो दोपहर में आई। विद्युत के भरोसे जल-नल की पानी ग्रामीणों को मिली ही नहीं। जिसके कारण पानी के लिए हाहाकार मच गई। चापाकल की तलाश में शहरवासी फटकते रहे। स्थिति यह उत्पन्न हो गई घरों में चुल्हा जलाने में भारी परेशानी उठानी पड़ी। शायद विद्युत विभाग यह भूल गई कि इन दिनों प्रदेश भीषण गर्मी से लोग जूझ रहे है। सोनपुर में 38ः से 48ः जैसा तापमान का गोला बिछ रही है। लोगों को घरों से निकलने में भारी परेशानी हो रही है। बारिश का मौसम होने के बावजूद भी बारिश छुप गई। आसमान में बादल आ जा रही है, लेकिन बारिश का कोई अता-पता नहीं दिख रहा है। वहीं आम लोगों ने विद्युत विभाग से गुहार लगा रही है कि कम-से-कम इस भीषण गर्मी में विद्युत उर्जा सामान्य रुप से बहाल करें। जिससे जन जीवन प्रभावित न हो।

तनाव की दवा बन रही नशे का जाल, युवाओं का भविष्य खतरे में

साइकेडेलिक ड्रग्स पर रोक लगाने की उठी मांग

डा. अजीत कुमार ने स्वास्थ्य मंत्री से की हस्तक्षेप की अपील

बाढ़ (दैनिक नवसंदेश)। मानसिक तनाव और अवसाद के उपचार के नाम पर उपयोग की जाने वाली साइकेडेलिक दवाओं का बढ़ता दुरुपयोग अब समाज के लिए गंभीर चिंता का विषय बनता जा रहा है। ड अजीत कुमार, ने स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार से युवाओं के बीच तेजी से फैल रहे इन नशीले पदार्थो पर प्रभावी नियंत्रण एवं आवश्यक प्रतिबंध लगाने की मांग की है।अजीत कुमार ने कहा कि तनाव और इलाज के नाम पर एलएसडी, एमडीएमए, साइलोसाइबिन तथा केटामाइन जैसी दवाओं का गलत इस्तेमाल युवा पीढ़ी को नशे की दलदल में धकेल रहा है। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि समय रहते इस पर सख्त कदम नहीं उठाए गए तो आने वाली पीढ़ी गंभीर सामाजिक और मानसिक संकट का सामना कर सकती है।नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) की हालिया रिपोर्ट ने भी इस खतरे की पुष्टि की है। रिपोर्ट के अनुसार इन दवाओं का बिना चिकित्सकीय सलाह के सेवन तेजी से बढ़ रहा है और इसका सबसे अधिक प्रभाव युवाओं पर पड़ रहा है। डार्कनेट, क्रिप्टोकरेंसी और एन्क्रिप्टेड सोशल मीडिया प्लेटफर्म के जरिए नशा तस्करी का नेटवर्क लगातार विस्तार कर रहा है।एनसीबी के आंकड़ों के मुताबिक वर्ष 2023 में विश्वभर में करीब 316 करोड़ लोगों ने विभिन्न प्रकार के मादक पदार्थो का सेवन किया। वहीं सिंथेटिक ड्रग्स और कोकीन के बढ़ते उत्पादन ने वैश्विक स्तर पर चिंता को और बढ़ा दिया है। सुजीत कुमार सोनू ने सरकार से मांग की है कि ऐसी दवाओं के दुरुपयोग पर कड़ी निगरानी रखी जाए, जागरूकता अभियान चलाए जाएं तथा युवाओं को नशे के दुष्परिणामों के प्रति सचेत किया जाए। उन्होंने कहा कि नशे के खिलाफ समाज, परिवार और सरकार को मिलकर निर्णायक लड़ाई लड़नी होगी, तभी युवा पीढ़ी को इस खतरनाक जाल से बचाया जा सकेगा।

नशामुक्त जीवन जिएं, हर पल का आनंद लें : सुजीत कुमार सोनू

बाढ़ (दैनिक नवसंदेश)। प्रखंड सांख्यिकी पदाधिकारी सुजीत कुमार सोनू ने लोगों से नशे से दूर रहकर स्वस्थ एवं खुशहाल जीवन जीने की अपील करते हुए कहा कि नशा किसी भी प्रकार का हो, वह व्यक्ति के जीवन को धीरे-धीरे विनाश की ओर ले जाता है। उन्होंने कहा कि नशा केवल व्यक्ति को ही नहीं, बल्कि उसके परिवार और समाज को भी गहरे संकट में डाल देता है।उन्होंने कहा कि सिगरेट, शराब, तंबाकू, गुटखा और ड्रग्स जैसी नशीली वस्तुएं व्यक्ति की सोचने-समझने की क्षमता को प्रभावित करती हैं तथा उसे वास्तविक जीवन से दूर कर देती हैं। नशे की लत के कारण व्यक्ति अपने ऊपर से नियंत्रण खो देता है और उसका संपूर्ण जीवन प्रभावित होने लगता है।सुजीत कुमार सोनू ने कहा कि जीवन ईश्वर का अनमोल उपहार है और प्रत्येक व्यक्ति को इसे सकारात्मक कार्यो तथा समाज और राष्ट्र की सेवा में लगाना चाहिए। उन्होंने कहा कि नशे की गिरफ्त में आने वाला व्यक्ति केवल अपना भविष्य ही नहीं, बल्कि अपने परिवार की खुशियां भी दांव पर लगा देता है।उन्होंने बताया कि लगातार जागरूकता अभियान चलाए जाने के बावजूद नशे की प्रवृत्ति बढ़ रही है, जिसके कारण हर वर्ष बड़ी संख्या में लोग अपनी जान गंवा रहे हैं। इसी उद्देश्य से प्रत्येक वर्ष 26 जून को अंतर्राष्ट्रीय नशा निरोधक दिवस मनाया जाता है, ताकि लोगों को नशे के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक किया जा सके।सुजीत कुमार सोनू ने सरोगेट विज्ञापनों पर भी चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि फिल्मों और विज्ञापनों के माध्यम से नशीले उत्पादों का अप्रत्यक्ष प्रचार युवाओं को गलत दिशा में ले जा रहा है। उन्होंने कहा कि समाज को ऐसे प्रचारों से सावधान रहने की आवश्यकता है।उन्होंने लोगों से अपील की कि वे नशामुक्त जीवन अपनाकर अपने परिवार के साथ खुशहाल जीवन व्यतीत करें। उन्होंने कहा कि जीवन आनंद, प्रेम और जिम्मेदारियों के साथ जीने के लिए मिला है, न कि नशे के अंधकार में खो जाने के लिए।

सुजीत कुमार सोनू,सांख्यिकी पदाधिकारी।

नीतीश-आरसीपी मुलाकात से बिहार की राजनीति में हलचल, सियासी गलियारों में तेज हुए कयास

बाढ़ (दैनिक नवसंदेश)। बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री एवं जनता दल (यू) के वरिष्ठ नेता नीतीश कुमार और पूर्व केंद्रीय मंत्री आऱसीपी़ सिंह की हालिया मुलाकात के बाद राज्य की राजनीति में चर्चाओं का दौर तेज हो गया है। राजनीतिक गलियारों में इस मुलाकात के कई मायने निकाले जा रहे हैं। जानकारों का मानना है कि दोनों नेताओं के बीच हुई बातचीत का असर आने वाले दिनों में बिहार की राजनीति पर पड़ सकता है। सियासी हलकों में यह चर्चा है कि इस मुलाकात के बाद किसी नेता का राजनीतिक कद बढ़ सकता है तो किसी की भूमिका सीमित हो सकती है। हालांकि, दोनों नेताओं की ओर से मुलाकात के संबंध में कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है। राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि बिहार में बदलते राजनीतिक समीकरणों के बीच इस मुलाकात को महत्वपूर्ण माना जा रहा है। लंबे समय बाद दोनों नेताओं के एक साथ आने से विभिन्न तरह के कयास लगाए जा रहे हैं। फिलहाल, राजनीतिक दलों और आम लोगों की निगाहें आगामी राजनीतिक गतिविधियों पर टिकी हुई हैं। आने वाले दिनों में इस मुलाकात के राजनीतिक निहितार्थ स्पष्ट होने की संभावना जताई जा रही है।

नीतीश कुमार एवं आर सी पी सिंह गुफ्तगू करते हुए।

अधिकारों की जागरूकता ही सशक्त लोकतंत्र की नींव : संजय कुमार सिंह

बाढ़ (दैनिक नवसंदेश)। लोकतंत्र की मजबूती के लिए नागरिकों में अधिकारों एवं कर्तव्यों के प्रति जागरूकता आवश्यक है। यह बात सामाजिक चिंतक एवं सामाजिक कार्यकर्ता संजय कुमार सिंह ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कही।उन्होंने कहा कि लोकतंत्र केवल मतदान तक सीमित व्यवस्था नहीं है, बल्कि यह नागरिकों की जागरूकता, सहभागिता और उत्तरदायित्व पर आधारित एक सशक्त प्रणाली है। जब तक आम नागरिक अपने संवैधानिक अधिकारों, कर्तव्यों और लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं को नहीं समझेंगे, तब तक लोकतंत्र की वास्तविक भावना मजबूत नहीं हो सकेगी।श्री संजय कुमार सिंह ने कहा कि शिक्षा, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, समान अवसर, न्याय प्राप्ति तथा सूचना का अधिकार जैसे संवैधानिक अधिकार नागरिकों को सशक्त बनाते हैं। उन्होंने नागरिकों से अपने अधिकारों के साथ-साथ कर्तव्यों के प्रति भी सजग रहने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में नागरिकों की सक्रिय भागीदारी, जागरूकता और जिम्मेदारी शासन व्यवस्था को अधिक पारदर्शी एवं जवाबदेह बनाती है। साथ ही उन्होंने शिक्षा को जागरूकता का सबसे महत्वपूर्ण माध्यम बताते हुए विद्यालयों एवं सामाजिक संस्थाओं से नागरिक शिक्षा को बढ़ावा देने की अपील की।

यह शासन नहीं कुशासन है : अजय राय

उत्तर प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष ने की दोषी पुलिसकर्मियों को फांसी देने की मांग

दैनिक नवसंदेश

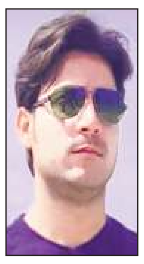

भरत भूषण तिवारी का फाइल फोटो।

शाहपुर। उत्तर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय शनिवार को शाहपुर थाना क्षेत्र के बिलौटी गांव पहुंचे। जहां उन्होंने कथित पुलिस एनकाउंटर में मारे गए भरत तिवारी के परिजनों से मुलाकात कर उन्हें सांत्वना दी। इस दौरान उन्होंने मामले की जानकारी ली और दोषी पुलिसकर्मियों के विरुद्ध फास्ट ट्रैक कोर्ट में मुकदमा चलाकर कड़ी से कड़ी सजा दिलाने की मांग की। अजय राय ने दावा किया कि भरत तिवारी भ्रष्टाचार और व्यवस्था के खिलाफ आवाज उठाता था। इसलिए उसकी हत्या की गई। उन्होंने कहा कि "वह व्यवस्था परिवर्तन की लड़ाई लड़ रहा था। मैं उसकी मां को नमन करता हूं, जिन्होंने ऐसे बेटे को जन्म दिया।" उन्होंने केंद्र और राज्य सरकार पर भी निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि भाजपा शासित राज्यों में ब्राह्मण समाज को निशाना बनाया जा रहा है। उन्होंने उत्तर प्रदेश के विकास दुबे प्रकरण का उल्लेख करते हुए कहा कि बिलौटी की घटना भी उसी प्रकार की है। उन्होंने बिहार सरकार को "सुशासन नहीं, कुशासन की सरकार" बताया और कहा कि यदि दोषियों के खिलाफ कार्रवाई नहीं हुई तो कांग्रेस इस मुद्दे को सड़क से लेकर सदन तक उठाएगी। अजय राय ने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि पीड़ित परिवार के किसी भी सदस्य को नुकसान पहुंचा तो कांग्रेस पूरे देश में आंदोलन करेगी। इस अवसर पर पूर्व विधायक संजय तिवारी उर्फ मुन्ना तिवारी, जिलाध्यक्ष श्रीधर तिवारी, अध्यक्ष राजेश तिवारी, राकेश त्रिपाठी सहित कांग्रेस के कई स्थानीय पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता भी मौजूद रहे।

बिलौटी पहुंचे अजय राय ने सरकार पर किया तीखा हमला

भरत तिवारी के परिजनों से मिले हरियाणा के कांग्रेस विधायक

बोले- परिवार को मिले न्याय, न्यायिक जांच और सुस्त कारवाई को लेकर सरकार पर उठाए सवाल

शाहपुर (दैनिक नवसंदेश)। पुलिस द्वारा कथित तौर पर एनकाउंटर में मारे गए बिलौटी गांव निवासी भरत तिवारी के परिजनों से मिलने हरियाणा के कांग्रेस विधायक कुलदीप वत्स शनिवार को बिलौटी गांव पहुंचे। उन्होंने शोकाकुल परिवार से मुलाकात कर घटना की जानकारी ली और उन्हें सांत्वना दी। इस दौरान विधायक कुलदीप वत्स ने कहा कि कांग्रेस पार्टी हर परिस्थिति में पीड़ित परिवार के साथ खड़ी है तथा उन्हें न्याय मिलना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि यह मामला पूरी तरह से फर्जी एनकाउंटर का प्रतीत होता है और इसकी निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार में पुलिस व्यवस्था के खिलाफ आवाज उठाने वालों को निशाना बनाया जा रहा है तथा दोषी पुलिसकर्मियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए। उन्होंने मामले की जांच अवकाश प्राप्त हाई कोर्ट के न्यायाधीश से कराए जाने पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि जांच किसी सिटिंग जज से कराई जानी चाहिए थी। ताकि निष्पक्ष एवं शीघ्र जांच के साथ दोषियों को सजा मिल सके और पीड़ित परिवार को जल्द न्याय प्राप्त हो। मौके पर कांग्रेस के जिलाध्यक्ष श्रीधर तिवारी, राकेश त्रिपाठी, प्रखंड अध्यक्ष राजेश तिवारी, पंकज त्रिपाठी सहित कांग्रेस के कई कार्यकर्ता एवं स्थानीय लोग उपस्थित रहे।

राष्ट्रवादी ब्राह्मण महासंघ ने की एक करोड़ मुआवजा और सरकारी नौकरी की मांग

शाहपुर (दैनिक नवसंदेश)। राष्ट्रवादी ब्राह्मण महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष परेश दत्त भारद्वाज के नेतृत्व में महासंघ का एक प्रतिनिधिमंडल शनिवार को बिलौटी गांव पहुंचा, जहां उन्होंने भरत तिवारी के परिजनों से मुलाकात कर उन्हें सांत्वना दी। मुलाकात के बाद परेश दत्त भारद्वाज ने कहा कि भरत तिवारी एक पढ़े-लिखे और होनहार युवक थे, जिन्हें समाज ने खो दिया है। उन्होंने दावा किया कि भरत तिवारी सनातन विचारधारा से जुड़े थे और हिंदू समाज के मुद्दों पर मुखर रहते थे। उन्होंने आरोप लगाया कि यदि भरत तिवारी ने आत्मसमर्पण किया था, तो उनकी हत्या क्यों की गई। उन्होंने यह भी कहा कि संभव है कि भरत तिवारी के पास कुछ अधिकारियों के विरुद्ध ऐसे साक्ष्य रहे हों, जिनसे उन्हें परेशानी हो रही हो। उन्होंने राज्य सरकार से भरत तिवारी के परिजनों को एक करोड़ रुपये का मुआवजा तथा परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी देने की मांग की। साथ ही कहा कि महासंघ पीड़ित परिवार के साथ हर परिस्थिति में खड़ा रहेगा। उन्होंने भरत तिवारी की माता को आश्वस्त किया कि भविष्य में उनकी बेटी की शादी सहित हर आवश्यक अवसर पर संगठन पूरा सहयोग करेगा। इस अवसर पर महासंघ की सरिता पांडे, विकास द्विवेदी एवं अरुण शर्मा सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबरें

आनंद नगर फीडर के कुछ इलाकों में छह घंटे बाधित रहेगी विद्युत आपूर्ति

आरा (दैनिक नवसंदेश)। शहर के आनंदनगर महावीर मंदिर के पास के ट्रांसफार्मर के लोड को बांटने हेतु एलटी केबल लगाया जाएगा। डसके कारण आनंद नगर, गली नं. 1, 2, 3, 4, श्री टोला, पिपरहिया रोड के आसपास के क्षेत्रों में 28 जून की सुबह 10 बजे से संध्या 4 बजे तक विद्युत आपूर्ति बाधित रहेगी।

विषैले सांप के डंसने से बुजुर्ग महिला की मौत

आरा/बिहियां (दैनिक नवसंदेश)। कटेया गांव में विषैले सांप के डंसने से बुजुर्ग महिला की मौत हो गई। मृतका कटेया गांव निवासी भोला महतो की 60 वर्षीया पत्नी सुगिया देवी हैं। मृतका के छोटे बेटे सुजीत महतो ने बताया कि वह शनिवार की दोपहर घर से बाहर जा रही थी। इसी दौरान विषैले सांप ने उन्हें डंस लिया, जिससे उनकी हालत काफी गंभीर हो गई। तब परिजन उन्हें सदर अस्पताल ले गए जहां इलाज के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया। परिजन बिना पोस्टमार्टम कराए ही शव को वापस गांव ले गए। बताया जाता है कि मृतका की दो पुत्री शारदा, लालसा व दो पुत्र हीरालाल महतो व सुजीत महतो हैं।

करंट की चपेट में आयी महिला

आरा (दैनिक नवसंदेश)। मुफस्सिल थाना क्षेत्र के गोठहुला गांव में शनिवार की दोपहर करंट की चपेट में आने से महिला घायल हो गई। उसे सदर अस्पताल लाया गया। घायल महिला गोठहुला गांव निवासी बासुकीनाथ चौधरी की 25 वर्षीया पत्नी प्रियंका कुमारी है। घायल महिला के परिजन ने बताया कि शनिवार की दोपहर वह घर के इलेक्ट्रिक बोर्ड में पंखे का प्लग लगा रही थी। उसी दौरान वह करंट की चपेट में आ गई और गंभीर रूप से घायल हो गई।

नई आशा की नशा मुक्ति कार्यशाला आज

आरा (दैनिक नवसंदेश)। नई आशा द्वारा कल उदवंनगर प्रखंड के चौराई माता साबरी सभागार में नशा मुक्ति कार्यशाला आयोजित की गयी है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सहायक आयुक्त मद्य निषेध एवं उत्पाद विभाग रजनीष कुमार होंगे। यह जानकारी नई आशा के जिला समन्वयक कुंदन कुमार ने दी।

मनोज मेमोरियल अस्पताल का उद्घाटन

आरा (दैनिक नवसंदेश)। पुरानी पुलिस लाइन स्थित मनोज मेमोरियल अस्पताल का उद्घाटन आरा नगर निगम की मेयर इंदु देवी ने किया। कार्यक्रम में डीएम तनय सुल्तानिया, एडीएम शशि शेखर, हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ. एसएम ईशा, पटना के हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ. भरत सिंह, डॉ. बीके शुक्ला, डॉ. विजय गुप्ता, डॉ. अमरेंद्र कुमार तथा डॉ. कुमार जितेंद्र मौजूद रहे। उद्घाटन के दौरान जय मां काली बखोरापुर वाली ट्रस्ट के मुख्य संरक्षक सुनील सिंह गोपाल सहित सभी मेंबर उपस्थित रहे। मौर्या होटल के जीएम बीडी सिंह ने बताया कि यह आरा शहर वासियों के लिए सुलभ रहेगा। यहां महंगे उपकरण लगाए गए हैं ताकि इलाज के दौरान कोई असुविधा नहीं हो। पूरा अस्पताल डॉ. आनंद की देखरेख में चलेगा। डॉ. आनंद ने कहा कि यह हमारा सौभाग्य है कि हम अपने शहर वासियों तथा जिला वासियों की सेवा आरा शहर में करेंगे।

रविकांत को मिला एजुकेशनल एक्सीलेंस एंड लीडरशिप अवॉर्ड-2026

कोईलवर (दैनिक नवसंदेश)। आरपीपीएस स्कूल के निदेशक एवं प्राइवेट स्कूल एंड चिल्ड्रेन वेलफेयर एसोसिएशन के जिला उपाध्यक्ष रविकांत राय को शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट नेतृत्व, गुणवत्तापूर्ण शिक्षण व्यवस्था तथा नवाचारपूर्ण योगदान के लिए राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित किया गया। उन्हें हैदराबाद में आयोजित प्राइवेट स्कूल्स एंड चिल्ड्रेन वेलफेयर एसोसिएशन की 15वीं नेशनल काउंसिल मीट के दौरान एजुकेशनल एक्सीलेंस एंड लीडरशिप अवॉर्ड-2026 से सम्मानित किया गया। 19 से 21 जून तक आयोजित इस राष्ट्रीय परिषद की बैठक में देशभर के निजी विद्यालयों के संचालकों, शिक्षाविदों एवं शिक्षा विशेषज्ञों ने भाग लिया। समारोह में रविकांत राय को विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास, आधुनिक शिक्षण पद्धति को बढ़ावा देने तथा गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए यह सम्मान दिया गया।

धन के लालच में विश्वासघात नहीं करना चाहिए : जीयर स्वामी

आरा (दैनिक नवसंदेश)। सदर प्रखंड के गंगहर मठिया पर स्वामी जी का आगमन हुआ। मीडिया प्रभारी अखिलेश बाबा ने बताया कि स्वामी जी का चातुर्मास व्रत भभुआ में 29 जून से प्रारंभ होने जा रहा है। अब 4 महीने बाद स्वामी जी का दर्शन होगा। बारा बसंतपुर में लोगों को संबोधित करने के बाद गंगहर मठिया पर स्वामी जी का आगमन हुआ। वहां ठाकुर जी का मंदिर बन रहा है जिसके लिए यज्ञ का आयोजन किया गया है। स्वामी जी महाराज ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि धन के लालच में किसी के साथ विश्वासघात नहीं करना चाहिए। हो सकता है थोड़े से धन में काम चलाना पड़े या थोड़ी सी परेशानी उठानी पड़े, यह सही है। लेकिन, सुख भोगने की लालच में अगर किसी मित्र, साथी के साथ या किसी भी व्यक्ति के साथ धन के लोभ में विश्वासघात किया जाए यह कदापि उचित नहीं है। इससे बहुत बड़ा दोष लगता है। भागवत कथा अनुष्ठान पूर्वक सुनने पर कल्याण होता है। कथा सुनने के समय संसारिकता से अलग एकाग्रचित्त होने पर फल प्राप्ति होती है। भगवान की कृपा होने पर पति-पत्नी में मधुरता रहती है। यदि पत्नी कर्कशा हो और घर में बच्चों की किलकारी भी नहीं हो, तो सुख-शांति नहीं रहती। उन्होंने कहा कि जो पाप दुराग्रह के साथ हो, वह महापाप है। ब्राह्मण, गाय, परिजन और महापुरुषों की हत्या और विश्वासी के साथ विश्वासघात करना महापाप की श्रेणी में आता है। शराब पीने, जुआ खेलने, हत्या करने और न्यायालय में मुकदमा करने वाले की सम्पति प्रायः नष्ट हो जाती है। इन कारणों से प्राप्त गरीबी का समाज उपहास करती है, क्योंकि अपनी गरीबी और बेबसी का कारण भी ये स्वयं होते हैं। ऐसे लोगों के प्रति किसी का दयाभाव नहीं होता। ये साधन का दुरुपयोग और दुराग्रह युक्त पाप के भागी होते हैं। उन्होंने कहा कि मांस, मनुष्य के लिए उचित नहीं। मांस खाने के लिये परपोषी जीवों का कुतर्क नहीं देना चाहिए। मुनष्य के शरीर की संरचना परपोषी जीवों से अलग है। अगर मुनष्य छह माह कच्चा मांस खा ले तो चर्म रोग के साथ ही उसका पाचन तंत्र बुरी तरह प्रभावित हो जाएगा। अपने स्वार्थ और गलत इच्छा की पूर्ति के लिए कुतर्क का सहारा नहीं लेना चाहिए।

कुंडी से लटका मिला नवविवाहिता का शव

परिजनों ने फांसी लगाकर आत्महत्या करने की कही बात

पुलिस ने शव का सदर अस्पताल में कराया पोस्टमार्टम

बिहिया थाना क्षेत्र के संडौर गांव का मामला

पूजा कुमारी का फाइल फोटो।

आरा (दैनिक नवसंदेश)। जिले के बिहिया थाना क्षेत्र के संडौर गांव में शनिवार की सुबह छत की कुंडी से लटका नवविवाहिता का शव बरामद हुआ। वही मृतका के परिजन द्वारा आत्महत्या करने की बात कही जा रही है। घटना को लेकर गांव एवं आसपास के इलाके में सनसनी मच गई। जानकारी के अनुसार मृतका बिहिया थाना क्षेत्र के संडौर गांव निवासी जगनारायण यादव की 20 वर्षीया पत्नी पूजा कुमारी है। इधर, मृतका के भैसुर सत्य नारायण यादव ने बताया कि शुक्रवार की शाम उसने खाना बनाया। उसके बाद सभी लोग खाना खाने के बाद छत पर सोने गए। वह अपने कमरे में सोने चली गई। कमरे में दरवाजा नहीं है, उसमें पर्दा लगा हुआ है। शनिवार की सुबह जब वे लोग छत से नीचे आए और उसके कमरे का पर्दा हटाया, तो देखा कि उसका शव छत की कुंडी से लटका है। पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम सदर अस्पताल में करवाया। वहीं दूसरी तरफ बक्सर जिले के सिमरी थाना क्षेत्र के सिमरी गांव निवासी हरेंद्र यादव की पत्नी व मृतका की मां सुलखी देवी द्वारा स्थानीय थाना में लिखित आवेदन दिया है। दिए गए आवेदन में उनके द्वारा कहा गया है कि उन्होंने अपनी बेटी पूजा कुमारी की शादी डेढ़ वर्ष पूर्व बिहिया थाना क्षेत्र के संडौर गांव निवासी उमाशंकर यादव के पुत्र जग नारायण यादव से की थी। इसी बीच शनिवार को उनकी बेटी पूजा कुमारी अपने ससुराल में खुद से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना के बाद मृतका के घर में कोहराम मच गया। उसकी मां सुलखी देवी एवं परिवार के सभी सदस्यों का रो-रोकर बुरा हाल है।

अमरूद के पेड़ में लटकने के दौरान गला दब जाने से बालक की मौत

गड़हनी (दैनिक नवसंदेश)। गड़हनी थाना क्षेत्र के बड़ौरा गांव में शनिवार की सुबह अमरूद के पेड़ से लटकने के दौरान गला दब जाने के कारण एक बालक की मौत हो गई। इलाज के लिए सदर अस्पताल लाने के दौरान उसने दम तोड़ दिया। घटना को लेकर गांव एवं आसपास के इलाके में सनसनी मच गई। जानकारी के अनुसार मृत बालक शाहपुर थाना क्षेत्र के देवकुली गांव निवासी सनत कुमार दुबे का 8 वर्षीय पुत्र इशांत कुमार दुबे है। वह कई वर्ष से गड़हनी थाना क्षेत्र के बड़ौरा गांव में अपने पूरे परिवार के साथ ननिहाल में ही रहता था। इधर, मृतक की मां ने बताया कि वह घर में खेल रहा था। इसी बीच वह घर के बगल में स्थित अमरूद के पेड़ पर चढ़ गया। जहां से गिर जाने के कारण उसका गला दब गया, जिससे उसकी मौत हो गई। इसके बाद उन्होंने उसकी बहन से कहा कि देखो बाबू कहां गया है। जब उसकी बहन वहां पहुंची, तो देखा कि वह पेड़ से लटका हुआ है। इसके बाद परिजन द्वारा आनन-फानन में अपनी संतुष्टि को लेकर सदर अस्पताल लाया गया। जहां चिकित्सक ने देख उसे मृत घोषित कर दिया। तब परिजन शव को वापस गांव ले गए। बताया जाता है कि मृत बालक अपने दो बहन व एक भाई में छोटा था एवं वह अपने मां-बाप का इकलौता चिराग था। उसके परिवार में मां व दो बहन श्रेष्ठी एवं श्रेया है। घटना के बाद मृत बालक के घर में हाहाकार मच गया।

चंदवा में तबियत बिगड़ने से मजदूर की गयी जान

आरा (दैनिक नवसंदेश)। शहर के नवादा थाना क्षेत्र के चंदवा में शनिवार को तबियत बिगड़ने से एक मजदूर की मौत हो गई। इलाज के लिए सदर अस्पताल लाने के दौरान उसने रास्ते में दम तोड़ दिया। घटना को लेकर लोगों के बीच अफरा-तफरी का आलम रहा। जानकारी के अनुसार मृतक नवादा थाना क्षेत्र के पकड़ी मोहल्ला निवासी रामचंद्र प्रसाद का 24 वर्षीय पुत्र विकास कुमार है। इधर, मृतक के साथ काम कर रहे साथी मजदूर तूफानी तुरहा ने बताया कि वह दोनों चंदवा स्थित निजी अस्पताल में गिट्टी-बालू ढोने का काम कर रहे थे। इस दौरान वह अचानक बेहोश होकर गिर पड़ा। साथी मजदूरों द्वारा उसे इलाज के लिए सदर अस्पताल लाया गया। सूचना पाकर परिजन भी सदर अस्पताल पहुंचे। जहां चिकित्सक ने देख उसे मृत घोषित कर दिया। इसके बाद परिजन उसके शव वापस घर ले गए। युवक की मौत कैसे हुई यह स्पष्ट नहीं हो सका है। बताया जाता है कि मृतक अपने दो भाइयों में छोटा था। उसके परिवार में मां आशा देवी एवं एक भाई है।

पुलिस पर हमले का आरोपी गिरफ्तार

आरा (दैनिक नवसंदेश)। पुलिस पर हमले के मामले में फरार चल रहे एक आरोपित को गिरतार किया गया है। वह टाउन थाना क्षेत्र के धरहरा मोहल्ला निवासी स्व् राम नारायण राम का पुत्र दिनेश कुमार है। इस मामले में पूर्व में भी एक महिला समेत तीन लोगों को गिरतार किया गया था। बता दें कि बीते बर्ष 29 जून 2025 को टाउन थाना की पुलिस धरहरा मोहल्ले में छापेमारी करने गई थी। इसी दौरान पुलिस पर हमला किया गया था। इस मामले में पुलिस द्वारा नामजद लोगों पर एफआईआर दर्ज कराया गया था। घटना के बाद पुलिस ने एक महिला समय तीन लोगों को गिरतार कर लिया था। जबकि अन्य फरार चल रहे थे।

गौरव इलेवन ने खिताब पर जमाया कब्जा

पीरो (दैनिक नवसंदेश)। सती न्यू स्टार क्लब पूरब टोला अगिआंव बाजार के तत्वावधान में आयोजित कैनवास बाल क्रिकेट प्रतियोगिता के फाइनल मुकाबले में गौरव इलेवन तेलाढ ने छोटू इलेवन अगिआंव बाजार को 9 विकेट से हराकर खिताबी जीत हासिल की। टूर्नामेंट में कुल 24 टीमों ने भाग लिया। फाइनल मुकाबला गौरव इलेवन तेलाढ एवं छोटू इलेवन अगिआंव बाजार के बीच खेला गया। फाइनल मैच में छोटू इलेवन अगिआंव बाजार ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 4ओवर में 30 रन बनाए। इसके जवाब मे गौरव इलेवन तेलाढ ने 3 ओवर में ही लक्ष्य हासिल कर 9 विकेट से मैच जीत लिया। इस मैच का आयोजन ग्राम अगिआंव बाजार के हरिनंदन सिंह, सोनू सिंह, मनोहर कुमार, रितेश कुमार, नीनि कुमार, जयराम सिंह, मनु कुमार, दीपक कुमार की देखरेख में किया गया। मैच में कमेंट्री चंदन कुमार के द्वारा बहुत ही शानदार ढंग से किया गया। मैच के अंपायर हरिनंदन कुमार एवं सोनू कुमार थे। मुखिया प्रतिनिधि राम बाबू चंद्रवंशी के द्वारा विजेता टीम को

ट्रॉफी प्रदान किया गया। जबकि उप विजेता टीम को सत्येन्द्र सिंह ने ट्राफी प्रदान किया गया।

बाढ़ पूर्व सुरक्षा की तैयारी, एसडीआरएफ ने दिया आपदा प्रबंधन का प्रशिक्षण

कोईलवर (दैनिक नवसंदेश)। संभावित बाढ़ की स्थिति से प्रभावी ढंग से निपटने और राहत-बचाव कार्यो को मजबूत बनाने के उद्देश्य से शनिवार को कोईलवर प्रखंड परिसर स्थित ृषि कार्यालय में बाढ़ सुरक्षा एवं बचाव प्रशिक्षण सह जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता राजस्व पदाधिकारी राजभूषण सिंह ने की। इसमें जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों और कर्मचारियों को आपदा के समय त्वरित कार्रवाई, सुरक्षित निकासी और राहत कार्यो की विस्तृत जानकारी दी गई।एसडीआरएफ टीम के कमांडर राजकुमार ने प्रशिक्षण के दौरान कहा कि बाढ़ जैसी प्रा्तिक आपदा के समय घबराने के बजाय सतर्कता, समय पर सूचना और समन्वित प्रयास से जनहानि एवं संपत्ति के नुकसान को काफी हद तक कम किया जा सकता है। उन्होंने बताया कि जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के निर्देश पर जिले के सभी प्रखंडों में इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं, ताकि आपदा की स्थिति में स्थानीय स्तर पर प्रभावी और त्वरित राहत एवं बचाव कार्य सुनिश्चित हो सके। प्रशिक्षण के दौरान एसडीआरएफ की टीम ने बाढ़ में फंसे लोगों को सुरक्षित बाहर निकालने, प्राथमिक राहत उपलब्ध कराने, सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाने तथा प्रशासन को समय पर सूचना देने की प्रक्रिया का व्यावहारिक प्रदर्शन किया। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने बाढ़ प्रबंधन से जुड़ी आवश्यक जानकारियां प्राप्त कीं।

जलवायु अनुकूल स्वास्थ्य प्रणाली बनाने का संकल्प

जलवायु परिवर्तन से स्वास्थ्य पर बढ़ते खतरे को लेकर परिचर्चा

आरा (दैनिक नवसंदेश)। जलवायु परिवर्तन के कारण स्वास्थ्य पर पड़ रहे गंभीर प्रभावों को देखते हुए जीपीएसभीएस, जगतपुर के तत्वावधान में "जलवायु अनुकूल स्वास्थ्य प्रणाली" विषय पर एक महत्वपूर्ण परिचर्चा एवं विचार-विमर्श कार्यक्रम का आयोजन दिशा एक प्रयास के सभागार, आरा में किया गया। कार्यक्रम में भोजपुर जिले की 24 नागरिक समाज संस्थाओं, सामुदायिक आधारित संगठनों (सीबीओ), स्वास्थ्य कर्मियों, पंचायत प्रतिनिधियों एवं विभिन्न हितधारकों ने भाग लेकर जलवायु परिवर्तन से उत्पन्न स्वास्थ्य संबंधी चुनौतियों एवं उनके समाधान पर विस्तृत चर्चा की।

कार्यक्रम का शुभारंभ रमेश कुमार सिंह, कुमारी सुनिता सिंह एवं अन्य ने दीप प्रज्वलित कर किया। अपने उद्घाटन संबोधन में उन्होंने कहा कि बढ़ते तापमान, अनियमित वर्षा, बाढ़, लू तथा अन्य प्रा्तिक आपदाओं का सीधा प्रभाव जनस्वास्थ्य पर पड़ रहा है। ऐसे में स्वास्थ्य व्यवस्था को जलवायु के अनुरूप सुढ़ एवं सक्षम बनाना समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि समुदाय आधारित स्वास्थ्य प्रणाली को मजबूत बनाकर ही जलवायु परिवर्तन से उत्पन्न चुनौतियों का प्रभावी ढंग से सामना किया जा सकता है।

परिचर्चा के दौरान विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधियों ने बढ़ती गर्मी, बाढ़, जलजनित रोगों तथा डेंगू एवं मलेरिया जैसी वेक्टर जनित बीमारियों के बढ़ते खतरे पर चिंता व्यक्त की। वक्ताओं ने इस बात पर बल दिया कि इन चुनौतियों से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए स्वास्थ्य सेवाओं की पूर्व तैयारी, स्थानीय स्तर पर समन्वित कार्ययोजना तथा समुदाय में व्यापक जन-जागरूकता अभियान चलाना अत्यंत आवश्यक है। इस अवसर पर रमेश कुमार सिंह, कुमारी सुनिता सिंह, रामनाथ ठाकुर, भास्कर मिश्रा, पूनम पांडेय, चंद्रभूषण सिंह राजन सिंह महेंद्र शर्मा एवं प्रकाश जी राम नई आशा सहित विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि, स्वास्थ्यकर्मी एवं सामुदायिक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

एसडीएम की मौजूदगी में हुई सुनवाई

पीरो (दैनिक नवसंदेश)। अनुमंडल के तरारी प्रखंड मुख्यालय में विशेष शिविर आयोजित कर भूमि संबंधित मामलों की सुनवाई की गई। इस दौरान सुनवाई के लिए आए 41 मामलों से 8 मामलों का त्वरित निष्पादन कर दिया गया। अनुमंडल पदाधिकारी ृष्णकुमारउपाध्याय, भूमि सुधार उपसमाहर्ता वरुणजय कुमार और तरारी अंचल के इमादपुर, तरारी और सिकहट्टा थानाध्यक्ष, अंचल अधिकारी और राजस्व अधिकारी के साथ सभी राजस्व कर्मचारी भूमि विवाद संबंधित इस बैठक में उपस्थित थे। सुनवाई के लिए आए मामलों में 10 मामले दाखिल खारिज, 12 मामले परिमार्जन, पांच मामले अतिक्रमण तथा 8 भूमि विवाद के ऐसे मामले थे जिसमें अनुमंडल के स्तर पर धारा 126 और धारा 163 की कार्रवाई की जा रही है। दो मामले थाना अध्यक्ष तरारी को संदर्भित किए गए और दो मामले में भूमि सुधार उपसमाहर्ता को वाद संधारित करने के लिए निर्देश दिए गए। दो मामले को अपर समाहर्ता के न्यायालय में वाद दायर करने का सुझाव दिया गया। लोक शिकायत के एक मामले में पुन अतिक्रमण बाद में सुनवाई करने के लिए द्वितीय अपीलीय प्राधिकार सह जिला पदाधिकारी द्वारा आदेश किया गया था उसमें पुनः अभिलेख खुलवाकर कार्रवाई शुरू कर दी गई है। अन्य सभी मामलों में भी कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

जुलाई के दूसरे सप्ताह में आंदोलन करेगा शिक्षक संघ

गड़हनी (दैनिक नवसंदेश)। शिक्षकों की विभिन्न लंबित एवं ज्वलंत समस्याओं के समाधान को लेकर अंचल प्राथमिक शिक्षक संघ की महत्वपूर्ण बैठक शनिवार को चंद्रहांस मार्केट में हुई। अध्यक्षता अंचल अध्यक्ष नागेंद्र कुमार सिंह ने की, जबकि जिला प्रधान सचिव नंदजी सिंह मुख्य रूप से उपस्थित रहे। बैठक का संचालन अंचल सचिव राघो राम ने किया। बैठक में प्रखंड के विभिन्न विद्यालयों से आए शिक्षकों ने अपनी-अपनी समस्याओं को विस्तार से रखा। शिक्षकों ने सेवा संबंधी मुद्दों, प्रशासनिक कठिनाइयों तथा शिक्षा व्यवस्था से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा की। जिला प्रधान सचिव नंदजी सिंह ने संगठन की मजबूती पर बल देते हुए कहा कि शिक्षकों की समस्याओं के समाधान के लिए चरणबद्ध आंदोलन चलाया जाएगा और जायज मांगों को सरकार एवं प्रशासन तक प्रभावी ढंग से पहुंचाया जाएगा। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि शिक्षकों की स्थानीय समस्याओं के समाधान की मांग को लेकर जुलाई के दूसरे सप्ताह में प्रखंड एवं जिला मुख्यालय पर प्रदर्शन किया जाएगा। इसके माध्यम से संबंधित अधिकारियों का ध्यान शिक्षकों की समस्याओं की ओर आकर्षित किया जाएगा। वक्ताओं ने कहा कि यदि समय पर समस्याओं का समाधान नहीं हुआ तो आंदोलन को और व्यापक रूप दिया जाएगा। बैठक में टेट परीक्षा की अनिवार्यता को लेकर भी विस्तार से चर्चा हुई। शिक्षकों ने इस व्यवस्था में संशोधन की आवश्यकता जताई।

संक्षिप्त खबरें

पुलिस ने किया महुआ निर्मित शराब बरामद, अज्ञात पर हुआ प्राथमिकी

कुर्था (एनएसबी)। अवैध शराब कारोबारी के खिलाफ चलाए जा रहे हैं विशेष छापेमारी अभियान के तहत कुर्था थाने की पुलिस ने थाना क्षेत्र के सचई मठिया गांव खेत से 12 लीटर महुआ निर्मित शराब बरामद किया। इस संबंध में कुर्था थानाध्यक्ष चंदन कुमार झा ने बताया कि अरवल पुलिस कप्तान के निर्देश पर चलाए जा रहे विशेष छापेमारी अभियान के तहत कुर्था थाना क्षेत्र के सचई मठिया गांव से 12 लीटर महुआ निर्मित शराब बरामद किया गया है। जिसके बाद अज्ञात पर प्राथमिकी दर्ज की गई। छापेमारी अभियान में थानाध्यक्ष के अलावा एस आई अमित कुमार, नीरज कुमार, अजित कुमार समेत कई पुलिसकर्मी शामिल थे।

वज्रपात से एक महिला की मौत

शहरतेलपा (एनएसबी)। बीते दिन शहर तेलपा थाना क्षेत्र के बेलखरा गांव निवासी कविंद्र राम की पत्नी की मौत ठनका गिरने से हो गई। ज्ञात हो कि बीते दिन बेलखरा की रहने वाली मालती देवी अपने खेत में सब्जी रोपने गई थी इसी दौरान अचानक से आई हल्की सी बारिश के दरमियान अचानक ठनका गिरा जिसे घटनास्थल पर ही मौत हो गई। जब इसकी जानकारी गांव वालों को मिली तो घटना स्थल पर आसपास के लोगों के भीड़ इकट्ठा हो गई। मालती देवी की मौत के बाद गांव में मातम छाया हुआ है। ठनका गिरने से बेलखारा एवं आसपास के गांव में लोग के सिहरण पैदा हो गई। महिल की मौत के बाद स्थानीय मुखिया सूरजमल प्रसाद,पूर्व सरपंच उपेंद्र शर्मा, सामाजिक कार्यकर्ता विनोद राम सहित कई लोगों ने शोक व्यक्त किया ।मुखिया सूरजमल प्रसाद ने पीड़ित परिवार को हर संभव सरकारी सहायता दिलाने का भरोसा जताया।

शोषित समाज दल ने 16 सूत्री मांगों को लेकर कुर्था प्रखंड कार्यालय पर दिया धरना, मुख्यमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

कुर्था (एनएसबी)। शोषित समाज दल, मंडल शाखा कुर्था द्वारा शनिवार को प्रखंड विकास पदाधिकारी कार्यालय परिसर में 16 सूत्री मांगों को लेकर एक दिवसीय धरना-प्रदर्शन आयोजित किया गया। धरना के उपरांत मुख्यमंत्री, बिहार सरकार के नाम प्रखंड विकास पदाधिकारी को ज्ञापन सौंपा गया। धरना को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि केंद्र एवं राज्य सरकार की नीतियों के कारण महंगाई, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार और किसानों की समस्याएं लगातार बढ़ रही हैं। उन्होंने शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, सिंचाई तथा रोजगार जैसे बुनियादी मुद्दों पर सरकार से ठोस कदम उठाने की मांग की। ज्ञापन में प्रतियोगी परीक्षाओं में पेपर लीक की घटनाओं पर रोक लगाने, गया से जहानाबाद होते हुए पटना तक रेल लाइन निर्माण, शिक्षकों को गैर-शैक्षणिक कार्यों से मुक्त करने, कुर्था प्रखंड में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में महिला चिकित्सक एवं अल्ट्रासाउंड की व्यवस्था, विभिन्न सड़कों का निर्माण, प्राथमिक से उच्च शिक्षा तक निःशुल्क शिक्षा लागू करने, सहारा निवेशकों का भुगतान कराने, गांवों में ध्वनि विस्तारक यंत्र लगाने तथा कृषि में उपयोग होने वाले सभी साधनों को करमुक्त करने सहित कुल 16 मांगें शामिल हैं। शोषित समाज दल के नेताओं ने कहा कि यदि सरकार उनकी मांगों पर शीघ्र कार्रवाई नहीं करती है तो संगठन चरणबद्ध आंदोलन चलाने को बाध्य होगा। धरना-प्रदर्शन शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ।

जहानाबाद में उर्वरक निगरानी समिति की बैठक, कालाबाजारी पर जीरो टॉलरेंस के निर्देश

जहानाबाद। खरीफ मौसम को देखते हुए किसानों को समय पर उर्वरक उपलब्ध कराने और कालाबाजारी पर रोक लगाने के उद्देश्य से शनिवार को समाहरणालय में जिला पदाधिकारी छिरिड़ वाई भूटिया की अध्यक्षता में जिला

स्तरीय उर्वरक निगरानी समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में उर्वरकों की उपलब्धता और वितरण व्यवस्था की समीक्षा की गई। जिला कृषि पदाधिकारी ने बताया कि जिले में वर्तमान में 3,962.48 मीट्रिक टन यूरिया, 924.15 मीट्रिक टन डीएपी, 550.27 मीट्रिक टन एमओपी, 2,951.82 मीट्रिक टन एनपीके तथा 769.55 मीट्रिक टन एसएसपी उपलब्ध है। डीएपी की कमी को देखते हुए विभाग से अतिरिक्त आवंटन की मांग की गई है, जो जल्द उपलब्ध होने की उम्मीद है। बैठक में बताया गया कि चालू वित्तीय वर्ष में 117 उर्वरक प्रतिष्ठानों की जांच की गई, जिनमें 26 मामलों में अनियमितताएं पाई गईं। इसके तहत एक प्रतिष्ठान का लाइसेंस रद्द, तीन का निलंबित किया गया, जबकि 22 प्रतिष्ठानों से स्पष्टीकरण मांगा गया है। जिला पदाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि उर्वरकों की बिक्री निर्धारित मूल्य पर ही सुनिश्चित की जाए तथा कालाबाजारी, जमाखोरी और अनियमितता के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति अपनाई जाए। उन्होंने नियमित निरीक्षण, थोक एवं खुदरा विक्रेताओं के बीच संतुलित आपूर्ति तथा किसानों को समय पर उर्वरक उपलब्ध कराने पर विशेष जोर दिया। बैठक में जनप्रतिनिधियों ने भी जिले में उर्वरकों की निर्बाध उपलब्धता सुनिश्चित करने की मांग की। साथ ही कृषि विभाग के अधिकारी, सभी प्रखंड कृषि पदाधिकारी एवं थोक उर्वरक विक्रेता उपस्थित रहे।

जहानाबाद में सिपाही भर्ती परीक्षा की तैयारी पूरी, कदाचारमुक्त संचालन के लिए प्रशासन अलर्ट

जहानाबाद। 28 जून को आयोजित होने वाली सिपाही भर्ती परीक्षा (02/2026) के शांतिपूर्ण, निष्पक्ष एवं कदाचारमुक्त संचालन को लेकर जिला पदाधिकारी छिरिड़ वाई भूटिया एवं पुलिस अधीक्षक कोटा किरण कुमार की संयुक्त अध्यक्षता में समाहरणालय स्थित ग्राम प्लेक्स भवन में प्रतिनियुक्त दंडाधिकारियों, पुलिस पदाधिकारियों, केंद्राधीक्षकों एवं संबंधित अधिकारियों की संयुक्त ब्रीफिंग आयोजित की गई। जिला पदाधिकारी ने बताया कि जिले में

परीक्षा के लिए 10 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं, जहां 5,328 अभ्यर्थी शामिल होंगे। परीक्षा 28 जून को एकल पाली में दोपहर 12 बजे से 2 बजे तक होगी। अभ्यर्थियों का प्रवेश सुबह 10 बजे से शुरू होगा, जबकि 11 बजे के बाद किसी को भी प्रवेश नहीं मिलेगा। उन्होंने सभी केंद्रों पर सीसीटीवी, मोबाइल जैमर, बायोमेट्रिक सत्यापन, फ्रिस्किंग, पेयजल, शौचालय एवं अन्य आवश्यक सुविधाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। पुलिस अधीक्षक ने प्रतिरूपण, इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के दुरुपयोग और कदाचार रोकने के लिए सघन जांच तथा परीक्षा केंद्रों, रेलवे स्टेशन और आसपास के क्षेत्रों में पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती का निर्देश दिया। परीक्षा से संबंधित शिकायतों के त्वरित निस्तारण के लिए अनुमंडल कार्यालय, जहानाबाद में जिला नियंत्रण कक्ष स्थापित किया गया है। इसके लिए 06114-223013 दूरभाष संख्या जारी की गई है, जिस पर अभ्यर्थी या आम नागरिक परीक्षा संबंधी सूचना एवं शिकायत दर्ज करा सकते हैं।

श्रावणी मेला की तैयारी तेज : डीएम ने बराबर पर्यटन क्षेत्र का किया निरीक्षण

जहानाबाद (एनएसबी)। आगामी श्रावणी मेला को लेकर तैयारियां तेज हो गई हैं। शनिवार को छिरिडड्ढ वाई भूटिया ने संबंधित अधिकारियों के साथ बराबर पर्यटन क्षेत्र का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं की समीक्षा की और विभिन्न विभागों को समयबद्ध कार्रवाई के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान हथियाबोर में निमार्णाधीन रोपवे का जायजा लेते हुए जिला पदाधिकारी ने बिहार राज्य पुल निर्माण निगम के कार्यपालक अभियंता को सितंबर 2026 तक निर्माण कार्य पूरा करने का निर्देश दिया। साथ ही श्रावणी मेले के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा को देखते हुए पहाड़ी मार्गों पर बैरिकेडिंग कराने तथा अधूरे निर्माण कार्यों को शीघ्र पूरा करने को कहा।

सितंबर तक रोपवे निर्माण पूरा करने का निर्देश

जिला पदाधिकारी ने पर्यटकों और श्रद्धालुओं के लिए पर्याप्त पेयजल एवं शौचालय की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग को दिए। वहीं प्रखंड विकास पदाधिकारी को लोहिया स्वच्छ बिहार अभियान के तहत सफाई व्यवस्था सुदृढ़ करने तथा विभिन्न स्थानों पर डस्टबिन उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया। पर्यटन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (NHAI) को बराबर क्षेत्र में प्रत्येक एक किलोमीटर पर पर्यटन संबंधी साइनेज एवं लोगो लगाने के निर्देश दिए गए। साथ ही पाथवे के दोनों ओर पौधारोपण कर क्षेत्र के सौंदर्यीकरण की योजना पर भी जोर दिया गया। इसके अलावा पंचायत हाट के विकास, श्रावणी मेला की समय पर बंदोबस्ती तथा पातालगंगा तालाब में स्वच्छ जल उपलब्ध कराने के संबंध में भी संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए। निरीक्षण के दौरान अपर समाहर्ता (राजस्व) श्री अनिल कुमार सिन्हा, डीआरडीए निदेशक श्री रोहित कुमार मिश्रा, जिला कला एवं संस्कृति पदाधिकारी श्रीमती चाँदनी कुमारी, जिला योजना पदाधिकारी श्री सुबोध कुमार, वन क्षेत्र पदाधिकारी श्रीमती ऋतुपर्णा सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

जून को आयोजित होने वाली सिपाही भर्ती परीक्षा के अभ्यर्थियों से निर्धारित दर से अधिक किराया वसूलने वालों पर होगी सख्त कार्रवाई

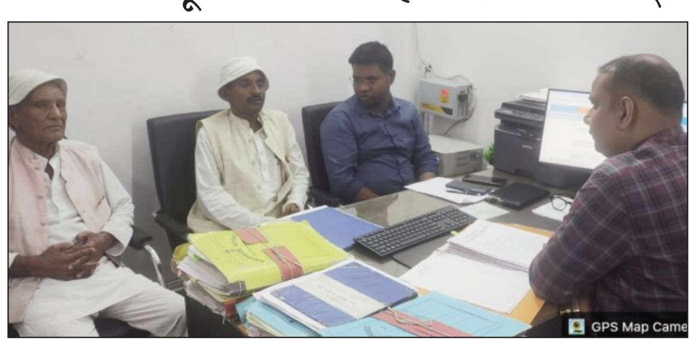

जहानाबाद (एनएसबी)। जिला पदाधिकारी, जहानाबाद श्रीमती छिरिडड्ढ वाई भूटिया एवं पुलिस अधीक्षक, जहानाबाद श्री कोटा किरण कुमार के निदेर्शानुसार जिला परिवहन पदाधिकारी श्री अविनाश कुमार द्वारा सूचित किया गया है कि दिनांक 28 जून, 2026 को आयोजित होने वाली " *सिपाही भर्ती परीक्षा* " में शामिल होने आ रहे अभ्यर्थियों से निर्धारित दर से अधिक किराया वसूलने वाले वाहन मालिकों/चालकों के विरुद्ध कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। जिला परिवहन पदाधिकारी ने बताया कि जहानाबाद जिले में इस परीक्षा हेतु कुल 10 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं, जहाँ विभिन्न शहरों और जिलों से अभ्यर्थी पहुंचेंगे। बस स्टैंड या रेलवे स्टेशन से परीक्षा केंद्रों तक आने-जाने के लिए यदि किसी भी वाहन द्वारा सरकार द्वारा तय किराए से अधिक राशि वसूली जाती है, तो उनके खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। प्रशासन अभ्यर्थियों की सुविधा और सुरक्षा के लिए पूरी तरह सतर्क है, जिसके लिए जिला परिवहन पदाधिकारी द्वारा आटो एसोसिएशन के साथ बैठक कर लिया गया है, अगर ऐसी कोई शिकायत आती है तो अभ्यर्थी इसका शिकायत जिला नियंत्रण कक्ष के दूरभाष संख्या 06114 - 223013 पर कर सकते है।

गंभीर रक्ताल्पता से ग्रसित गर्भवती महिलाओं के उपचार को लेकर चिकित्सकों का प्रशिक्षण

जहानाबाद। गंभीर रक्ताल्पता (एनीमिया) से पीड़ित गर्भवती महिलाओं को सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण उपचार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जिला स्वास्थ्य समिति, जहानाबाद द्वारा शनिवार को फेरिक कार्बोक्सीमाल्टोज (एफसीएम) इंजेक्शन चिकित्सा विषय पर चिकित्सकों एवं परिचारिकाओं का जिला स्तरीय प्रशिक्षण आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन सिविल सर्जन एवं अन्य अधिकारियों ने संयुक्त रूप से किया। प्रशिक्षण में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों, रेफरल अस्पतालों एवं अन्य स्वास्थ्य संस्थानों के चिकित्सकों और परिचारिकाओं को गंभीर रक्ताल्पता की पहचान, लाभार्थियों के चयन, एफसीएम इंजेक्शन देने की मानक प्रक्रिया, संभावित दुष्प्रभावों के प्रबंधन तथा संक्रमण नियंत्रण की जानकारी दी गई। पिरामल फाउंडेशन की राज्य स्तरीय प्रशिक्षक ईलिशा ने प्रशिक्षण दिया। सिविल सर्जन ने कहा कि यह उपचार मातृ मृत्यु दर और गंभीर एनीमिया की रोकथाम की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। जिला प्रतिरक्षण पदाधिकारी ने निर्देश दिया कि गंभीर रक्ताल्पता से ग्रसित प्रत्येक पात्र गर्भवती महिला को एफसीएम इंजेक्शन उपलब्ध कराया जाए तथा सभी गर्भवती महिलाओं को 180 आयरन की गोलियां समय पर दी जाएं। जिला कार्यक्रम प्रबंधक ने बताया कि प्रशिक्षण प्राप्त चिकित्सक एवं परिचारिकाएं अब प्रखंड स्तर पर एएनएम और जीएनएम को प्रशिक्षित करेंगी, ताकि जिले के सभी स्वास्थ्य संस्थानों में इस जीवनरक्षक उपचार का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जा सके।

वृद्धाश्रम में स्व. कृष्ण प्रसाद गुप्ता को श्रद्धांजलि, बुजुर्गों के लिए कराया गया भोज

जहानाबाद। जिले के मलहचक स्थित वृद्धाश्रम में समाजसेवी स्वर्गीय कृष्ण प्रसाद गुप्ता की स्मृति में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर वृद्धाश्रम में रह रहे बुजुर्गों के लिए विशेष भोज का भी आयोजन किया गया। बताया गया कि स्व. गुप्ता के ब्रह्मभोज कार्यक्रम में आश्रम के बुजुर्ग लाचारीवश शामिल नहीं हो सके थे, इसलिए उनके सम्मान में आश्रम में ही यह कार्यक्रम आयोजित किया गया। श्रद्धांजलि सभा में वृद्धाश्रम के संचालक बबलू गुप्ता, कांग्रेस सेवा दल के पूर्व जिलाध्यक्ष एवं वरिष्ठ नेता रामजी प्रसाद सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। सभी ने स्व. कृष्ण प्रसाद गुप्ता के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी और उनके समाजसेवा के कार्यों को याद किया। रामजी प्रसाद ने कहा कि स्व. कृष्ण प्रसाद गुप्ता एक मिलनसार, हंसमुख और समाजहित के लिए समर्पित व्यक्तित्व थे।

सभी पंचायतों में कल आयोजित होगा पंचायत विकास दिवस

अरवल (एनएसबी)। पंचायती राज विभाग, बिहार सरकार के निदेर्शानुसार दिनांक 28 जून, 2026 (रविवार) को अरवल जिला अंतर्गत सभी ग्राम पंचायतों में पंचायत विकास दिवस का आयोजन किया जाएगा। यह कार्यक्रम प्रातः 10:00 बजे से अपराह 12:00 बजे तक पंचायत सरकार भवन, पंचायत भवन, सामुदायिक भवन अथवा निर्धारित सार्वजनिक स्थलों पर आयोजित होगा। इस कार्यक्रम का उद्देश्य ग्राम पंचायतों में जनभागीदारी को बढ़ावा देना, स्थानीय विकास योजनाओं पर चर्चा करना तथा सतत विकास लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु सामूहिक प्रयास सुनिश्चित करना है। कार्यक्रम में ग्राम सभा के सभी सदस्यों, जनप्रतिनिधियों, पंचायत प्रतिनिधियों एवं आम नागरिकों की सहभागिता सुनिश्चित की जाएगी। कार्यक्रम के दौरान ग्राम पंचायतों की वर्तमान योजनाओं, आगामी विकास कार्यों, प्राप्त राशि, व्यय एवं अवशेष राशि के विवरण पर चर्चा की जाएगी। साथ ही स्थानीयकृत सतत विकास के नौ लक्ष्यों पर विचार-विमर्श किया जाएगा। इस माह के पंचायत विकास दिवस का विषय महिला हितैषी ग्राम पंचायत निर्धारित किया गया है। कार्यक्रम में महिलाओं की भागीदारी, उनके सशक्तिकरण एवं महिला अनुकूल पंचायत व्यवस्था के विभिन्न पहलुओं पर विशेष चर्चा की जाएगी। इसके अतिरिक्त उत्कृष्ट पंचायतों द्वारा किए गए विकास कार्यों का वीडियो प्रदर्शन भी किया जाएगा। कार्यक्रम के दौरान माननीय प्रधानमंत्री के मासिक रेडियो कार्यक्रम मन की बात का भी सीधा प्रसारण किया जाएगा। जिला प्रशासन, अरवल द्वारा जिले के सभी पंचायत प्रतिनिधियों, जनप्रतिनिधियों एवं आम नागरिकों से अपील की गई है कि वे पंचायत विकास दिवस कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में भाग लेकर ग्राम पंचायतों के विकास एवं सशक्तिकरण में अपनी सक्रिय भूमिका निभाएं।

जहानाबाद में कृषि ट्रांसफार्मर चोरी पर प्रशासन सख्त, दोषियों की धरपकड़ के निर्देश

जहानाबाद। जिले में कृषि फीडरों से ट्रांसफार्मरों की बढ़ती चोरी की घटनाओं को गंभीरता से लेते हुए जिला प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है। शनिवार को जिला पदाधिकारी छिरिड़ वाई भूटिया एवं पुलिस अधीक्षक कोटा किरण कुमार की संयुक्त अध्यक्षता में समीक्षा बैठक आयोजित की गई, जिसमें संबंधित अधिकारियों को त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई के निर्देश दिए गए। बैठक में बताया गया कि जिले में कृषि कार्यों के लिए कुल 3,061 ट्रांसफार्मर स्थापित हैं, जिनमें से 112 ट्रांसफार्मर चोरी की घटनाओं से प्रभावित हुए हैं। इन सभी मामलों में विद्युत विभाग द्वारा संबंधित थानों में प्राथमिकी दर्ज कराई जा चुकी है। जिला पदाधिकारी ने कहा कि खरीफ मौसम में धान की बुआई और सिंचाई प्रभावित न हो, इसके लिए ट्रांसफार्मरों की शीघ्र स्थापना के साथ चोरी की घटनाओं पर प्रभावी रोक लगाना प्राथमिकता है। वहीं पुलिस अधीक्षक ने दोषियों की शीघ्र पहचान, गिरफ्तारी और

उनके विरुद्ध कड़ी कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में चोरी की घटनाओं की त्वरित सूचना प्राप्त करने के लिए प्रभावी सूचना तंत्र विकसित करने तथा पुलिस एवं विद्युत विभाग के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने पर भी चर्चा हुई। अधिकारियों को निर्देश दिया गया कि कृषि प्रधान जिले में किसानों को निर्बाध सिंचाई सुविधा उपलब्ध कराने के लिए हरसंभव प्रयास किए जाएं। विद्युत विभाग ने बताया कि वर्तमान में 250 नए कृषि ट्रांसफार्मर स्थापित किए जा रहे हैं। अभी प्रतिदिन 7 से 8 ट्रांसफार्मर लगाए जा रहे हैं। जिला पदाधिकारी ने इस कार्य में तेजी लाते हुए प्रतिदिन 12 से 15 ट्रांसफार्मरों की स्थापना सुनिश्चित करने का निर्देश दिया, ताकि धान की बुआई के दौरान किसानों को सिंचाई संबंधी किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े।

सहयोग शिविरों के आवेदनों के त्वरित निष्पादन पर डीएम ने दिए सख्त निर्देश

जहानाबाद (एनएसबी)। समाहरणालय स्थित सभा कक्ष में शनिवार को जिला पदाधिकारी छिरिड़ वाई भूटिया की अध्यक्षता में ह्लसबका सम्मानझ्रजीवन आसानह्व अभियान के तहत आयोजित सहयोग शिविरों में प्राप्त आवेदनों के निष्पादन एवं अनुपालन की विभागवार समीक्षा बैठक हुई। बैठक में सभी विभागों को आवेदनों का गुणवत्तापूर्ण और समयबद्ध निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। जिला पदाधिकारी ने कहा कि सहयोग शिविरों का उद्देश्य आम नागरिकों की समस्याओं का वास्तविक और संतोषजनक समाधान करना है। इसलिए प्रत्येक विभाग यह सुनिश्चित करे कि आवेदक को उसकी समस्या का प्रभावी समाधान मिले तथा निष्पादन की सूचना अनिवार्य रूप से संबंधित आवेदक तक पहुंचाई जाए। उन्होंने जिला स्तरीय अधिकारियों, प्रखंड विकास पदाधिकारियों, अंचल अधिकारियों एवं कार्यपालक पदाधिकारियों को पंचायतों और शहरी क्षेत्रों से प्राप्त शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण करने का निर्देश दिया। साथ ही सहयोग शिविरों एवं सहयोग पोर्टल पर प्राप्त आवेदनों की गुणवत्ता की नियमित जांच और लंबित मामलों की सतत मॉनिटरिंग करने को कहा। जिला पदाधिकारी ने कहा कि सहयोग शिविर शासन और जनता के बीच संवाद एवं समाधान का प्रभावी माध्यम हैं। उन्होंने सभी विभागों से संवेदनशीलता और जवाबदेही के साथ कार्य करने का आह्वान किया। समीक्षा में बताया गया कि जिला प्रशासन की नियमित निगरानी के कारण पिछले एक सप्ताह में लंबित आवेदनों की संख्या 14 प्रतिशत से घटकर मात्र 3 प्रतिशत रह गई है। बैठक में सभी जिला स्तरीय अधिकारी तथा प्रखंड एवं अंचल स्तर के अधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से शामिल हुए।